निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• 23 मई 2025 शुक्रवार • बोकारो संस्करण • वर्ष : 09 • अंक : 6 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1915 : प्रथम विश्व युद्ध के समय इटली ने ऑस्ट्रिया, हंगरी तथा जर्मनी के खिलाफ युद्ध की घोषणा की थी।
1919 : जयपुर राजघराने की राजमाता महारानी गायत्री देवी का जन्म।
1984 : बछेन्द्री पाल दुनिया की सबसे ऊंची चोटी एवरेस्ट को फतह करने वाली पहली भारतीय महिला बनी।
1986 : अमेरिका और पश्चिमी यूरोपीय देशों ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारी प्रतिबंधों के प्रस्ताव पर वीटो किया।
1994 : सऊदी अरब में भगदड़ से 270 तीर्थयात्रियों की मौत।

देश में 100 से अधिक अमृत भारत स्टेशन बनकर तैयार : मोदी

प्रधानमंत्री ने 26 हजार करोड़ की विकास परियोजनाओं के अलावा पुनर्विकसित 103 रेलवे स्टेशनों का किया उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज राजस्थान के बीकानेर जिले के दौरे पर रहे। पाकिस्तान पर भारतीय सेना द्वारा किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह उनका पहला राजस्थान दौरा रहा। इस दौरान उन्होंने 26 हजार करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी। साथ ही देश के 103 रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन किया। इन सभी रेलवे स्टेशनों को 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत पुनर्विकसित किया गया था। पीएम ने बीकानेर-बांद्रा ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाई। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि 11 साल में राजस्थान में करीब 70 हजार करोड़ खर्च किए गए हैं। केंद्र सरकार प्रदेश में रेलवे के विकास के लिए करीब 10 हजार करोड़ खर्च कर रही है। 2014 की तुलना में यह 15 गुना ज्यादा है। भारत के बुनियादी ढांचे में हो रहे बदलावों का उल्लेख करने के साथ आधुनिकीकरण के प्रति राष्ट्र की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने पिछले 11 वर्षों में सड़कों, हवाई अड्डों, रेलवे और रेलवे स्टेशनों में हुई तीव्र प्रगति की चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत अब पिछले वर्षों की तुलना में बुनियादी ढांचे के विकास में छह गुना अधिक निवेश कर रहा है, एक ऐसी प्रगति जिसने वैश्विक ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने देश भर में प्रतिष्ठित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की चर्चा करते हुए उत्तर में उल्लेखनीय चिनाब ब्रिज, अरुणाचल प्रदेश में सेला सुरंग और पूर्व में असम में बोगीबील ब्रिज का उदाहरण दिया। उन्होंने पश्चिमी भारत में, मुंबई में अटल सेतु का उल्लेख किया जबकि दक्षिण में, उन्होंने भारत के अपनी तरह के पहले पंबन ब्रिज की चर्चा की। अपने रेलवे नेटवर्क को आधुनिक बनाने के भारत के निरंतर प्रयासों पर बल देते हुए श्री मोदी ने देश की नई गति और प्रगति के प्रतीक के रूप में वंदे भारत, अमृत भारत और नमो भारत रेलों के शुरूआत का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि अब लगभग 70 मार्गों पर वंदे भारत रेल चल रही हैं और इनसे दूरदराज के क्षेत्रों में आधुनिक रेल संपर्क स्थापित हो रहा हैं। उन्होंने पिछले 11 वर्षों में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की प्रगति की ओर भी ध्यान दिलाया, जिसमें सैकड़ों सड़क ओवरब्रिज और अंडरब्रिज के निर्माण के साथ ही 34,000 किलोमीटर से अधिक नई रेलवे पटरियां बिछाना शामिल है।

गोविंदपुर रोड स्टेशन पर दिखा उत्सव सा नजारा

कोलकाता (नबिटा ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत देश भर के 103 रेलवे स्टेशनों के साथ-साथ विभिन्न महत्वपूर्ण रेलवे अवसंरचना परियोजनाओं का वर्चुअल उद्घाटन किया। इस राष्ट्रव्यापी परियोजना के तहत दक्षिण पूर्व रेलवे के पुनर्विकसित गोविंदपुर रोड स्टेशन का भी उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर गोविंदपुर रोड स्टेशन पर एक रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार वर्चुअली उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल हुए और रेलवे की पहल की सराहना की। कार्यक्रम में झारखंड सरकार के परिवहन, राजस्व, पंजीकरण और भूमि सुधार (गैर-पंजीकरण) मंत्री दीपक बिरुआ, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, विधायक सुदीप गुहिया और पूर्व विधायक कोचे मुंडा की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इसके अलावा, बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी, स्कूली बच्चे, मीडियाकर्मी, रेल प्रशंसक, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, आस-पास के गांवों के सरपंच, सरकारी कार्यालयों के प्रतिनिधि और अन्य अतिथियों ने बड़े उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। गोविंदपुर रोड स्टेशन यात्री और माल परिवहन के लिए झारखंड का एक महत्वपूर्ण स्टेशन है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित स्टेशन यात्रियों को विश्व स्तरीय यात्रा सुविधाएं प्रदान करेगा और क्षेत्र के आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा।

जल संसाधन आयोग के गठन के प्रस्ताव को हेमंत कैबिनेट ने दी मंजूरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में गुरुवार 22 मई को झारखंड कैबिनेट की बैठक में 10 अहम फैसले लिये गये। कैबिनेट ने अल्पसंख्यक विद्यालयों में कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों को निःशुल्क पाठ्य-पुस्तक उपलब्ध कराने के फैसले को मंजूरी दी। आउटसोर्सिंग के जरिये रखे जाने वाले कर्मियों को भी अब आरक्षण का लाभ मिलेगा। सालाना तीन प्रतिशत उनको इन्क्रीमेंट भी मिलेगा। कैबिनेट में जल संसाधन आयोग के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। कक्षा 9 से 11 तक के छात्रों के लिए साइंस मैगजीन और 11वीं-12वीं के छात्रों के लिए प्रतियोगी मैगजीन प्रत्येक माह उपलब्ध कराने का फैसला सरकार ने किया है। झारखंड में संचालित गैर सरकारी सहायता प्राप्त वित्त सहित अल्पसंख्यक माध्यमिक विद्यालय/ मदरसा/ संस्कृत विद्यालयों में वर्ग-9 से वर्ग-10 तक की कक्षाओं में नामांकित एवं अध्ययनरत सभी कोटि के छात्र/ छात्राओं को पाठ्य-पुस्तक एवं कॉपी के निःशुल्क वितरण की स्वीकृति दी गयी। कैबिनेट की बैठक में झारखंड राज्य के समेकित विकास के लिए राज्य के रिवर बेसिनों में जल की अद्यतन उपलब्धता, विकास, इसके बहुआयामी उपयोग तथा कुशल प्रबंधन के लिए प्रथम झारखंड राज्य जल संसाधन आयोग के गठन प्रस्ताव पर स्वीकृति दी गयी। राजीव रंजन चौबे, निम्न वर्गीय लिपिक, सहायक जिला आपूर्ति पदाधिकारी कार्यालय, बुंडू रांची और अफजल हसनैन हक्की, निम्नवर्गीय लिपिक, जिला आपूर्ति पदाधिकारी कार्यालय, रांची की सेवा क्षेत्रीय संवर्ग से झारखंड सचिवालय लिपिकीय सेवा संवर्ग में परिवर्तित्त करते हुए निम्न वर्गीय लिपिक संप्रति कनीय सचिवालय सहायक के पद के विरूद्ध समायोजन करने की स्वीकृति दी गयी। झारखंड वरीय न्यायिक सेवा (भर्ती, नियुक्ति एवं सेवाशर्तें) नियमावली, 2001 के नियम 4 (थ) में उल्लिखित प्रावधान तथा झारखंड उच्च न्यायालय की अनुशंसा के आलोक में, झारखंड वरीय न्यायिक सेवा में जिला न्यायाधीश के पद पर श्री विकेश को सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किये जाने की स्वीकृति दी गयी। राज्य योजना अंतर्गत चतरा जिला में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, इटखोरी के भवन निर्माण की योजना में गबन की गयी राशि का उपायुक्त, चतरा द्वारा वसूली कर राजकोष में जमा करने की प्रत्याशा में गबन की राशि के समतुल्य राशि 22,07,722 रुपए पुनः आवंटित करने की स्वीकृति दी गयी।

झारखंड में बिना कोड के नहीं बिकेगी दवा, लाइसेंस होंगे रद्द

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी नकली दवा कारोबारियों पर सख्त

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में बढ़ रहे नकली दवाओं के कारोबार पर लगाम लगाने के लिए राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने बड़ा कदम उठाया है। मंत्री ने नकली दवा के कारोबारियों पर सख्ती से कार्रवाई के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि इन खराब गुणवत्ता वाली दवाओं में पाये जाने वाले कोडीन और अल्कोहल जानलेवा है। इससे ब्रेन और लिवर खराब हो रहे हैं। मंत्री ने बड़ा निर्णय लेते हुए कहा कि अब राज्य के बाजारों में बिना कोड की दवाइयां नहीं बिकेगी। एनएचएम में स्वास्थ्य विभाग की ओर से आयोजित समीक्षा बैठक में मंत्री ने कहा कि दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए उन पर कोड लगाया जायेगा। सरकार ने 300 महत्वपूर्ण दवाओं के लिए कोड

अनिवार्य कर दिया है। अब पेनकिलर, बुखार की दवा, प्लेटलेट बढ़ाने वाली दवा, शुगर व थायरॉयड की दवा, गर्भनिरोधक व विटामिन सप्लीमेंट्स जैसी प्रमुख दवाएं कोड के बिना बाजार में नहीं बिकेंगी। यह कोड हर दवा की असली पहचान, निर्माता, बैच नंबर, मैन्युफैक्चरिंग व एक्सपायरी तारीख की जानकारी देगा। इससे नकली दवा की पहचान तुरंत हो सकेगी। स्वास्थ्य मंत्री ने दवा दुकानों को चेतावनी देते हुए कहा कि बिना रजिस्ट्रेशन अगर किसी जगह दवा मिली, तो दुकान का लाइसेंस तुरंत रद्द कर उसे सील किया जायेगा। इसके लिए उन्होंने ड्रग इंस्पेक्टरों को भी चेताया। उन्होंने मिलीभगत और भ्रष्टाचार रोकने के लिए तीन साल से एक ही पोस्टिंग पर जमे कर्मचारियों व स्वास्थ्य पदाधिकारियों का तबादला करने की भी बात कही। राज्य में नकली दवाओं के कारोबार पर रोक लगाने के लिए स्टेट टेस्टिंग लैब का भी विस्तार होगा। दुमका, रांची, जमशेदपुर और पलामू में अत्याधुनिक फूड एवं मेडिसिन टेस्टिंग लैब स्थापित किये जायेंगे। अब दवाओं और खाद्य पदार्थों की जांच रिपोर्ट राज्य में ही बिना किसी देरी और गड़बड़ी के उपलब्ध होगी।

पुलिस अभिरक्षा में साइबर क्राइम के आरोपित की मौत

मारपीट का आरोप लगा परिजनों ने सड़क जाम कर किया विरोध प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। देवघर में साइबर क्राइम के आरोपित की पुलिस हिरासत में मौत का मामला गुरुवार को हंगामे में बदल गया। मृतक के परिजनों ने पुलिस पर मारपीट का आरोप लगा सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने पथराव भी किया। इसके बाद पुलिस ने लाठी भांज कर भीड़ को तितर-बितर किया। पुलिस को आंसू गैस के गोले भी छोड़ने पड़े। पूरा मामला पालोजोरी थाना क्षेत्र का है। दरअसल, साइबर थाना और स्थानीय पुलिस ने पालोजोरी थाना क्षेत्र के दुधनी गांव में छापेमारी कर चार युवकों को हिरासत में लिया था। पूछताछ के क्रम में 35 वर्षीय मेराज अंसारी की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उसे सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पोस्टमॉर्टम के बाद जब शव को पालोजोरी ले जाया गया तो आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। स्थिति तनावपूर्ण हो गई। परिजनों का आरोप है कि पुलिस कस्टडी में

मेराज की पिटाई से मौत हुई है। इधर, इस मामले पर पुलिस अधिकारी कोई बयान देने से बच रहे हैं। क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। वहीं, मृतक के बड़े भाई महबूब अंसारी ने आरोप लगाया कि पुलिस ने हिरासत में लेने के बाद से ही मेराज के साथ मारपीट शुरू कर दी थी। विरोध करने पर स्थानीय लोगों के साथ भी दुर्व्यवहार किया गया।

झारखंड की जेलों में 26 कैदी एचआइवी संक्रमित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड के विभिन्न जिलों में सजा काट रहे कुल 26 कैदी एचआइवी संक्रमित पाये गये हैं। राज्य सरकार द्वारा गठित स्टेट ओवरसाइट कमेटी की बैठक में इस बात की पुष्टि की गयी। झारखंड राज्य एड्स नियंत्रण समिति के परियोजना निदेशक अबु इमरान की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई। इसमें राज्य के जेलों में एचआइवी और टीबी की रोकथाम और बचाव के लिए संचालित कार्यक्रमों के आंकड़ों पर चर्चा की गयी। साल 2024-25 में राज्य के जेलों के कुल 37,702 कैदियों की एचआइवी जांच की गयी थी, जिसमें से 26 की रिपोर्ट पॉजिटिव आयी है। वहीं कुल 11,957 कैदियों की सिफलिस की भी जांच की गयी, जिसमें 9 कैदी सिफलिस से संक्रमित पाये गये। इसके अलावा 3 कैदी हेपेटाइटिस संक्रमित पाये गये हैं। सभी संक्रमितों को निकटवर्ती एआरटी केंद्र से लिंक कर उपचार की सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है। विभिन्न जेलों में कुल 40,454 कैदियों का टीबी संक्रमण को लेकर जरूरी 4-एस स्क्रीनिंग टेस्ट किया गया, जिसमें से 3,402 की स्पूटम जांच की गयी। जांच में कुल 37 कैदी टीबी से संक्रमित पाये गये। इन सभी को डॉट्स से लिंक कर चिकित्सा उपलब्ध कराया गया। समीक्षा बैठक में एआइजी जेल तुषार गुप्ता, उप सचिव, झालसा दीपक कुमार साहू, समाज कल्याण विभाग से अनामिका, एड्स नियंत्रण समिति के अपर परियोजना निदेशक डॉ श्याम सुंदर पासवान सहित अन्य उपस्थित रहें।

बूढ़ी गंडक नदी में नहाने गई दो लड़कियां डूबी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मुजफ्फरपुर। जिले के अहियापुर थाना क्षेत्र के दादर कोल्हुआ गांव में बूढ़ी गंडक नदी में नहाने गए पांच बच्चों में से दो बच्चियां तेज बहाव में डूब गईं। बाकी तीन बच्चों को समय रहते बाहर निकाल लिया गया। डूबी हुई बच्चियों की तलाश में एसडीआरएफ और पुलिस की टीम लगी हुई है लेकिन अब तक उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया है। पुलिस के अनुसार, डूबी हुई बच्चियों में एक की पहचान दादर कोल्हुआ गांव निवासी रामबाबू पासवान की पुत्री कृष्णा कुमारी जबकि दूसरी बच्ची सोनम कुमारी है, जो भगवानपुर सदर थाना क्षेत्र की रहने वाली है और अपने ननिहाल आई हुई थी। घटना बाद से परिजनों में मातम का माहौल है। रो-रोकन लोगों खासकर महिलाएं बेसुध हो रही है।

ऑटो-पिकअप की सीधी टक्कर में दो की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कोडरमा। कोडरमा थाना क्षेत्र अंतर्गत कोडरमा-जमुआ मेन रोड के लोकाई तालाब के पास सुबह करीब 6:30 बजे ऑटो और पिकअप की जोरदार टक्कर हो गई। इस टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार झुमरीतिलैया के नरेश नगर से 7 लोग एक ऑटो पर सवार होकर डोमचांच की ओर जा रहे थे। इसी क्रम में लोकई तालाब के समीप विपरीत दिशा से आ रही एक पिकअप वैन से जोरदार टक्कर हो गई। जिसमें ऑटो पर सवार चालक समेत नौ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद कोडरमा थाना पेट्रोलिंग पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को सदर अस्पताल पहुंचाया। कोडरमा सदर अस्पताल में इलाज के दौरान चिकित्सकों ने एक महिला और एक पुरुष को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान तिलैया थाना क्षेत्र के नरेशनगर निवासी 35 वर्षीय मुकेश कुमार और 36 वर्षीय चंदा देवी पति रवि भुईयां के रूप में हुई है। वहीं घायलों की पहचान नरेशनगर झुमरी तिलैया निवासी 28 वर्षीय शिला देवी पति मुकेश भुइयां, 35 वर्षीय मीना देवी पति मनोज भुइयां, 32 वर्षीय मन्नू कुमार भुइयां पिता लिटारी

भुइयां, 36 वर्षीय मूंदकी देवी पति अर्जुन भुईयां, 35 वर्षीय अनीता देवी पति दिलीप भुईयां, 30 वर्षीय सुगनी देवी पति रॉकी भुइयां और 32 वर्षीय गुड्डी देवी पति मन्नू कुमार भुइयां के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार सभी शहर के अलग-अलग हिस्से में कभी काम करते हैं तो कभी कचरा चुनने का काम करते हैं। आज भी सभी सुबह में ऑटो में सवार होकर जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में कूड़ा-कचड़ा और कबाड़ी चुनने के लिए निकले थे। इधर घटना के पश्चात पुलिस दोनों वाहनों को थाना ले आई है।

सीएम हेमंत सोरेन ने आदिवासी छात्रों को दी सौगात

26.24 करोड़ की लागत से बनने वाले अत्याधुनिक छात्रावास का किया शिलान्यास

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राज्य के अनुसूचित जनजाति छात्रों के लिए उच्च शिक्षा के रास्ते अब और अधिक सुलभ और सुविधाजनक होगा। रांची के करमटोली स्थित आदिवासी कॉलेज परिसर में लगभग 26.24 करोड़ रुपये की लागत से 520 बेड वाले आधुनिक छात्रावास का निर्माण किया जाएगा। गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इसको लेकर विधिवत भूमि पूजन कर निर्माण कार्य की आधारशिला रखी। इस मौके पर मुख्यमंत्री के अलावे विभागीय मंत्री चमरा लिंडा भी शामिल हुए। समारोह में राज्यसभा सांसद महुआ माजी, मुख्य सचिव अलका तिवारी समेत कई गणमान्य शामिल हुए।

इस मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि अब खुशी तब होगी जब बच्चे हॉस्टल में शिफ्ट होंगे। उन्होंने कहा कि यह हॉस्टल 2027 तक बन कर तैयार हो जाएगा। हमारी कोशिश है कि आपकी परेशानियों को कम किया जा सके। झारखंड के लोगों को कई परेशानियों से जूझना पड़ता है, लेकिन हमारी सरकार उन सभी समस्याओं को एक-एक कर समाधान करने की कोशिश कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब राज्य के सभी कल्याण विभाग के छात्रावास में सरकार की तरफ से भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। अब छात्रों और उनके अभिभावकों को बोरा में गांव से ढोकर चावल लाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने

कहा कि यह कैंपस बहुत बड़ा है। हमलोगों का प्रयास होगा कि यहां हम बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करा सकें। इस अवसर पर उन्होंने राज्य के हर जिले में भीमराव अंबेडकर के नाम पर पुस्तकालय बनाने की भी घोषणा की।
मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के सरकारी स्कूल अब बेहतर कर रहे हैं। 80 सीएम उत्कृष्ट विद्यालय के विद्यार्थियों ने 10वीं और 12वीं की परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा के लिए सरकार गुरुजी क्रेडिट कार्ड के माध्यम से 15 लाख से अधिक लोन की व्यवस्था की है। वहीं कल्याण विभाग के मंत्री चमरा लिंडा ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देशों पर काम हो रहा है। विभाग जनजातीय और आदिवासी छात्रों के लिए लगातार बेहतर करने के प्रयास में है। उन्होंने कहा कि यहं इस तरह का हॉस्टल बनकर यहां तैयार होगा, जो कभी हमारे छात्रों ने सोचा भी नहीं था। बताते चलें कि मंत्री चमरा लिंडा एक लंबे समय तक इस आदिवासी हॉस्टल में रहकर पढ़ाई की थी। उनके राजनीतिक जीवन की शुरुआत इसी हॉस्टल से हुई थी। वहीं राज्यसभा सांसद महुआ माजी ने कहा कि यह हॉस्टल काफी जर्जर हो गया था। वहीं यहां रहने वाले छात्र घरों से अनाज कंधों में ढोकर लाते थे, लेकिन सीएम ने छात्रों की परेशानी को देखते हुए यहां आधुनिक बहुमंजिला हॉस्टल निर्माण कराने का निर्णय लिया है।

संक्षिप्त समाचार

ठनका गिरने से 14 साल का किशोर की मौत

■ बारिश के बाद टहलने निकला था गोखुल, बड़े बेटे के जाने से परिवार में मातम

मुंगेर, एजेंसी। मुंगेर में बुधवार देर शाम ठनका की चपेट में आकर एक 14 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। घटना संग्रामपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत दुर्गापुर गांव की है। मृतक की पहचान शंभू यादव के पुत्र गोखुल कुमार के रूप में हुई है। घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार, बुधवार शाम अचानक तेज आंधी और बारिश शुरू हुई। कुछ देर बाद जब मौसम शांत हुआ तो गोखुल घर से स्कूल की ओर घूमने निकल गया। इसी दौरान अचानक आकाशीय बिजली गिरी और वह चपेट में आ गया। हादसे में मौके पर ही गोखूल की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही गांव के समाजसेवी मृत्युंजय कुमार और परिजन उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र संग्रामपुर लेकर पहुंचे। ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक एएन साव ने जांच किया, जिसके बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही संग्रामपुर थाना के पुलिस निरीक्षक अंकित कुमार और सौरभ कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए मुंगेर भेज दिया है। संग्रामपुर अंचल अधिकारी ने बताया कि वज्रपात से मौत की सूचना मिल चुकी है। नियमानुसार मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मृतक परिवार को अविलंब उचित आर्थिक सहायता देने की मांग की है। मृतक गोखुल कुमार अपने माता-पिता का सबसे बड़ा बेटा था। उसके दो छोटे भाई और तीन बहनें हैं। उसकी असमय मौत ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। गांव में भी शोक की लहर है, लोग इस हादसे से स्तब्ध हैं।

भोजपुर में जहरीले सांप ने मिस्त्री को काटा:अस्पताल पहुंचने से पहले गई जान

■ मौत के बाद परिजन झाड़-फूंक कराने ले गए

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर में शटरिंग मिस्त्री को जहरीले सांप ने काट लिया। परिजनों को 2 घंटे बाद सूचना मिली। आनन-फानन में अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान हथरा निवासी हरेंद्र कुमार(25) के तौर पर हुई है। मृतक की पहचान उदवंतनगर थाना क्षेत्र के तेतरिया गांव की है। मृतक के चाचा शत्रुघ्न चौधरी ने बताया कि चार साल से किराए के मकान में रह रहा था। शटरिंग का काम करता था। बुधवार को शौच के लिए बधार गया था। इस दौरान जहरीले सांप ने काट लिया। जिससे उसकी मौत हो गई। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मौत की खबर सुनते ही परिजनों के बीच कोहराम मच गया। सभी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। जानकारी के मुताबिक बिना पोस्टमार्टम कराए ही परिजन अस्पताल से शव लेकर चले गए। मौत के बाद झाड़-फूंक कराने के लिए उत्तर प्रदेश के अमवा स्थित सती माई मंदिर लेकर गए।

एसबीआई ने जीविका समूहों को दिया 21 करोड़ का ऋण

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। एसबीआई के क्षेत्रीय कार्यालय ने दामोदरपुर स्थित एक निजी रिसोर्ट में विशेष ऋण शिविर का आयोजन बुधवार को किया। इसमें 450 जीविका समूहों के बीच बैंक के अधिकारियों ने 21 करोड़ का ऋण वितरित किया। शिविर में एसबीआई के उत्तर बिहार नेटवर्क के महाप्रबंधक आर नटराजन, मुजफ्फरपुर अंचल के उप महाप्रबंधक प्रफुल्ल कुमार झा, क्षेत्रीय प्रबंधक कुमार नीलोत्पल, स्टेट प्रोजेक्ट मैनेजर (माइक्रोफायनेंस) मनीष कुमार, जीविका डीपीएम अनीषा शामिल रहीं। नटराजन ने ऋण वितरण को ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, स्वरोजगार को बढ़ावा देने तथा आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि जीविका समूहों से जुड़ी महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त किया जा रहा है।

तेजस्वी ने मंगल पांडे चैलेंज कबूला कहा- बहस का दिन और समय बताएं

पटना, एजेंसी। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बिहार में स्वास्थ्य व्यवस्था चरमराने का आरोप लगाया है। बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में तेजस्वी ने कहा कि एनएमसीएच को लेकर हमने वीडियो भी जारी किया है। हकीकत है कि अस्पताल में चूहे घुस रहे हैं। लोगों को बेड नहीं मिल पा रहे हैं। माफिया बेड बेच रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री की ओर से बहस करने की खुली चुनौती देने के सवाल पर तेजस्वी ने कहा कि वे मंच लगवाएं। समय, दिन बताएं। हम आ जाएंगे। विधानसभा में जब जवाब देना होता है तो बोलते नहीं हैं। तेजस्वी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग को गंभीरता से काम करना चाहिए। स्वास्थ्य मंत्री को अस्पतालों का भी दौरा करना चाहिए। हमने अस्पताल नहीं आने वाले 700 डॉक्टरों को बर्खास्त किया था। आज तक ऐसा कभी नहीं हुआ था। हमने मिशन 60 चलाया। 500 से अधिक दवाएं निःशुल्क देने की शुरुआत की। स्वास्थ्य व्यवस्था बेहतर होने का दावा करने वालों को मधेपुरा, पूर्णिया सरकारी मेडिकल कॉलेज की स्थिति की जानकारी देनी चाहिए। जब मान्यता समाप्त होने की बात आती है तो कर्मचारी बहाल कर दिए जाते हैं। आरोप लगाया कि सरकार को गरीबी, महंगाई और बेरोजगारी से कोई मतलब नहीं है।

मंगल पांडे ने दी थी डिबेट की चुनौती

बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा था कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और उनके बड़े भाई ने स्वास्थ्य मंत्री रहते कोई काम नहीं किया। तेजस्वी यादव ने स्वास्थ्य सेवाओं में ना तो कोई सुधार किया और ना ही किसी को नौकरी दी। वे केवल भाषण देते रह गए। मंगल पांडेय ने चुनौती दी थी कि तेजस्वी यादव खुले मंच पर आकर बहस करें और बताएं कि उन्होंने क्या काम किया है?

तेजस्वी विकास पर नहीं कर सकते बहस

इधर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा है कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को चुनौती देता हूं कि वह बिहार के किसी भी भूमि पर विकास के मुद्दे पर बहस करने को तैयार हों। तेजस्वी यादव से हमारी पार्टी का कोई भी एक जिलाध्यक्ष हर विषय पर बहस को तैयार है। मगर तेजस्वी यादव में इसकी भी क्षमता नहीं है कि वे हमारे जिलाध्यक्ष से विकास के मुद्दे पर बहस कर सकें। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय पटना में मीडिया के सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि बिहार में शांति, बेहतर विधि-व्यवस्था की बात हो या सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि क्षेत्रों में हुए विकास कार्यों का। हर क्षेत्र में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर विकास कार्य हुए हैं। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री ने कहा कि सांसदों का दल भारत से रवाना हुआ है। ये सभी सांसद पाकिस्तान का मुद्दा, जो आतंकवाद पैदा कर इसका फैलाव दुनिया में करता है, उसपर भारत का पक्ष विदेशों में रखेंगे। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि आतंकियों के माध्यम से विश्व को तबाह-तंग करने की पाकिस्तान की साजिश है। पाकिस्तान में पल रहे आतंकियों ने भारत के स्वाभिमान पर हमला किया, जिस घटना में 26 निर्दोष भारतीयों की जान गई। इसके बाद भारत सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर किया। ये सब वास्तविकता दुनिया पहले से जान रही है। फिर भी, भारत को लोकतंत्र में विश्वास है। भारत अपनी इस स्थिति को सांसदों के माध्यम से अन्य देशों को बताएगा। इसी मकसद से सांसदगण यहां से गए हैं।

अधिवक्ताओं के हितों के लिए कई कमेटियां गठित

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। अधिवक्ताओं के विकास और हितों के लिए जिला बार एसोसिएशन की ओर से कई कमेटियों का गठन किया गया है। इसको लेकर बार लाइब्रेरी कक्ष में बुधवार को एसोसिएशन की कार्यकारिणी की बैठक हुई, इसकी अध्यक्षता एसोसिएशन के अध्यक्ष रामकृष्ण ठाकुर उर्फ रामबाबू ठाकुर ने की। इस दौरान सर्वसम्मति से कमेटियों के गठन का निर्णय लिया गया। एसोसिएशन के महासचिव सचिदानंद सिंह ने विभिन्न कमेटियों का गठन कर दिया। इसकी जानकारी एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष सुधीर कुमार ओझा ने दी। ओझा ने बताया कि तीन सदस्यीय अनुशासन समिति में उपाध्यक्ष केशव कुमार, जयमंगल प्रसाद व विनोद कुमार को शामिल किया गया है। क्रय समिति में सुधीर कुमार ओझा, सुशील कुमार सिंह, भारत भूषण, रवींद्र कुमार सिंह और दिलीप कुमार को शामिल किया गया है। साफ-सफाई कमेटी में सुशील कुमार सिंह, दीपक कुमार, सुनील कुमार ओझा, कामरान व आशुतोष चंदन को शामिल किया गया है। बिजली और तीनों भवनों को लेकर अलग-अलग कमेटियां गठित की गई हैं। इसमें बार लाइब्रेरी भवन के लिए गठित कमेटी में सुशील कुमार सिंह, सुनील कुमार ओझा, आशा सिन्हा, आशुतोष चंदन व शिल्पी कुमारी, वकालतखाना भवन के लिए विभूतिनाथ झा, कामरान, बेबी कुमारी, प्रीति कुमारी व श्वेता कुमारी और वकालतखाना ब्लॉक नंबर दो के लिए संयुक्त सचिव दीपक कुमार, सहायक सचिव दीपक कुमार, भारत भूषण व अरविंद कुमार को शामिल किया गया है। सिटिंग व्यवस्था की कमेटी में तीनों संयुक्त सचिव, तीनों सहायक सचिव, रमेश केजरीवाल, मो. अकिल एवं दिलीप कुमार तथा पेयजल कमेटी में तीनों संयुक्त सचिव व सहायक सचिवों को शामिल किया गया है।

मांझी सीएचसी में गंभीर लापरवाही टोटो बना ट्रीटमेंट टेबल

तड़पते मरीज का कंपाउंडर ने किया इलाज, डॉक्टर पर्चा बनाने में व्यस्त; सदर अस्पताल रेफर

एकमा (सारण), एजेंसी। छपरा के मांझी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में सोमवार को एक शर्मनाक तस्वीर सामने आई। गंभीर रूप से घायल मरीज का इलाज अस्पताल के अंदर नहीं, बल्कि टोटो वाहन में ही किया गया। मौके पर मौजूद डॉक्टर पर्चा बनाने में व्यस्त थे, जबकि प्राथमिक उपचार कंपाउंडर ने टोटो में ही कर दिया।

टोटो बना ट्रीटमेंट टेबल, डॉक्टर बना क्लर्क

स्थानीय लोगों ने बताया कि एक घायल युवक को तत्काल इलाज की जरूरत थी। उसे टोटो वाहन से मांझी सीएचसी लाया गया। लेकिन अस्पताल परिसर में मौजूद डॉक्टर रिजवान अहमद इलाज के बजाय पर्चा बनाने में व्यस्त थे। मरीज दर्द से कराहता रहा, लेकिन उसे स्ट्रेचर तक मुहैया नहीं कराया गया। अंत में कंपाउंडर ने टोटो में ही पट्टी और प्राथमिक उपचार किया। मांझी सीएचसी डॉ. रिजवान ने कहा कि मरीज को अंदर ले जाने में तकलीफ हो रही थी, इसलिए टोटो में ही फर्स्ट एड दिया गया। फिर उसे छपरा सदर अस्पताल रेफर किया गया।

सीएचसी में नहीं है पर्याप्त संसाधन

मांझी सीएचसी आसपास के दर्जनों गांवों के लिए एकमात्र सरकारी स्वास्थ्य केंद्र है। यहां हर दिन सैकड़ों मरीज इलाज के लिए आते हैं, लेकिन संसाधनों की भारी कमी है। स्टाफ की अनुपलब्धता और प्रबंधन की लापरवाही के चलते यह केवल नाम मात्र का अस्पताल बना कर रह गया है।

प्रशासनिक चुप्पी, कार्रवाई की मांग

घटना का वीडियो सामने आने पर आम लोग सवाल उठा रहे हैं कि सरकारी अस्पतालों की हालत ऐसी क्यों ह, जहां मरीजों को इलाज के लिए टोटो में लेटाना पड़ता है? अगर मरीज को अंदर ले जाना मुश्किल था तो क्या अस्पताल में स्ट्रेचर नहीं है? इस घटना ने एक बार फिर स्वास्थ्य विभाग की तैयारियों और संवेदनहीनता की पोल खोल दी है।

नालंदा जिले के 10 पैक्स में होंगे चुनाव: अध्यक्ष और कार्यकारिणी सदस्यों के लिए वोटिंग

नालंदा, एजेंसी। नालंदा जिले के 10 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) में अध्यक्ष और कार्यकारिणी सदस्यों के चुनाव की प्रक्रिया तेज हो गई है। सहकारिता पदाधिकारी(डीसीओ) धर्मनाथ प्रसाद ने बताया की सभी 10 पैक्सों के लिए वोटर लिस्ट तैयार करने का कार्य प्रगति पर है। प्रारंभिक मतदाता सूची 23 मई को प्रकाशित की जाएगी। जिसके बाद दावा-आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। सरमेरा प्रखंड के ससौर, हुसैना, नगर परिषद राजगीर के नाहूब, पथरौरा, राजगीर के गोरौरा, गिरियक के सतौआ, नूरसराय के बरारा, परवलपुर के पिलिच, रहुई के इतासंग भदवा और नगर पंचायत सरमेरा के सरमेरा में चुनाव होने हैं।

निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से चुनाव कराने के निर्देश : डीसीओ ने बताया कि सभी पैक्सों को 20 मई तक मतदाता सूची की प्रारंभिक प्रति उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था। इसके बाद कार्यालय की ओर से इन सूचियों का सत्यापन किया जाएगा। इसके बाद 22 मई तक संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी को सौंप दिया जाएगा। मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद 23 मई से 2 जून तक संबंधित पैक्स क्षेत्र के सदस्य दावा और आपत्ति दर्ज करा सकेंगे। सभी दावों और आपत्तियों के निस्तारण के पश्चात 4 जून को अंतिम लिस्ट जारी की जाएगी। अंतिम वोटर लिस्ट के आधार पर अध्यक्ष और कार्यकारिणी सदस्यों का चुनाव कराया जाएगा।

विधानसभा चुनाव से पहले अररिया में बड़ा फेरबदल: 28 पुलिस अवर निरीक्षकों का तबादला

अररिया, एजेंसी। अररिया में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अंजनी कुमार ने 28 पुलिस अवर निरीक्षकों का स्थानांतरण किया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय की गोपनीय शाखा ने मंगलवार शाम 7 बजे स्थानांतरण आदेश जारी किया। यह कदम चुनावी प्रक्रिया को सुचारू और निष्पक्ष बनाने के लिए उठाया गया है।

पुलिस अधीक्षक ने दिए तत्काल योगदान के आदेश

मंगलवार शाम जारी किया ट्रांसफर आदेश

स्थानांतरण में पुअनि शिल्पा कुमारी को अररिया नगर थाना से भरगामा थाना में भेजा गया है। वहां वे अनुसंधान इकाई, महिला हेल्प डेस्क और बाल कल्याण पुलिस अधिकारी की जिम्मेदारी संभालेंगी। पुअनि अंकुर, काजल कुमारी और सुभाष कुमार को फारबिसगंज थाना अनुसंधान इकाई में नियुक्त किया गया है। काजल कुमारी को महिला हेल्प डेस्क और बाल कल्याण की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी दी गई है। पुअनि आराधना कुमारी को नरपतगंज थाना में भेजा गया है। सिमरन दरख्शां को जोकीहाट थाना और सरोज कुमार को साइबर थाना अनुसंधान इकाई में स्थानांतरित किया गया है। अररिया आरएस थाना से पूजा कुमारी को महिला थाना में भेजा गया है। त्रिपुरारी कुमार को फारबिसगंज थाना और नितेश सिंह को भरगामा थाना में नई जिम्मेदारी मिली है। सुधा कुमारी को आरएस थाना में अनुसंधान इकाई और महिला हेल्प डेस्क की जिम्मेदारी दी गई है। प्रियंका कुमारी को अररिया नगर थाना और प्रभा कुमारी को फारबिसगंज थाना भेजा गया है। प्रीति कुमारी महिला थाना में अपर थानाध्यक्ष और लक्ष्मी कुमारी महिला थाना अनुसंधान इकाई में तैनात की गई हैं। नीतू कुमारी को फुलकाहा थाना, पूजा शर्मा को जोगबनी थाना में स्थानांतरित किया गया है। रूपा कुमारी और अंजना रंजन को अररिया थाना में नियुक्त किया गया है, जहां अंजना रंजन डाटा सेंटर में काम करेंगी। एसपी ने सभी अधिकारियों को तत्काल नए थानों में योगदान देने का निर्देश दिया है।

सिलाव का प्रसिद्ध खाजा अब 10 देशों में होगा उपलब्ध, कीमत 4500 से 6500 रुपए प्रति किलो

पोस्ट ऑफिस के जरिए भेजा जाएगा पार्सल

नालंदा, एजेंसी। नालंदा के सिलाव का प्रसिद्ध खाजा अब अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी मिठास बिखेरने को तैयार है। भारत सरकार द्वारा पोस्ट ऑफिस के माध्यम से जीआई टैग प्राप्त मिठाई को विदेश में भेजने की अनुमति मिल गई है। मिठाई अब दुनिया के 10 प्रमुख देशों में उपलब्ध होगी। पटना के ज्ञान भवन में आयोजित जीआई टैग प्राप्त बिहारी व्यंजनों के अंतरराष्ट्रीय क्रेता-विक्रेता सम्मेलन 2025 में इस महत्वपूर्ण घोषणा का स्वागत किया गया।

सम्मेलन में ऑस्ट्रेलिया, दुबई, कनाडा, सिंगापुर, लंदन, अमेरिका, रूस और अफ्रीका सहित कई देशों के व्यापारियों ने खाजा की बिक्री के लिए उत्साहपूर्वक अपनी रुचि दिखाई। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान और बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने सिलाव के खाजा को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान मिलने पर तारीफ की है।

विदेशों में बनेगा प्रीमियम उत्पाद

खाजा कारोबारी संजीव कुमार गुप्ता ने बताया कि विदेशों में केवल शुद्ध घी और गुड़ से बने खाजे को ही भेजा जाएगा। जिससे इसकी गुणवत्ता और स्वाद दोनों बरकरार रहेंगे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत देश के अनुसार अलग-अलग निर्धारित की गई है।

कनाडा और अफ्रीका में 6,500 रुपए प्रति किलो।
लंदन और ऑस्ट्रेलिया में 5,100 रुपए प्रति किलो।
दुबई में 4,500 रुपए प्रति किलो।

अब तक सिलाव का खाजा अमेरिका, कनाडा, लंदन, अफ्रीका, दुबई और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में केवल ऑनलाइन ऑर्डर के माध्यम से ही भेजा जा रहा था। लेकिन अब पोस्ट ऑफिस के जरिए भेजने की अनुमति मिली है।

छिनतई मामले में कोढ़ा गैंग के सदस्य के घर छापेमारी: 4.90 लाख हजार रुपए बरामद, बदमाश फरार

भोजपुर में रुपए से भरा थैला छीना था

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर पुलिस ने छिनतई मामले में कोढ़ा गैंग के सदस्य के घर छापेमारी की। मौके से 4.90 लाख रुपए बरामद हुआ है। 13 मई को नवादा थाना क्षेत्र के पश्चिम ओवर ब्रिज के पास वारदात को अंजाम दिया था। बरामद रुपए पीड़ित को सौंप दिया गया है। इस मामले में कोढ़ा गैंग के सुमित कुमार यादव और उसके 2 साथियों की तलाश की जा रही है। सुमित कटिहार जिले के जुरावगंज-नया टोला का रहने वाला है। सदर एएसपी परिचय कुमार ने इसकी पुष्टि की है।

ससुर के साथ रुपए निकालने बैंक पहुंचे थे : एएसपी ने बताया कि 13 मई को बक्सर के अरख निवासी सुमंत कुमार सिंह अपने ससुर लाल साहेब सिंह के साथ कतीरा एसबीआई बैंक पहुंचे थे। बैंक से चार लाख 90 हजार रुपए निकाला। निकासी करने के बाद प्लास्टिक के थैले में रुपए रखकर बैंक से बाहर निकले। ई-रिक्शा पकड़कर घर जा रहे थे।

इस दौरान बदमाशों ने ओवर ब्रिज के पास झपटा मारकर थैला छीन लिया। पहचान छिपाने के लिए एक ने गमछा से फेस कवर कर रखा था, दूसरे ने हेलमेट पहना था। पीड़ित ने अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए छानबीन शुरू की गई। नवादा इंस्पेक्टर बिपिन बिहारी के नेतृत्व में टीम ने सीसीटीवी फुटेज खंगाला। जिसके आधार पर रेकी करते हुए एक बदमाश को चिन्हित किया गया।

कटिहार से रुपए बरामद

फुटेज को एसटीएफ कोढ़ा सेल के पास भेजा गया। जांच के दौरान कोढ़ा गैंग के सुमित यादव की संलिप्तता सामने आई। इसके बाद एक टीम को कटिहार भेजा गया। छापेमारी में सुमित के घर से 4 लाख 90 हजार रुपए बरामद हुआ। इस बीच वो भाग निकला। इससे पहले भी भोजपुर पुलिस ने दो घटनाओं में कोढ़ा गैंग के पास से 3 लाख 49 हजार रुपए बरामद किया था।

झारखंड के निजी अस्पताल संचालकों की सरकार से मांग, बकाया 140 करोड़ रुपये का जल्द हो भुगतान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। आयुष्मान भारत योजना के तहत झारखंड के निजी अस्पतालों में हुए इलाज की करीब 140 करोड़ की राशि बकाया है। यह जानकारी निजी अस्पतालों के प्रतिनिधियों, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की झारखंड इकाई और हॉस्पिटल बोर्ड ऑफ इंडिया की झारखंड इकाई के सदस्यों ने रांची के आईएमए भवन में संवाददाता सम्मेलन कर दी है. सदस्यों ने बताया कि बकाया नहीं मिलने के कारण अस्पताल का संचालन करने में परेशानी हो रही है। इस दौरान सदस्यों ने सरकार से जल्द बकाया भुगतान करने की गुहार लगाई. सदस्यों ने कहा कि अगर सरकार गंभीर नहीं हुई तो धीरे-धीरे सभी निजी अस्पतालों में आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत लाभुक मरीजों का इलाज बंद हो जाएगा। एसोसिएशन ऑफ हेल्थ केयर प्रोवाइडर्स ऑफ इंडिया झारखंड चैप्टर के पूर्व प्रेसिडेंट योगेश गंभीर ने कहा कि राज्य में करीब 750 निजी अस्पताल 'आयुष्मान भारत योजना' के तहत मरीजों का इलाज करते थे। कई निजी अस्पतालों को अलग-अलग कारण बताकर लगभग एक साल से और फरवरी 2025 से आयुष्मान भारत योजना के तहत इलाज करने वाले किसी भी अस्पताल का बकाया भुगतान नहीं किया गया है। ऐसे में कम पूंजी वाले करीब 150-200 निजी अस्पतालों ने 'आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना' के तहत लाभुक मरीजों का इलाज करना बंद कर दिया है। जिसका खामियाजा अंततः योजना के लाभुक मरीजों को ही उठाना पड़ेगा। आईएमए भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में वक्ताओं ने कहा कि एक समस्या एनएएफयू यानी नेशनल एंटी फ्रॉड यूनिट भी है। इलाज के बाद इस यूनिट में डॉक्यूमेंट जमा करने के देरी या छोटी-मोटी अशुद्धियों को भी यह फ्रॉड में काउंट कर लेता है और फिर मामले का निपटारा होने तक पेमेंट पेंडिंग रहता है। वक्ताओं ने कहा कि राज्य में करीब 212 ऐसे निजी अस्पताल हैं, जिन्होंने आयुष्मान के मरीजों का इलाज तो किया, लेकिन गड़बड़ की वजह से पेमेंट नहीं हुआ। स्थिति यह है कि कई अस्पतालों को आरोप मुक्त किए जाने के बाद भी उनका पेमेंट पेंडिंग है। आज की पीसी में डॉ. शंभुनाथ सिंह, डॉ. अभिषेक रामदीन, डॉ. राजेश कुमार, डॉ. अनंत सिन्हा सहित कई चिकित्सक और निजी अस्पताल संचालक उपस्थित थे।

हीटवेव से 700 मौतें, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को नोटिस भेजा, दो सप्ताह में जवाब मांगा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। पिछले साल देशभर में लू और हीटवेव की वजह से 700 से ज्यादा लोगों की मौत का दावा किया गया था। अब सुप्रीम कोर्ट ने इस पर गंभीरता दिखाते हुए केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। अदालत में एक पर्यावरण कार्यकर्ता ने याचिका दायर कर हीटवेव से जुड़ी इन मौतों की चिंताजनक संख्या के बारे में जानकारी दी है। सीजेआई बीआर गवई की अध्यक्षता वाली बेंच और जस्टिस एजी मसीह ने शुरुआती दलीलें सुनने के बाद पर्यावरण कार्यकर्ता विक्रांत तोंगड़ की याचिका पर नोटिस जारी किया। तोंगड़ की ओर से पेश हुए अधिवक्ता आकाश वशिष्ठ ने कहा कि पिछले साल हीटवेव और हीट स्ट्रेस के कारण 700 से अधिक मौतें हुई थीं। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने गृह मंत्रालय, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और अन्य से जवाब मांगा है। बेंच ने 21 मई को पारित आदेश में केंद्र को नोटिस का जवाब दो सप्ताह में देने का आदेश दिया. याचिका में हीटवेव की स्थिति के प्रबंधन पर कार्य योजना तैयार करने के लिए राष्ट्रीय दिशानिर्देशों को सख्ती से लागू करने के निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका में पूर्वानुमान, गर्मी की चेतावनी, पूर्व चेतावनी सिस्टम जारी करने और 24 घंटे निवारण हेल्पलाइन आदि की सुविधा प्रदान करने के लिए निर्देश देने की भी मांग की गई है. वशिष्ठ ने कहा, 'पहले, उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत सहित तीन क्षेत्रों में हीटवेव प्रमुख थी, लेकिन अब वे पूर्वी तट, पूर्व, उत्तर-पूर्व, प्रायद्वीपीय, दक्षिणी और दक्षिण-मध्य क्षेत्रों में फैल गई हैं और यह आईएमडी की एक रिपोर्ट में खुद कहा गया है।'

याचिका में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जारी किए गए हीटवेव की रोकथाम और प्रबंधन, 2019 की कार्य योजना की तैयारी के लिए राष्ट्रीय दिशा-निर्देशों के बावजूद, कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अभी तक अनिवार्य हीट एक्शन प्लान को लागू नहीं किया है। याचिका में कहा गया है कि बढ़ती हीटवेव संकट जलवायु परिवर्तन से जुड़ी है, जिसमें गर्मी से संबंधित बीमारी के पीड़ितों को मुआवजा देने और अत्यधिक गर्मी के दौरान कमजोर वर्गों को न्यूनतम मजदूरी या अन्य सामाजिक और वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने की मांग की गई है।

शराब के साथ एक तस्कर गिरफ्तार, दूसरा फरार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली (नवादा)। थाना क्षेत्र के हरदिया पंचायत के सुदूरवर्ती परतौनिया जंगली क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो मोटरसाइकिलों पर लदे 250 लीटर देशी महुआ शराब को जब्त किया है। इस दौरान एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया गया, जबकि दूसरा तस्कर जंगल के कच्चे रास्तों का फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिस के अनुसार, बिहार-झारखंड की सीमा से सटे इस जंगली क्षेत्र को शराब तस्करों का सुरक्षित गलियारा माना जाता है। यहाँ पहाड़ी और जल स्रोतों की उपलब्धता के कारण शराब माफिया बड़े पैमाने पर महुआ शराब का निर्माण करते हैं। तस्कर आमतौर पर जंगल के कच्चे रास्तों से मोटरसाइकिलों पर 150-200 लीटर शराब लादकर परिवहन करते हैं। थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि क्षेत्र को शराब मुक्त बनाने के लिए ह्यूमन इंटेलीजेंस और अन्य संसाधनों का उपयोग कर लगातार कार्रवाई की जा रही है। बुधवार शाम गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने परतौनिया के जंगली क्षेत्र में छापेमारी की। इस दौरान दो मोटरसाइकिलों पर प्लास्टिक के गैलनों में लदे 250 लीटर देशी महुआ शराब को जब्त किया गया। कार्रवाई के दौरान बरवा गांव निवासी गांगों पासवान के पुत्र प्रकाश कुमार को गिरफ्तार किया गया, जबकि दूसरा तस्कर रामाशीष पासवान (पिताः कुलेश्वर पासवान) फरार हो गया। पूछताछ में गिरफ्तार तस्कर ने फरार साथी का नाम उजागर किया। थानाध्यक्ष ने बताया कि जब्त शराब और मोटरसाइकिलों के साथ-साथ गिरफ्तार और फरार तस्कर के खिलाफ बिहार उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। गिरफ्तार तस्कर प्रकाश कुमार को स्वास्थ्य जांच के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। वहीं, फरार तस्कर की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। पुलिस ने शराब निर्माण, परिवहन, बिक्री, भंडारण और सेवन के खिलाफ सख्त कार्रवाई का संकल्प दोहराया है।

गुवाहाटीः 'ऑपरेशन फाल्कन' ने असम में गैंडा और हाथी शिकार पर लगाई रोक, 86 प्रतिशत तक कमी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गुवाहाटी। असम, जो कभी गैंडों और हाथियों के अवैध शिकार के लिए कुख्यात था, अब वन्यजीव संरक्षण में उल्लेखनीय सफलता की कहानी लिख रहा है। असम पुलिस और वन सुरक्षा बल के संयुक्त प्रयासों से शुरू किए गए 'ऑपरेशन फाल्कन' ने वन्यजीव अपराध के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करते हुए शिकार में 86% की कमी दर्ज की है। इस विशेष अभियान ने काजीरंगा और मानस राष्ट्रीय उद्यानों में शिकारियों को पकड़ने और तस्करी के नेटवर्क को ध्वस्त करने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है।

काजीरंगा में 42 शिकारी गिरफ्तार, मानस में 10 हाथी तस्कर धराए

'ऑपरेशन फाल्कन' के तहत, यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में पिछले एक साल और तीन महीनों में 42 गैंडा शिकारियों को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा, मानस राष्ट्रीय उद्यान में 10 हाथी शिकारियों को पकड़ा गया, जिनसे 7 हाथी दांत और 7 हथियार बरामद किए गए। असम के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) हरमीत सिंह ने बताया, हमने काजीरंगा क्षेत्र में 42 शिकारियों को गिरफ्तार किया और इस दौरान बड़ी संख्या में हथियार व गोला-बारूद जब्त किए। पिछले 15 महीनों में शिकार के 8 प्रयासों को नाकाम किया गया है। डीजीपी ने आगे कहा, मानस राष्ट्रीय उद्यान में हाल ही में जंगली हाथियों का शिकार करने वाले गिरोह को भी पकड़ा गया है। हमारा टास्क फोर्स शिकार को रोकने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। 21 मई को काजीरंगा में एक शिकारी मुठभेड़ में मारा गया, जो शिकार की तैयारी में था। यह कार्रवाई भी 'ऑपरेशन फाल्कन' का हिस्सा थी। असम सरकार के आंकड़ों के अनुसार, 2000 से 2016 के बीच 190 गैंडों का शिकार हुआ था, लेकिन 2016 के बाद से शिकार में 86% की कमी आई है। खास तौर पर, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान ने 2022 में शून्य गैंडा शिकार दर्ज किया। वर्तमान में काजीरंगा में 2,613 गैंडों की आबादी है, जो प्रति वर्ग किलोमीटर 2.9 गैंडों का घनत्व दर्शाता है।

मानस में सात हाथियों की हत्या ने बढ़ाई चिंता

हालांकि, मई 2025 में मानस राष्ट्रीय उद्यान में सात जंगली हाथियों की हत्या ने संरक्षण प्रयासों पर सवाल उठाए। भारत-भूटान सीमा के सिकरीझार क्षेत्र में इन हाथियों के शव बरामद हुए, जिनके दांत गायब थे। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस घटना की पुष्टि करते हुए कहा, ह्लगोलाघाट पुलिस और 11 जिलों के पुलिस बलों के संयुक्त प्रयासों से हम इस तस्करी गिरोह को पकड़ने में सफल रहे। असम के गैंडे और हाथी अब पहले से कहीं अधिक सुरक्षित हैं।असम सरकार ने शिकार के खिलाफ सख्त दंड लागू किए हैं, जिसमें वन्यजीव अपराध दोहराने पर आजीवन कारावास तक की सजा शामिल है। साथ ही, बेहतर निगरानी, उन्नत सुरक्षा उपाय और सामुदायिक सहयोग ने इस सफलता में अहम भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री सरमा ने ट्वीट कर कहा, 2016 से गैंडा शिकार में कमी और 'ऑपरेशन फाल्कन' की सफलता असम पुलिस, वन विभाग और स्थानीय समुदायों के समर्पण का परिणाम है। हालांकि 'ऑपरेशन फाल्कन' ने उल्लेखनीय परिणाम दिए हैं, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि मानस और अन्य संरक्षित क्षेत्रों पर भी ध्यान देने की जरूरत है, क्योंकि शिकारी वहां अपनी गतिविधियां बढ़ा सकते हैं। असम का यह प्रयास न केवल भारत, बल्कि वैश्विक स्तर पर वन्यजीव संरक्षण के लिए एक प्रेरणा बन रहा है।

साइकोलॉजी विभाग में लगी आग 12 लाख की संपत्ति जलकर राख

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। हिसुआ स्थित टीएस कॉलेज के साइकोलॉजी विभाग में गुरुवार को अचानक भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि दमकल विभाग को बुलाकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। प्रारंभिक जांच में आग का कारण शॉट सर्किट बताया जा रहा है। साइकोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष अमरदीप अम्भोरे ने बताया कि शिक्षक प्रैक्टिकल परीक्षा आयोजित कर रहे थे, तभी सूचना मिली कि विभाग के एक कमरे से आग की लपटें निकल रही हैं। तत्काल दमकल विभाग को सूचित किया गया, जिसके अथक प्रयासों से आग पर काबू पाया गया। उन्होंने बताया कि संभवतः कमरे में रखे फ्रिज में शॉट सर्किट के कारण आग लगी। आगलगी से साइकोलॉजी विभाग के कमरे में रखे टेबल, कुर्सियां, बेंच, अलमारी, फ्रिज, प्रैक्टिकल किताबें, महत्वपूर्ण दस्तावेज और लैपटॉप समेत अन्य सामान जलकर राख हो गए। इस घटना में लगभग 12 लाख रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है। इसके अलावा, कमरे की छत और दीवारें भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई हैं।

घटना की सूचना मिलते ही कॉलेज प्रशासन और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। आग लगने के सटीक कारणों की जांच की जा रही है। इस घटना ने कॉलेज परिसर में सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए हैं।

वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा देने पर दिया जोर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण (आत्मा) द्वारा गुरुवार को अब्दुल बारी नगर भवन, जहानाबाद में शारदीय (खरीफ) महाभियान 2025 के अंतर्गत जिला स्तरीय खरीफ कर्मशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ जिलाधिकारी अलंकृता पांडे द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर संयुक्त निदेशक रसायन, पटना सह नोडल पदाधिकारी विनय कुमार पांडेय एवं सहायक निदेशक रसायन रवि कुमार चंद्रवंशी सहित विभाग के अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा किसानों को सरकारी योजनाओं की जानकारी देने, जैविक खेती को बढ़ावा देने और मृदा स्वास्थ्य की रक्षा हेतु संतुलित उर्वरक प्रयोग पर बल दिया गया। इस दौरान मृदा जांच प्रयोगशाला, जहानाबाद द्वारा तैयार की जा रही सॉइल फर्टिलिटी मैपिंग के माध्यम से वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा देने की बात भी कही गई। कार्यक्रम के दौरान आरपीएल प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को प्रमाण पत्र एवं किसानों के बीच मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण किया गया। जिला कृषि पदाधिकारी-सह-परियोजना निदेशक आत्मा, संभावना द्वारा बीज वितरण, किसान सम्मान निधि, कृषि यंत्रीकरण, बीज उत्पादन कार्यक्रम, आत्मा योजना आदि की जानकारी पावरप्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से दी गई। किसानों को 'बिहार कृषि ऐप' के उपयोग के लिए प्रेरित करते हुए कहा गया कि वे इस पर रजिस्ट्रेशन कर कृषि योजनाओं का लाभ लें। उपस्थित किसानों के बीच उन्हें फसल अवशेष प्रबंधन को लेकर भी जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों की आगामी श्रृंखला की जानकारी दी गई। बताया गया कि जो दिनांक 26 मई से 2 जून 2025 तक सभी प्रखंड मुख्यालयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित होंगे। सहायक निदेशक मिट्टी जांच श्वेता प्रिया द्वारा मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना की महत्ता बताई गई एवं कहा गया कि प्रत्येक किसान को अपने खेत की मृदा जांच अवश्य करानी चाहिए ताकि उर्वरकों का वैज्ञानिक उपयोग संभव हो सके। कार्यक्रम में नाबार्ड जिला प्रबंधक रजनीकांत सिंह, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक रविंद्र कुमार सिंहा, सहायक निदेशक शष्य भूमि संरक्षण राम लखन ठाकुर, सहायक निदेशक प्रक्षेत्र श्रीमती इंदू सिंहा, उप परियोजना निदेशक आत्मा राकेश कुमार, सहायक निदेशक उद्यान रूपेश कुमार अग्रवाल, सहायक निदेशक कृषि अभियंत्रण सुधीर कुमार, सहायक निदेशक पौधा संरक्षण मो. जावेद आलम, बिहार कृषि ऐप विशेषज्ञ संदीप सहित सभी प्रखंड कृषि पदाधिकारी, तकनीकी प्रबंधक, किसान सलाहकार, नवनियुक्त सहायक निदेशक एवं सैकड़ों प्रगतिशील किसान उपस्थित थे।

तूफानगंज में चली गोली, तीन रायफल व खोखा बरामद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। भागन बिगहा ओपी क्षेत्र के तूफानगंज में जमकर गोलीबारी हुई है। हालांकि इस घटना में किसी को कोई हताहत नहीं हुई है। घटना को सूचना स्थानीय पुलिस को दिया गया। जहां सूचना मिलते ही सदर डीएसपी 2 संजय जायसवाल, सर्कल इंस्पेक्टर रमाशंकर और भागन बिगहा ओपी के प्रभारी शैलेश कुमार झा समेत पुलिसबल उक्त स्थल पर पहुंचे और जांच पड़ताल किए। जांच के क्रम में पास स्थित मक्का के खेत से 3 रायफल और 1 खोखा को बरामद किया है। सदर डीएसपी 2 संजय कुमार जायसवाल ने बताया कि गोली चलने की सूचना मिली थी जहां उक्त स्थल पर पहुंचकर जांच किया जहां से 3 रायफल समेत एक खोखा को बरामद किया गया है। आगे की कारवाई की जा रही है। स्थानीय लोगों ने बताया को जमीनी विवाद में गोली चली है। गोली चलने से इलाके में सनसनी मच गई है।

सचिन चतुर्वेदी ने नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में कार्यभार संभाला

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

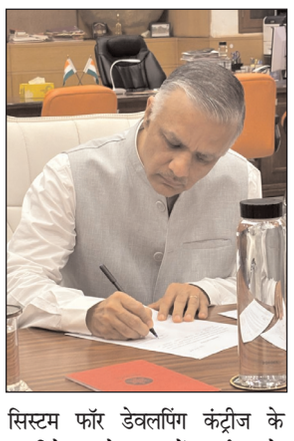

बिहारशरीफ। प्रख्यात अर्थशास्त्री और नीति चिंतक प्रोफ़ेसर सचिन चतुर्वेदी ने नालंदा विश्वविद्यालय के नए कुलपति के रूप में बुधवार को औपचारिक रूप से कार्यभार ग्रहण किया। यह विश्वविद्यालय प्राचीन नालंदा महाविहार की समृद्ध बौद्धिक परंपरा को आधुनिक संदर्भों में पुनर्जनन का एक वैश्विक प्रयास है। कार्यभार ग्रहण समारोह में अंतरिम कुलपति प्रो. अभय के. सिंह, फैकल्टी सदस्यों और पीएचडी छात्रों ने प्रो. चतुर्वेदी का हार्दिक स्वागत किया और उन्हें नई भूमिका के लिए शुभकामनाएं दीं। अपने उद्बोधन में प्रो. चतुर्वेदी ने विश्वविद्यालय के ध्येय वाक्य ह्लआनो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतःह्व का उल्लेख करते हुए कहा, ह्लयह वाक्य हमें हमारे शाश्वत मूल्यों से जोड़ता है। नालंदा ने हमेशा एक मुक्त और समावेशी बौद्धिक परंपरा का प्रतिनिधित्व किया है, जो वैश्विक दृष्टिकोण के साथ भारतीय विद्वत्ता की समृद्ध विरासत को जोड़कर एक जीवंत संवाद को प्रोत्साहित करता है। वर्तमान में दिल्ली स्थित थिंक-टैंक रिसर्च एंड इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर डेवलपिंग कंट्रीज के महानिदेशक के रूप में कार्यरत प्रो. चतुर्वेदी विकास अर्थशास्त्र नीति निर्माण के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा चुके हैं। उन्होंने 22 से अधिक पुस्तकें लिखी हैं। इसके अतिरिक्त, वे भारतीय रिजर्व बैंक के बोर्ड में स्वतंत्र निदेशक के रूप में भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

विश्वविद्यालय की हालिया प्रगति की सराहना करते हुए प्रो. चतुर्वेदी ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में नालंदा ने एक विशिष्ट शैक्षणिक केंद्र के रूप में अपनी पहचान स्थापित की है। यहां का उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण और प्रख्यात शिक्षकों का मार्गदर्शन विद्यार्थियों को बहुआयामी बौद्धिक विकास के अवसर प्रदान करता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया नालंदा यात्रा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, ह्लप्रधानमंत्री की यात्रा ने विश्वविद्यालय की भावी दिशा को नई ऊर्जा प्रदान की है। यह इस बात का प्रमाण है कि नालंदा की विरासत आज भी, विशेष रूप से एशियाई संदर्भ में, प्रेरणा का स्रोत बनी हुई है। शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति पर जोर देते हुए प्रो. चतुर्वेदी ने कहा, अर्थशास्त्र, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और नीति निर्माण में मेरे अनुभवों ने मुझे शिक्षा को परिवर्तन का सशक्त माध्यम मानने के लिए प्रेरित किया है। नालंदा में हमारा लक्ष्य भारतीय ज्ञान परंपरा को प्रभावशाली और समाजोपयोगी बनाना है। नई जिम्मेदारी को गर्व का विषय बताते हुए उन्होंने कहा, नालंदा के पुनरुत्थान और विकास में योगदान देना मेरे लिए अत्यंत सम्मान की बात है। मैं सभी के साथ मिलकर कार्य करने को उत्सुक हूं और मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमारे सामूहिक प्रयासों से नालंदा वैश्विक बौद्धिक विमर्श का एक सशक्त केंद्र बनकर उभरेगा।

आपदा से निपटने को ले सीओ ने तटबंधों का किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए सरमेरा अंचल प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। अंचलाधिकारी (सीओ) समीना खातून ने क्षेत्र के विभिन्न तटबंधों का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने विशेष रूप से अंचल के सबसे संवेदनशील और बाढ़ की दृष्टि से खतरनाक माने जाने वाले इलाकों सदहा पेंदी और बड़ी मिसीया का गहन निरीक्षण किया। इन क्षेत्रों में तटबंधों की स्थिति को देखते हुए उन्होंने कई आवश्यक निर्देश दिए और कहा कि जहां-जहां तटबंध क्षतिग्रस्त हैं, उनकी मरम्मत कार्य तत्काल प्रारंभ किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान बाढ़ प्रमंडल के जूनियर इंजीनियर जयंत कुमार भी सीओ के साथ मौजूद थे। उन्होंने तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी और बताया कि कमजोर तटबंधों को चिन्हित कर शीघ्र ही मरम्मत कार्य शुरू किया जाएगा, ताकि बाढ़ के समय किसी प्रकार की आपदा से बचा जा सके। सीओ समीना खातून ने स्थानीय प्रशासन को भी अलर्ट रहने का निर्देश दिया है और कहा कि संभावित आपदा से पहले सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित कर ली जाएं। उन्होंने ग्रामीणों से भी अपील की कि किसी भी प्रकार की असामान्य स्थिति की सूचना तुरंत प्रशासन को दें।

भूमि विवाद और रंगदारी को लेकर फायरिंग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नारदीगंज (नवादा)। थाना क्षेत्र के पंडपा गांव में जमीनी विवाद और रंगदारी को लेकर दलित टोले में वर्चस्व स्थापित करने के उद्देश्य से बीते बुधवार दोपहर हुई फायरिंग की घटना में पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। इस घटना में दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हुई, जिसमें दो लोग घायल हो गए। थानाध्यक्ष प्रभा कुमारी ने बताया कि पंडपा गांव निवासी रामखेलावन रविदास की लिखित शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। शिकायत में कहा गया है कि नालंदा जिले के फतेहपुर (माहुरी) निवासी भूषण सिंह, बिनोद सिंह सहित 11 नामजद और 3-4 अज्ञात व्यक्तियों ने रंगदारी और वर्चस्व कायम करने के इरादे से इस घटना को अंजाम दिया। मामले में कांड संख्या 199/2025 दर्ज कर अग्रेतर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस ने इस मामले में आठ आरोपितों को गिरफ्तार कर गुरुवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गिरफ्तार आरोपियों में पटना जिले के पालीगंज थाना क्षेत्र के जलपुरा निवासी विकास कुमार, नौबतपुर थाना क्षेत्र के स्नेही टोला निवासी महेश शर्मा, पालीगंज थाना क्षेत्र के मसौढा निवासी संतोष कुमार, बाढ़ थाना क्षेत्र के नदवां निवासी नरेंद्र कुमार, भोजपुर जिले के पिरो थाना क्षेत्र के देवचढा निवासी शशांक कुमार, नालंदा जिले के फतेहपुर निवासी प्रवीण कुमार, बक्सर जिले के डुमरांव निवासी अशोक चौधरी और शेखपुरा जिले के अड़राही थाना क्षेत्र के हुसैनाबाद निवासी संतोष कुमार शामिल हैं।

घटना स्थल से पुलिस ने दो खोखे, एक मोबाइल, चार राइफल, एक रिवॉल्वर, 109 गोलियां और तीन वाहनों को जब्त किया है। घटना की सूचना मिलने पर बुधवार देर शाम पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान ने घटनास्थल का दौरा किया और स्थिति का जायजा लेकर पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पूर्व रेलवे

निविदा सं. : ईएल-एमएलडीटी-ई-निविदा-366, दिनांक 20.05.2025, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सा.)/पूर्व रेलवे, मालदा, मंडल रेल प्रबंधक/पूर्व रेलवे/मालदा टाउन ऑफिस बिल्डिंग, डाकघरः झलझलिया, जिलाः मालदा, पिनः 732102 (पश्चिम बंगाल) द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए अनुभवी एवं वित्तीय संपन्न ख्यातिप्राप्त फर्मों/एजेंसियों/ठेकेदारों से खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैः **कार्य का नाम :** (i) "तिलडांगा-बोनीडांगा स्टेशनों के बीच बिंदुबासिनी हॉल्ट में आईबीएस का प्रावधान" के संबंध में विद्युत कार्य। (ii) "मिर्जाचौकी-पीरपैंती शाखा के बीच अम्मापाली हॉल्ट में आईबीएस का प्रावधान" के संबंध में विद्युत कार्य। (iii) "पीरपैंती-शिवनारायणपुर स्टेशनों के बीच लक्ष्मीपुर भोरंग हॉल्ट में आईबीएस का प्रावधान" के संबंध में विद्युत कार्य। (iv) "नाथनगर-अकबरनगर स्टेशनों के बीच छिटमकंदपुर हॉल्ट में आईबीएस का प्रावधान" के संबंध में विद्युत कार्य। (v) "अकबरनगर-सुलतानगंज स्टेशनों के बीच महेशी हॉल्ट में आईबीएस का प्रावधान" के संबंध में विद्युत कार्य। **निविदा मूल्यः** रु. 55,11,031.04, **बयाना राशि :** रु.1,10,200/-, **निविदा कागजात का मूल्य :** शून्य। **ई-निविदा जमा देने की तिथि एवं समयः** दिनांक 27.05.2025 से 10.06.2025 को 15.30 बजे तक। **वेबसाइट का विवरण एवं सूचना पट :** वेबसाइटः **www.ireps.gov.in** एवं सूचना पटः वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सा.)/पूर्व रेलवे/कार्यालय/मालदा टाउन। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि वेबसाइट **www.ireps.gov.in** में विस्तृत निविदा सूचना एवं कागजात देखें। किसी भी परिस्थिति में किसी मैनुअल प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

MLD-68/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइटः **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

Page 3_16.12.2018 PAGE-04.qxd 22-05-2025 22:27 Page 1

कांग्रेस की माई-बहिन मान योजना ने बढ़ाई राजद की परेशानी

महिलाओं को नकदी लाभ की घोषणा में श्रेय लेने की मची होड़

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। समन्वय समिति की अध्यक्षता मिलने के बाद तेजस्वी यादव महागठबंधन में राजद के प्रभुत्व को लेकर आश्वस्त हो गए थे। अपने तौर-तरीकों से कांग्रेस ने भी कुछ ऐसा ही संकेत दिया था। हालांकि, महिलाओं को नकदी लाभ की घोषणा में श्रेय लेने की मची होड़ बता रही कि अंदरखाने सब कुछ सामान्य नहीं।

सत्ता मिलने पर हर महिला को मासिक ढाई हजार रुपये देने की घोषणा तेजस्वी पहले ही कर चुके थे। इस बीच बुधवार को कांग्रेस ने ऐसी ही योजना (माई-बहिन मान योजना) के लिए नामांकन कराने तक की घोषणा कर दी। इसके बाद राजद के भीतर सन्नाटा-सा पसर गया।

इसका कारण ऐसा है कि कोई किसी को दोष भी नहीं दे सकता। राजद ने भी यह घोषणा एकतरफा ही की थी। कांग्रेस ने हिसाब बराबर किया। वैसे भी कांग्रेस लोकसभा चुनाव के दौरान राजद के दांव-पेच को अभी तक भूली नहीं है।

विधानसभा चुनाव में महिलाओं को लुभाने के उद्देश्य से पिछले वर्ष 14 दिसंबर को तेजस्वी ने माई-बहिन योजना की घोषणा की थी। वह वस्तुतः राजद की घोषणा थी, जबकि बिहार में सत्ता की परिकल्पना महागठबंधन कर रहा। महागठबंधन में राजद के अलावा कांग्रेस, तीनों वाम दल (भाकपा, माकपा, माले) और विकासशील इन्सान पार्टी (वीआइपी) भी है।

वीआईपी तो वैसे भी चंचल है, लेकिन वाम दलों को भी राजद की इस एकतरफा घोषणा से कोई आपत्ति नहीं हुई। उसका कारण अस्तित्व की रक्षा के लिए एक-दूसरे के साथ की विवशता है। कांग्रेस अब इस विवशता से उबरना चाह रही, क्योंकि पिछले चुनावी वर्षों में अपने हितों से समझौते की त्रासदी वह झेलती रही है।

इस बीच बहाने के लिए उसे कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश में अपनी सरकारों द्वारा महिलाओं को दी जा रही नकदी लाभ का आसरा भी मिल गया। झारखंड में हेमंत सोरेन की सत्ता में वापसी का मूल कारण ही मंईयां सम्मान योजना रही। कांग्रेस उस सरकार में राजद से बड़ी हिस्सेदार है।

ऐसे में तेजस्वी की उस घोषणा का श्रेय लेने से कांग्रेस को कोई संकोच नहीं। उसका मानना है कि अंततः लाभ महागठबंधन को ही होना है।

यह कांग्रेस और राजद के नेताओं के मिले-जुले विचार हैं। अपने-अपने शीर्ष नेतृत्व के कोपभाजन बनने की आशंका में वे नाम उजागर करना नहीं चाहते।

महागठबंधन को तो लाभ तेजस्वी के वादे से भी मिल जाता! फिर कांग्रेस आतुर क्यों हुई! इसका कारण यह कि महागठबंधन से जुड़े समस्त निर्णय अब तक राजद ही लेता रहा है। पिछले वर्ष लोकसभा चुनाव के परिणाम के साथ ही यह स्पष्ट हो गया था कि अब आगे की राह निर्विघ्न नहीं।

तब सीटों से लेकर प्रत्याशियों के चयन तक में राजद ने मनमानी की थी। कांग्रेस वह घाव आज भी सहला रही है। अब विधानसभा चुनाव में उसे पसंद की कम-से-कम 70 सीटें चाहिए। राजद 50 के भीतर रखना चाह रहा, लिहाजा महागठबंधन के भीतर ही राजनीति होने लगी है।

गर्भवती महिलाओं के लिए सरकार का अहम फैसला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बाढ़ से प्रभावित होने वाले जिलों में राहत और बचाव कार्यों को लेकर स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से एलर्ट मोड़ में है। मुख्यमंत्री की समीक्षा के बाद राज्य स्वास्थ्य समिति ने संबंधित जिलों को राहत एवं बचाव कार्यों की तैयारियों के निर्देश जारी किए हैं। साथ ही विस्तृत गाइडलाइन भी जारी की है।

गाइडलाइन में स्वास्थ्य केंद्र संचालन, गर्भवती व नवजात की देखभाल, दिव्यांग व गंभीर बीमारों के रेफरल की व्यवस्था, महामारी से बचाव के लिए उठाए जाने वाले कदमों के बारे में बताया गया है।

स्वास्थ्य समिति ने सभी क्षेत्रीय अपर निदेशकों और सिविल सर्जनों को भेजी गाइडलाइन में कहा है कि बाढ़ के पहले वैसे स्वास्थ्य केंद्रों की पहचान की जाए जो बाढ़ के पानी की वजह से प्रभावित होते हैं। इन स्वास्थ्य केंद्रों के लिए वैकल्पिक स्थान की व्यवस्था रखें, ताकि स्वास्थ्य केंद्रों का संचालन बाधित न हो।

बाढ़ क्षेत्रों में गर्भवती माताएं जिनका प्रसव बाढ़ के दौरान होना है उनकी और गंभीर रूप से बीमारों की सूची आशा और एएनएम सर्वेक्षण कर पहले तैयार कर लें। वैकल्पिक रूप से शुरू किए गए बाढ़ प्रभावित स्वास्थ्य केंद्रों एवं उप केंद्रों पर आवश्यक दवाओं की समुचित मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित करें। जो दवाएं केंद्रों पर भेजी गई हैं उनकी सूची सिविल सर्जन कार्यालय को भी उपलब्ध कराएं। जिलों चलंत मेडिकल टीम और स्वास्थ्य शिविर गठन के निर्देश भी जारी किए गए हैं। चलंत मेडिकल टीम में डाक्टर, एएनएम, नर्स अन्य पारा मेडिक्स, को शामिल किया जाएगा।

विधायक सहित दो को जेल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश सुमन कुमार दिवाकर की कोर्ट ने एक आपराधिक मामले के अपील वाद संख्या 03/25 में अपीलार्थी अलीनगर के विधायक मिश्रीलाल यादव और सुरेश यादव को गुरुवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

बताते चलें कि रैयाम थाना कांड संख्या 04/19 से बने विचारण वाद संख्या 884/23 में दरभंगा के एमपी/एमएलए कोर्ट के तत्कालीन पीठासीन पदाधिकारी करुणानिधि प्रसाद आर्य ने विगत 21 फरवरी 25 को भादवि की धारा 323 में दोषी पाते हुए तीन माह की सजा और 500 रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई थी।

इसी निर्णय के विरुद्ध सजायाफ्ता विधायक यादव ने अपील वाद संख्या 03/25 संस्थित कराया था। गुरुवार को न्यायालय ने अपील वाद की सुनवाई के बाद विधायक यादव और सुरेश यादव को एहतियात के तौर पर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है।

नहाने के दौरान दो बच्चियां हुई लापता

- तेज बहाव में फंसे थे पांच बच्चे
- अपने नानी घर आयी थी बच्चियां

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले से एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। अहियापुर थाना क्षेत्र के दादर कोल्हुआ गांव में बूढ़ी गंडक नदी में नहाने गए पांच बच्चों में से दो बच्चियां तेज बहाव में बह गईं और डूब गईं।

बाकी तीन बच्चों को समय रहते बाहर निकाल लिया गया। डूबी हुई बच्चियों की तलाश में रऊॠक्ष और पुलिस की टीम लगी हुई है, लेकिन अब तक उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

जानकारी के अनुसार, गुरुवार की दोपहर को दादर कोल्हुआ गांव के पास स्थित बूढ़ी गंडक नदी में पांच बच्चे नहाने के लिए गए थे। इसी दौरान नदी की तेज धार में सभी बच्चे फंस गए। जब बच्चों ने शोर मचाया तो आसपास के लोग दौड़े और तत्परता दिखाते हुए तीन बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन दो बच्चियां पानी में बह गईं और डूब गईं।

हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर स्थानीय ग्रामीणों ने खुद प्रयास शुरू किया और गोताखोरों की मदद से बच्चियों की तलाश की। लेकिन जब काफी देर तक कोई सफलता नहीं मिली तो पुलिस और रऊॠक्ष (राज्य आपदा मोचन बल) की टीम को सूचित किया गया। इसके बाद टीम मौके पर पहुंचकर सर्च ऑपरेशन चला रही है।

पुलिस के अनुसार, डूबी हुई बच्चियों में एक की पहचान दादर कोल्हुआ गांव निवासी रामबाबू पासवान की 10 वर्षीय पुत्री कृष्णा कुमारी के रूप में हुई है। जबकि दूसरी बच्ची सोनम कुमारी (11) है, जो भगवानपुर सदर थाना क्षेत्र की रहने वाली है और अपने ननिहाल आई हुई थी। दोनों बच्चियां एक साथ अन्य बच्चों के साथ नदी में नहाने गई थीं।

घटना के बाद दोनों बच्चियों के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है और बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल के पास जुटे हुए हैं। स्थानीय लोग प्रशासन से जल्द से जल्द बच्चियों की तलाश पूरी करने की अपील कर रहे हैं।

पांचवीं बार फिर दबोचा गया शराब तस्कर

शराब की करता है होम डिलीवरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। सूबे में भले ही शराबबंदी हो, लेकिन नियमित रूप से शराब धंधेबाजों का धंधा फलफूल रहा है। अब तो आलम यह है कि शराब बेचते अगर बार-बार धंधेबाज पकड़े भी जाते हैं तो शराब तस्करी करने का खेल नहीं रोकते हैं।

ऐसी ही एक बानगी बुधवार को तब देखने को मिली, जब रेलवे स्टेशन रोड इलाके से एक शराब धंधेबाज पकड़ा गया।

यह कार्रवाई नगर थाने की पुलिस ने की। पुलिस ने जिस युवक को पकड़ा वह पूर्व में चार बार जेल जा चुका है और अब उसे शराब डिलीवरी करते हुए पांचवीं बार पकड़ा गया।

जानकारी के मुताबिक, आरोपित सिर्फ शराब मामले में ही चार बार जेल जा चुका है। पकड़े गए शराब धंधेबाज की पहचान मोतीझील मफतलाल गली के उमेश प्रसाद के रूप में हुई है। कार्रवाई के बाद पुलिस ने शराब धंधेबाज के बारे में कहती नजर आई कि यह सुधरने वाला नहीं है।

नगर थाने की पुलिस ने कार्रवाई के बाद जानकारी देते हुए कहा कि उमेश रेलवे स्टेशन रोड इलाके से गिरफ्तार किया गया है। वह शराब की होम डिलीवरी करने जा रहा था। तलाशी में उसके पास से 11 टेट्रा पैक शराब जब्त किया गया है। वह पूर्व में चार बार शराब मामले में जेल जा चुका है।

उसके विरुद्ध नगर थाने के दारोगा प्रवीण कुमार ने प्राथमिकी कराई है। उसने शराब के धंधे से जुड़े आधा दर्जन लोगों के नाम-पते की जानकारी पुलिस को दी है। उसकी निशानदेही पर पुलिस छापेमारी कर रही है।

पूछताछ के बाद धंधेबाज को जेल भेज दिया गया है।

मारपीट की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम पर हुआ पथराव

जबावी कार्रवाई में दर्जनों चोटिल, वीडियो आया सामने

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। वैशाली जिले में पुलिस पर हुए हमले के बाद जवाबी कार्रवाई का मामला सामने आया है, जिससे पूरे इलाके में तनाव फैल गया है। बरांटी थाना क्षेत्र के बहुआरा गांव में देर रात दो पक्षों के बीच हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जब स्थिति को शांत कराने पहुंची पुलिस टीम पर ही ग्रामीणों ने हमला कर दिया। इसके जवाब में पुलिस की कार्रवाई में कई लोग घायल हो गए।

जानकारी के मुताबक, मामला बहुआरा गांव निवासी डॉक्टर ज्वाला के भतीजे और धर्मेंद्र पासवान के परिजनों के बीच फुलहरा बाजार में हुए विवाद से शुरू हुआ। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस विवाद के बाद धर्मेंद्र पासवान के परिजन डॉक्टर ज्वाला के क्लिनिक में घुस गए और उनके साथ मारपीट की। घटना की सूचना मिलते ही बरांटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हस्तक्षेप करने की कोशिश की। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस को शांतिपूर्ण समाधान की उम्मीद थी, लेकिन स्थिति इसके विपरीत हो गई। धर्मेंद्र पासवान के परिजनों और समर्थकों ने अचानक पुलिस टीम पर ईंट-पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। इस पथराव में पुलिस वाहन को भी क्षति पहुंची और पुलिसकर्मियों को पीछे हटना पड़ा। इसके बाद पुलिस ने मोर्चा संभालते हुए गांव में प्रवेश किया और जवाबी कार्रवाई की।

घटना के बाद पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि पुलिस ने एक परिवार के घर में घुसकर लाठियां चलाईं। इस दौरान दोनों पक्षों के कई लोग घायल हो गए। घायलों में फुलना देवी, सीमा देवी, जलाल पासवान, शोभा देवी, यश कुमार, उषा कुमारी, मुस्कान कुमारी, कविता देवी और सविता कुमारी शामिल हैं। सभी को इलाज के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना के बाद धर्मेंद्र पासवान ने मीडिया से बातचीत में कहा कि वे काम से लौट रहे थे, तभी पुलिस उनके घर में घुसी और महिलाओं-बच्चों समेत सभी की पिटाई कर दी। उन्होंने यह भी दावा किया कि उनका उस विवाद से कोई लेना-देना नहीं था, जो बाजार में हुआ था।

48 साल बाद विस्थापितों को मिलेगा मालिकाना हक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। 1975 के बाढ़ की विभीषिका में सुरौधा टोक से पलायन कर चुके कई दर्जन ग्रामीणों को सरकार द्वारा कोईलवर में बसाए जाने के लगभग 48 वर्ष बाद उन्हें जमीन का मालिकाना हक नहीं मिला।

1975 में भयंकर बाढ़ की विभीषिका झेलने के बाद सरकार द्वारा 1977 में कोईलवर मौजा के ढाई सौ परिवारों को कोईलवर रेलवे स्टेशन से सटे उत्तर में सुरौधा कोलोनी बनाकर 7.40 एकड़ भूमि आवंटित की गई थी। इसमें एक सौ भूमिहीन परिवारों को 3.95 एकड़ में बिहार आवास बोर्ड द्वारा घर आवंटित किया गया था। इसके साथ ही 150 परिवार को जमीन का मालिकाना हक देने की बात कही गयी थी, जिसके लिए फरवरी 2002 में तत्कालीन समाहर्ता भोजपुर के आदेशानुसार सीओ कोईलवर द्वारा 150 भूधारियो से 5 लाख 15 हजार 400 सौ रुपया जमा करवाए।

इसके 23 वर्ष बाद भी किसी प्रकार का भू-स्वामित्व प्रमाण-पत्र नहीं दिया गया, जिसे लेकर सुरौधा कोलोनी के लोग अपने को ठगा सा महसूस कर रहे हैं।ग्रामीणों द्वारा मालिकाना हक की लगातार मांग को गंभीरता से लेते हुए तत्कालीन विधायक संजय सिंह टाइगर ने इस मामले को सदन में उठाया था। जिस पर राजस्व व भुमि सुधार मंत्री ने अपनी मुहर लगा दी थी। उस समय विधायक ने कहा था कि सरकार का दायित्व है कि वो पर्चा निर्गत कर सभी पचार्धारियों का रजिस्टर टू में नाम अंकित करें, लेकिन इतने वर्ष बाद भी स्थानीय या जिला प्रशासन द्वारा कोई पहल नहीं कि गई। सुरौधा कॉलोनी के 150 विस्थापित ग्रामीणों को जब जमीन का पर्चा नहीं मिला तो इस मामले को लेकर परिवादी सुपारी लाल व ग्रामीणों ने लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी से गुहार लगाई थी।

द्वितीय अपील के बाद लोक शिकायत निवारण प्राधिकार ने निर्गत पत्र संख्या 42911-09415 को निर्णय दिया था कि सीओ कोईलवर सभी सम्बंधित कागजातों का सत्यापन कर जमा बंदी कायम करें।

शव को ई-रिक्शा पर लादकर अंत्यपरीक्षण कराने पहुंचे परिजन

प्रशासन पर एंबुलेंस सुविधा नहीं देने का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुंगेर। जिले के लड़ैयाटांड़ थाना क्षेत्र के सवैया गोपालीचक गांव में महज सात फीट रास्ते को लेकर हुए विवाद में 32 वर्षीय युवक गुड्डू मांझी की सरिया से पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। हैरानी की बात यह रही कि अस्पताल से शव ले जाने के लिए परिजनों को कोई सरकारी वाहन नहीं मिला, ऐसे में मजबूरी में उन्होंने गांव का ई-रिक्शा भाड़े पर लिया और शव को उसी पर लादकर मुंगेर सदर अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए पहुंचाना पड़ा।

जानकारी के मुताबिक, मृतक गुड्डू मांझी का चचेरे भाई कारू मांझी से कई महीनों से सात फीट चौड़े सार्वजनिक रास्ते को लेकर विवाद चल रहा था। आरोप है कि कारू मांझी ने नया घर बनाने के बाद इस सार्वजनिक रास्ते को कब्जा लिया था। बुधवार को इसी बात को लेकर गुड्डू के बड़े भाई संजीत मांझी और कारू मांझी के बीच विवाद और मारपीट हो गई। जब गुड्डू मांझी अपने भाई को बचाने पहुंचे, तभी कारू मांझी और उसकी पत्नी सुमो देवी ने उन पर सरिया से हमला कर दिया। उनके सिर पर जोरदार प्रहार किया गया, जिससे वे मौके पर ही बेहोश हो गए।

मौत के बाद भी इंसान की गरिमा सुरक्षित नहीं, रोष

गंभीर हालत में गुड्डू मांझी को पहले धरहरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां से उन्हें बेहतर इलाज के लिए मुंगेर सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। लेकिन गुरुवार की अहले सुबह उन्होंने दम तोड़ दिया।

शव को परिजन एंबुलेंस से घर ले गए, लेकिन जब स्थानीय थाना पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के लिए कहा, तो उनके पास शव को दोबारा अस्पताल लाने के लिए कोई साधन नहीं था। इस स्थिति में उन्होंने गांव का एक ई-रिक्शा भाड़े पर लिया और शव को बांधकर सदर अस्पताल लाए।मृतक के भाई संजीत मांझी और पिता सुरेन मांझी ने बताया कि घर की आर्थिक स्थिति बेहद खराब है और वाहन भाड़े के लिए पैसे नहीं थे। मजबूरी में गांव के ई-रिक्शा का सहारा लेना पड़ा। परिजनों का यह दर्द उस प्रशासनिक व्यवस्था पर करारा तमाचा है, जहां मौत के बाद भी इंसान की गरिमा सुरक्षित नहीं रह पाती।

दलान में सो रहे बुजूर्ग की खून से लथपथ मिली लाश

जहानाबाद। जिले के हुलासगंज थाना अंतर्गत मुरगांव में बीती रात एक बुजुर्ग की बेरहमी से हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान गांव के ही 60 वर्षीय अशोक सिंह उर्फ सरदार जी के रूप में हुई है। वे हर रोज की तरह रात को खाना खाने के बाद अपने दलान में सोने चले गए थे, लेकिन अगली सुबह उनका खून से लथपथ शव मिला।

घटना की जानकारी परिजनों को सुबह उस समय हुई जब मृतक की पत्नी उन्हें उठाने गई। उन्होंने देखा कि अशोक सिंह खून से लथपथ पड़े हुए हैं और उनके सिर पर धारदार हथियार से हमला किया गया है। यह दृश्य देखकर वह चीख पड़ीं और घरवालों को बुलाया। शोर सुनकर गांव के लोग भी घटनास्थल पर जमा हो गए। खबर तेजी से फैल गई और पूरे गांव में सनसनी फैल गई।

घटना की सूचना मिलते ही हुलासगंज थाना अध्यक्ष पंकज कुमार और घोसी एसडीपीओ संजीव कुमार दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की।

शिक्षिका ने प्रधानाध्यापक पर लगाया गंभीर आरोप

मामला पहुंचा एसडीओ के पास

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली। गुरुवार को प्रखंड क्षेत्र के गागन खुर्द उत्क्रमित मध्य विद्यालय में प्रधानाध्यापक रामाशीष कुमार और विद्यालय की शिक्षिका निधि राज के बीच बहस हो गई। आरोप है कि प्रधानाध्यापक ने शिक्षिका को गाली दी। गला दबाने का प्रयास किया।

शिक्षिका ने घटना की सूचना डायल 112 की पुलिस टीम को दी। जिसके बाद डायल 112 की टीम मौके पर पहुंचकर पूरे मामले को नियंत्रण में लिया।

पहुंची डायल 112

पूरी घटना को लेकर शिक्षिका ने लिखित आवेदन थाना को दिया है। शिक्षिका के आवेदन पर विद्यालय के अन्य शिक्षकों ने हस्ताक्षर किया है।

ग्रामीणों ने कहा कि प्रधानाध्यापक ने महिला शिक्षिका के साथ अभद्र व्यवहार किया है। महिला शिक्षिका ने बताया है कि विद्यालय में शेड्यूल बनाकर क्लास चलाने को लेकर हमलोग बार-बार कह रहे थे।

इसी दौरान गुरुवार को जब हम विद्यालय पहुंचे तो प्रधानाध्यापक को शेड्यूल बनाने को लेकर कहा, इसी बात को लेकर वह गुस्सा हो गए। इस पूरे मामले पर प्रधानाध्यापक ने कहा कि उनपर लगाए गए सारे आरोप बेबुनियाद हैं। गला दबाने व गाली देने जैसे आरोप निराधार हैं। थोड़ी बहुत बहस हुई है।

उन्होंने कहा कि प्रधानाध्यापक के आदेश को यह लोग अंडर पास करके विद्यालय चलाना चाहते हैं। इधर, महिला शिक्षिका ने उक्त घटना की जानकारी एसडीओ को दी। जिसके बाद एसडीओ ने प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को पूरी घटना की जानकारी लेने के लिए विद्यालय भेजा और घटना के संबंध में रिपोर्ट मांगी है।

भागलपुर के अलावे सोनपुर भी पहुंची थी जासूस ज्योति मल्होत्रा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़ी महिला ब्लॉगर और यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा का कनेक्शन बिहार के सारण जिले से भी है। पुलिस इस संबंध में लगातार जांच पड़ताल कर रही है। पुलिस का कहना है कि ज्योति मल्होत्रा ने पिछले साल सोनपुर मेले में घूमने आई थी। हरियाणा के हिसार की रहने वाली ज्योति 18 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा स्नान के बाद सोनपुर पहुंची थी।

सोनपुर पुलिस का कहना है कि ज्योति मल्होत्रा सोनपुर के मेले में बाबा हरिहरनाथ मंदिर, काली घाट, मीणा बाजार और कश्मीरी मार्केट का भ्रमण किया। घूमने के दौरान ज्योति ने घोड़ा बाजार, कुत्ता बाजार, बकरी और गाय बाजार का भी वीडियो बनाया था। शाम में नमामि गंगे घाट पर चाय पीते हुए वीडियो रिकॉर्ड किया। 20 नवंबर को उसने मेले के इतिहास और वर्तमान से जुड़ी जानकारियां अपने यूट्यूब और सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी।

पुलिस का यह भी कहना है कि सामान्यतः लग्जरी होटलों में ठहरने वाली ज्योति ने इस यात्रा के लिए दिल्ली से बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस के जनरल डिब्बे में 17 घंटे का सफर किया। छपरा स्टेशन पर रुकने के बाद वह सोनपुर पहुंची। यहां पर्यटन विभाग के टेंट सिटी में एक दिन ठहरी थी।

एशिया के सबसे बड़े पशु मेले के रूप में प्रसिद्ध सोनपुर मेले में प्रतिदिन देश-विदेश से लाखों पर्यटक आते हैं।

गृह विभाग पहले से ही सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन को सतर्क कर चुका है। आईएसआई को भारत की सैन्य गतिविधियों और संवेदनशील स्थानों की जानकारी देने के आरोप में गिरफ्तार ज्योति की सोनपुर यात्रा को सुरक्षा एजेंसियां गंभीरता से जांच रही हैं।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि ज्योति ने सुल्तानगंज में रुककर स्थानीय गतिविधियों पर नजर रखी थी। अधिकारियों का मानना है कि वह सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के उद्देश्य से वहां आई थी। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार यूट्यूबर ज्योति भागलपुर भी गई थी।

उसने सुल्तानगंज में रुककर स्थानीय गतिविधियों को भी देखा था। संभवतः उसने यहां की कई मुख्य जगहों की तस्वीर और वीडियो भी अपने कैमरे में कैद की थी। जांच में इस बात के खुलासे के बाद सुल्तानगंज के प्रसिद्ध अजगैबीनाथ धाम की सुरक्षा बढ़ा दी गई।

पुलिस की जांच में ज्योति वर्ष 2023 में चार बार सुल्तानगंज आई थी। लगातार हो रहे खुलासों के बाद स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। फिलहाल सुल्तानगंज और वहां के प्रसिद्ध अजगैबीनाथ धाम मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत कर दिया गया है।

सड़क दुर्घटना में मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। नालंदा जिले में दर्दनाक सड़क हादसे में एक पशु चिकित्सक की मौत हो गई। इस हादसे ने पूरे चिकित्सा समुदाय को गहरे शोक में डाल दिया। बताया जा रहा है कि बिहारशरीफ-राजगीर फोरलेन पर टाड़पर गांव के निकट एक तेज रफ्तार हाइवा ट्रक ने भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सुनील कुमार को कुचल दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। लेकिन इलाज के लिए पटना ले जाते समय उन्होंने दम तोड़ दिया।

जानकारी के मुताबिक, 39 वर्षीय डॉ. सुनील कुमार वर्तमान में नालंदा के दीपनगर थाना क्षेत्र के वास्तु विहार में रह रहे थे। वह किसी कार्य के सिलसिले में सोमवार शाम मोटरसाइकिल से कारगिल चौक जा रहे थे। परिजनों के अनुसार, वह रोज की तरह अपने कर्तव्यों के निर्वहन के लिए निकले थे। लेकिन टाड़पर गांव के पास एक अनियंत्रित हाइवा ने उन्हें सामने से टक्कर मार दी, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गए।

शौचालय की टंकी खोलने के दौरान दो लोगों की मौत

- तीन अन्य की हालत गंभीर
- जहरीली गैस बनी कारण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। जिले के कोढ़ा प्रखंड अंतर्गत रौतारा थाना क्षेत्र के रौनिया गांव में एक नवनिर्मित शौचालय की टंकी खोलने के दौरान हुआ दर्दनाक हादसा पूरे गांव को सदमे में डाल गया। इस हादसे में गृहस्वामी लक्ष्मी महतो के पुत्र मनोज महतो और एक मजदूर रणजीत सिंह की जहरीली गैस से दम घुटने के कारण मौत हो गई। जबकि तीन अन्य मजदूरों की हालत गंभीर बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार, मनोज महतो अपने घर पर बनाए गए चार शौचालय टंकियों की सेंटरिंग (शटरिंग) हटवा रहे थे। पहले तीन टंकियों की शटरिंग सुरक्षित ढंग से हटा ली गई थी, लेकिन चौथी टंकी खोलते समय अनहोनी घट गई। जैसे ही एक मजदूर टंकी में नीचे उतरा, वह अचानक बेहोश होकर गिर पड़ा। उसे बचाने के लिए मनोज महतो समेत अन्य चार लोग एक-एक कर टंकी में उतरे, लेकिन सभी दम घुटने के कारण बेहोश हो गए।

हादसे के बाद पूरे गांव में अफरातफरी मच गई। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए जेसीबी मशीन मंगवाई और टंकी का ढक्कन तोड़कर सभी पांचों लोगों को बाहर निकाला। तत्काल उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मनोज महतो और मजदूर रणजीत सिंह को मृत घोषित कर दिया। अन्य तीन मजदूरों की हालत गंभीर बताई जा रही है और उन्हें बेहतर इलाज के लिए पूर्णिया रेफर कर दिया गया है। इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। ग्रामीणों की आंखों में आंसू और दिलों में डर है। वहीं स्थानीय प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि नव निर्मित टंकियों या बंद स्थानों में काम करते समय पूरी सावधानी बरती जाए, ताकि इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके। विशेषज्ञों के अनुसार, नवनिर्मित शौचालय टंकियों में अक्सर जहरीली गैसें जैसे मीथेन और हाइड्रोजन सल्फाइड जमा हो जाती हैं, जो अंदर घुसते ही व्यक्ति को बेहोश कर सकती हैं। ऐसी टंकियों में काम करने से पहले उचित वेंटिलेशन और सुरक्षा उपकरणों की आवश्यकता होती है, लेकिन सावधानी की कमी ने दो लोगों की जान ले ली और तीन की जिंदगी खतरे में डाल दी।

20 जून को राज्यभर में आयोजित होगी पैक्स की वार्षिक आम सभा, जिलों को मिले निर्देश

सभी सदस्यों को समय पर सूचना देना अनिवार्य, अंकेक्षण प्रतिवेदन और लाभांश पर होगी चर्चा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। सहकारिता विभाग ने राज्य की सभी प्राथमिक कृषि साख समितियों (पैक्स) में 20 जून 2025 को वार्षिक आम सभा आयोजित कराने का निर्णय लिया है। विभाग ने इसके लिए सभी जिलों के जिला सहकारिता पदाधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आम सभा की तैयारी के सिलसिले में यह भी स्पष्ट किया गया है कि प्रत्येक पैक्स को आम सभा की सूचना विधिवत रूप से कम से कम 15 दिन पूर्व सभी सदस्यों को उपलब्ध करानी होगी। सहकारिता विभाग ने जिला से लेकर प्रखंड स्तर तक के वरीय पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे किसी न किसी पैक्स की आम सभा में भाग लें और इसकी व्यवस्था सुनिश्चित करें। साथ ही हर आम सभा की वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी भी कराना अनिवार्य किया गया है। प्रमंडलीय संयुक्त निबंधक और जिला सहकारिता पदाधिकारी को समन्वय स्थापित कर वार्षिक आम सभा को सफलतापूर्वक संपन्न कराने की जिम्मेदारी दी गई है। गौरतलब है कि बिहार सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1935 की धारा 32ए के अंतर्गत प्रत्येक सहकारी समिति को वित्तीय वर्ष समाप्ति के छह माह के भीतर वार्षिक आम सभा आयोजित करना अनिवार्य है। चूंकि राज्य सरकार ने पैक्सों में वित्तीय निवेश किया है, इसलिए इस वैधानिक दायित्व का समय-सीमा के भीतर निर्वहन अत्यंत आवश्यक है। वार्षिक आम सभा में समिति के सदस्यों को उनकी भागीदारी के साथ-साथ योजनाओं, सेवाओं और अधिकारों की जानकारी दी जाती है जिससे उनकी जागरूकता और भागीदारी सुनिश्चित होती है। वर्ष 2025 की आम सभा में कई विषयों पर चर्चा की जाएगी जिनमें प्रबंधकारिणी द्वारा प्रस्तुत वार्षिक प्रतिवेदन का विचारण, अंकेक्षण प्रतिवेदन एवं लेखा विवरणी पर विचार, अंकेक्षण में चिन्हित त्रुटियों पर अनुपालन रिपोर्ट, शुद्ध लाभ के बंटवारे पर चर्चा, सदस्यों के अधिकार एवं कर्तव्यों पर संवाद, राज्य सरकार की योजनाओं जैसे अधिप्राप्ति, फसल सहायता योजना, पैक्स कम्प्यूटरीकरण और हरित कृषि संयंत्र योजना की जानकारी, पूर्व वर्ष के महत्वपूर्ण निर्णयों की समीक्षा, यदि किसी पैक्स का 2023-24 का अंकेक्षण नहीं हुआ है तो विशेष परिस्थिति में 2022-23 के अंकेक्षण के आधार पर लाभांश वितरण किया जा सकता है। साथ ही राज्य सरकार के हिस्से के लाभांश की राशि ट्रेजरी चालान के माध्यम से जमा कर उसकी प्रति संबंधित पदाधिकारियों को सौंपनी होगी। सहकारिता विभाग का यह कदम पैक्स की पारदर्शिता, जवाबदेही और सक्रिय सदस्य भागीदारी को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

बिहार में पहली बार औद्योगिक भूमि आवंटन में नीलामी का ऐतिहासिक कदम

बियाडा ने बदली पारंपरिक प्रणाली

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण (बियाडा) ने औद्योगिक भूमि आवंटन की प्रक्रिया में एक नया और ऐतिहासिक अध्याय जोड़ा है। फोरबिसगंज औद्योगिक क्षेत्र के भूखंड के लिए पहली बार प्रोजेक्ट क्लियरेंस कमिटी की बैठक में पारंपरिक 'पहले आओ, पहले पाओ' के नियम को छोड़कर नीलामी के माध्यम से भूमि आवंटन किया गया। इस नई प्रक्रिया ने बिहार में औद्योगिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत दिया है। बैठक में दो प्रमुख कंपनियों – एम/एस मंगल मूर्ति ट्रेडर्स और एम/एस शाकिर एंटरप्राइज़ेज – ने एक ही भूखंड के लिए प्रतिस्पर्धा की। जमीन की आधार मूल्य रु. 32,50,011 निर्धारित की गई थी। उत्साहपूर्ण बोली प्रक्रिया में एम/एस मंगल मूर्ति ट्रेडर्स ने सर्वोच्च बोली लगाते हुए रु. 65,50,011 की राशि अदा की, जो मूल मूल्य से दोगुनी से भी अधिक थी। नीलामी प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से संपन्न हुई जिसमें

दोनों पक्षों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। यह पहल न केवल औद्योगिक भूमि आवंटन में न्यायपूर्णता सुनिश्चित करती है, बल्कि बिहार के लिए अधिकतम राजस्व भी उत्पन्न करती है। इस नए मॉडल ने बाजार की वास्तविक मांग और निवेशकों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को भी दर्शाया है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण के प्रबंध निदेशक कुंदन कुमार ने कहा यह नीलामी बिहार में औद्योगिक विकास की सोच में क्रांतिकारी बदलाव है। पहले हमें निवेशकों को आकर्षित करना पड़ता था, लेकिन अब वे स्वयं आगे आ रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि बियाडा जल्द ही इस पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन लाने की तैयारी कर रहा है जिससे देश के किसी भी कोने से उद्यमी डिजिटल माध्यम से बोली लगा सकेंगे। इस पहल का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा ने इसे राज्य के औद्योगिक विकास के लिए एक बड़ा कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ भूमि आवंटन की प्रक्रिया नहीं, बल्कि बिहार के डिजिटल और औद्योगिक भविष्य की मजबूत नींव है। बिहार अब पूरी तरह से व्यवसाय के लिए तैयार है और औद्योगिक भूमि की नीलामी के इस मॉडल के साथ अवसर केवल एक बोली की दूरी पर हैं। यह पहल पारदर्शिता, गति और सही बाजार मूल्य के साथ राज्य के औद्योगिक विकास की नई दिशा की ओर एक क्रांतिकारी कदम साबित होगी।

बिहार में सत्ता की ओर निर्णायक कदम बढ़ा रही बहुजन समाज पार्टी : अनिल कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने अपनी रणनीतिक तैयारियों को तेज कर दिया है। इसी क्रम में आज बुद्धा कॉलोनी, पटना स्थित प्रदेश कार्यालय में पार्टी की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक के उपरांत राज्यसभा सांसद सह नेशनल कोऑर्डिनेटर रामजी गौतम और केन्द्रीय प्रदेश प्रभारी अनिल कुमार ने संयुक्त रूप से एक प्रेस वार्ता की जिसमें उन्होंने बिहार सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि बसपा अब सत्ता की ओर निर्णायक कदम बढ़ा रही है और इस बार बिना बसपा के कोई सरकार नहीं बनने वाली है। रामजी गौतम ने कहा कि बहन मायावती के नेतृत्व में बसपा का लक्ष्य बिहार से जंगलराज और गुंडाराज को पूरी तरह समाप्त कर एक सशक्त और विकासशील राज्य बनाना है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में अपराधियों और माफियाओं का राज चल रहा है और आम जनता भय के साये में जी रही है। सरकारी अस्पतालों में भारी लापरवाही, डॉक्टरों की अनुपस्थिति और गरीबों की बदहाली का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि बसपा की सरकार बनी तो स्वास्थ्य, शिक्षा और कानून व्यवस्था को उत्तर प्रदेश के पूर्व में मायावती सरकार के मॉडल पर मजबूत किया जाएगा।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने किया आश्रित हितलाभ का भुगतान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कर्मचारी राज्य बीमा निगम, बीमा आयुक्त (पूर्वी क्षेत्र), प्रणय सिन्हा, कर्मचारी राज्य बीमा निगम बीमा, बीमा आयुक्त (मुख्यालय) अनिल कुमार साहू, कर्मचारी राज्य बीमा निगम झारखंड क्षेत्र के क्षेत्रीय निदेशक राजीव रंजन एवं कर्मचारी राज्य बीमा निगम बिहार क्षेत्र के क्षेत्रीय निदेशक, सीए निरंजन कुमार द्वारा सादे समारोह में मेसर्स एफो टेको सोलूसन प्रा. लि. के अंतर्गत पंजीकृत बीमित व्यक्ति सफीरूल जो विशाखापतनम में हेल्पर के पद पर कार्यरत थे उनकी आश्रिता पत्नी अस्फेरा खातून, माता-जमीला बोया को कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 के अंतर्गत आश्रित हितलाभ प्रदान किया गया और संवेदना व्यक्त की गयी। स्व. सफीरूल की मृत्यु 10-08-2023 को कार्य के दौरान रोजगार चोट के कारण हुई थी। वे परिवार में अकेले कमाने वाले थे व

परिवार पूर्णतः आर्थिक रूप से उन पर निर्भर था। नियोजक द्वारा दुर्घटना रिपोर्ट भेजे जाने के पश्चात इसकी जांच की गयी तथा इएसआइसी द्वारा आश्रितों के लिए मासिक पेंशन स्वीकृत किया गया। पेंशन के रूप में 555 रु. प्रतिदिन की दर से प्रतिमाह रु. 16,650/- आश्रितों को मिलेगा। दुर्घटना की तिथि से आज तक लगभग रु. 333000-/ रुपये का बकाया भुगतान भी उनके खाते में अंतरित किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि कार्य के दौरान व कार्यस्थल और निवासस्थान के मध्य आवागमन के कारण होने वाली दुर्घटना को इएसआइ कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 के तहत रोजगार चोट के रूप में स्वीकृत करने का प्रावधान है जिसके अंतर्गत बीमित कर्मचारी की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु हो जाने पर उनके आश्रित परिवारजनों को इएसआइ योजना के तहत वेतन का 90% तक मासिक आश्रित पेंशन दिया जाता है। इस सादे समारोह में अभिषेक कुमार, सहायक निदेशक, पूर्वी क्षेत्र भी उपस्थित थे।

पूर्व मंत्री खुर्शीद उर्फ फिरोज अहमद लड़ेंगे निर्दलीय चुनाव

सिक्के से तौले जाने के बाद की घोषणा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की सरगर्मियों के बीच जदयू के पूर्व मंत्री खुर्शीद उर्फ फिरोज अहमद ने बड़ा ऐलान कर दिया है। उन्होंने बुधवार को सिकटा विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा की। यह घोषणा उन्होंने शांति चौक, जगन्नाथपुर पंचायत में आयोजित एक सम्मान समारोह में की जहां उन्हें प्रतीकात्मक रूप से सिक्कों से तौला गया। इससे पहले पूर्व मंत्री ने सूर्यपुर पंचायत के भवानीपुर गांव से पदयात्रा की शुरुआत की। पदयात्रा के दौरान एक निजी विद्यालय के छात्रों ने उनका स्वागत किया। उसके बाद वे कुर्सीबरवा, मंगलपुर, बेहरी, गुलरिया और विशंभरा गांव होते हुए पैदल चलकर लोगों से मिले और जनसंपर्क करते हुए समारोह स्थल तक पहुंचे। समारोह में अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि वे जनभावनाओं के अनुरूप चुनाव मैदान में उतर रहे हैं और जनता का आशीर्वाद ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने यह भी इशारा किया कि अब उनकी लड़ाई किसी पार्टी से नहीं, बल्कि जनता की आवाज को विधानसभा तक पहुंचाने की है। पूर्व मंत्री की यह घोषणा आगामी चुनावी समीकरणों को प्रभावित कर सकती है, खासकर सिकटा विधानसभा क्षेत्र में जहां उनका प्रभाव लंबे समय से बना हुआ है।

पर्यावरण के साथ विकास के संतुलन का नीतीश मॉडल अनूठा : राजीव रंजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि बिहार आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दूरदर्शिता पूर्ण निर्णयों की वजह से विकास के साथ पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी के संतुलन का एक अनूठा मॉडल बन चुका है जिसे विश्व के अनेक संगठनों एवं पत्रिकाओं के द्वारा सराहा जा रहा है। 2020 में संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा विश्व के अनेक देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ नीतीश कुमार को ग्लोबल राउंड टेबल कांफ्रेंस को सम्बोधित करने का अवसर प्रदान किया गया। श्री प्रसाद ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण कहीं सुखाड़ तो कहीं बाढ़ जैसी आपदाओं का सामना करना पड़ता है वहीं अन्य कई इसके दुष्परिणाम भी हैं। नीतीश

कुमार ने सभी दलों के साथ मिलकर 2019 में बात करके जल जीवन हरियाली अभियान की महत्वाकांक्षी योजना की शुरुआत की जिसके तहत ग्यारह अवयव तय किये और अब इसके चौंकाने वाले परिणाम सामने आ रहे हैं। 17 हजार 561 तालाब, पोखर, आहर-पइन आदि को अतिक्रमण मुक्त करा दिया गया है। एक लाख आहर-पइन के जीर्णोद्धार के साथ ही तालाब का जीर्णोद्धार एवं सीढ़ी घाट का निर्माण कराया गया। 37 हजार 709 कुओं तथा दो लाख अड़तीस हजार कुओं एवं चापाकल के पास सोखता निर्माण कार्य किया गया है। वहीं बारह हजार सात सौ अठत्तर चेकडैम एवं जल संचयन संरचनाओं का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। वहीं चौसठ हजार से ज्यादा नए जल स्त्रोतों के निर्माण के अतिरिक्त गंगा जल उद्ववह योजना के अंतर्गत पेयजल संकट के इलाकों में पेयजल आपूर्ति के लिए बोधगया गया राजगीर एवं नवादा में गंगा जल पहुंचाने के असंभव कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया गया है। चौदह हजार सात सौ पंद्रह सरकारी भवनों में छत वर्षा जल संचयन संरचनाओं का निर्माण कार्य भी पूरा हो चुका है। इसके साथ ही राज्य के हरित आवरण में वृद्धि के लिए चौदह करोड़ पौधे लगाए गए।

कृषि अनुसंधान परिसर में दो दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण संपन्न

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना में दो दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण के तहत शिवम कॉन्वेंट स्कूल, न्यू बाइपास रोड, कंकड़बाग, पटना के छात्रों ने कृषि अनुसंधान की दुनिया को नजदीक से देखा, समझा और अनुभव किया। इस विशेष भ्रमण का उद्देश्य छात्रों को कृषि प्रणालियों की व्यवहारिक जानकारी देना तथा कृषि विज्ञान के प्रति रुचि और जिज्ञासा को बढ़ावा देना था।

भ्रमण के दौरान विद्यालय के विभिन्न वर्गों के कुल 298 छात्रों ने सहभागिता की। पहले दिन कक्षा 6 एवं 7 के 118 छात्र तथा दूसरे दिन प्राथमिक से लेकर माध्यमिक कक्षा के 180 छात्र संस्थान पहुंचे। संस्थान के समेकित कृषि प्रणाली मॉडल, पोषण वाटिका, मात्स्यिकी इकाई, पशुधन इकाई तथा अनुसंधान प्रक्षेत्रों का भ्रमण छात्रों के लिए न केवल ज्ञानवर्धक रहा, बल्कि उनके लिए एक प्रेरणादायी अनुभव भी बना। प्रक्षेत्र भ्रमण के दौरान अभिषेक कुमार, प्रक्षेत्र प्रबंधक एवं प्रेम पाल कुमार, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी ने छात्रों को सरल भाषा में हर इकाई की उपयोगिता एवं व्यवहारिक महत्त्व को रोचक तरीके से समझाया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. अनुप दास ने बताया कि आज के छात्र ही कल के वैज्ञानिक और नीति निर्माता होंगे। कृषि के प्रति उनकी जिज्ञासा और लगाव को देखकर अत्यंत प्रसन्नता होती है। इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण विज्ञान और पर्यावरण के प्रति समझ विकसित करते हैं। संस्थान के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी पुष्पनायक ने कहा ज्ञान का प्रचार-प्रसार और नवाचार की प्रेरणा देना हमारी जिम्मेदारी है और हमें विश्वास है कि यह अनुभव छात्रों की सोच में सकारात्मक परिवर्तन लाएगा। कार्यक्रम के सफल संचालन में डॉ. अभिषेक कुमार, उमेश कुमार मिश्र तथा विजय बाबू राम एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही जिन्होंने योजना, समन्वय एवं प्रबंधन को सुचारू रूप से संपन्न किया।

राजद के शासनकाल में क्यों नहीं दिए गए महिलाओं को पैसे : विजेंद्र यादव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राजद की 'माई बहिन मान योजना' के तहत 2500 रुपये प्रति माह महिलाओं को देने की घोषणा के बाद अब कांग्रेस की तरफ से भी 'माई बहिन मान योजना' के तहत 2500 रुपये देने का ऐलान किए जाने को लेकर सत्ताधारी जदयू ने महागठबंधन पर तंज कसा है। राज्य के ऊर्जा मंत्री विजेंद्र यादव ने कांग्रेस की महिलाओं को लेकर की गई घोषणा पर तंज कसते हुए कहा चुनाव से पहले सभी दल अपनी - अपनी योजना की घोषणा करते हैं, लेकिन जब उनकी सरकार थी, तब ये लोग महिलाओं को क्यों नहीं राशि दी? उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार जितनी योजना चला रहे हैं, उससे अधिक राशि महिलाओं को मिल रही है। इस सवाल पर कि क्या एनडीए भी महिलाओं को राशि देने की योजना शुरू कर सकती है? विजेंद्र यादव ने कहा कि अभी एनडीए में यह तय नहीं हुआ है जब तय होगा तो बताएंगे। विजेंद्र यादव ने कहा कि जब उनकी सरकार थी, तब क्यों नहीं योजना लागू की। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तो महिलाओं के लिए लगातार काम कर रहे हैं। इसलिए राजद और कांग्रेस को इस योजना से कुछ नहीं होने वाला है। महिलाएं तो नीतीश कुमार के साथ है।

पटना के कई सड़कों का किया जाएगा चौड़ीकरण : सम्राट चौधरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि राजधानी पटना के यातायात ढांचे को सुदृढ़ और सुचारू बनाने के लिए 22.14 करोड़ रुपये से अधिक की महत्वपूर्ण योजना को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि यह योजना पटना के यातायात को व्यवस्थित करने और सड़कों की गुणवत्ता में सुधार लाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। सम्राट चौधरी ने बताया कि विवेकानंद मार्ग, बोरिंग रोड से लेकर पश्चिम बोरिंग कैनाल रोड स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर तक तथा बीच में आने वाले इन्दिरा सिन्हा पथ, राजेन्द्र पथ, वीर शिवाजी पथ, वीर कुंवर सिंह पथ, रामकृष्ण पथ, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, मदर टेरेसा मार्ग, तिलक मार्ग, कस्तुरबा पथ और अन्य संपर्क पथों के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण हेतु 2214.67 लाख रुपये (बाइस करोड़ चौदह लाख सड़सठ हजार) की योजना को स्वीकृति दी गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पटना एयरपोर्ट के नये टर्मिनल का उद्घाटन करने के बाद जल्द ही राजधानी पर यातायात का दबाव बढ़ने वाला है। जेपी गंगा पथ का लगातार विस्तार होने से भी शहर की सड़कों को चौड़ा करने और मजबूत बनाने की जरूरत महसूस की गई। इसलिए लोक वित्त समिति और स्थायी वित्त समिति ने पटना की सड़क विकास योजना की अनुशंसा की। सम्राट चौधरी ने बताया कि किसी अन्य विभाग से अधिग्रहित पथों पर कार्य तभी किया जाएगा जब उसका विधिवत हस्तांतरण हो चुका हो और यदि किसी मार्ग पर पूर्व में कार्य हुआ है तो उसकी डिफेक्ट लाइबिलिटी पीरियड यानि डीएलपी की समाप्ति के बाद ही नया कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

देश के प्रधानमंत्री अमेरिका के राष्ट्रपति से डरते हैं : सुब्रमण्यम स्वामी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री सुब्रमण्यम स्वामी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने पटना में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि जब पाकिस्तान पर कड़ा प्रहार करने की जरूरत थी, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में आकर युद्धविराम क्यों कर लिया? सुब्रमण्यम स्वामी ने तंज कसते हुए कहा कि लगता है कि हमारे देश के प्रधानमंत्री अमेरिका के राष्ट्रपति से डरते हैं। उन्होंने कहा कि जब पाकिस्तान की पिटाई होनी चाहिए थी, तब ट्रंप के कहने पर युद्धविराम क्यों कर लिया गया? अमेरिकी राष्ट्रपति बार-बार यह दावा कर रहे हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम उन्होंने कराया है जिससे भारत की छवि को नुकसान पहुंच रहा है। सुब्रमण्यम स्वामी ने मांग की कि प्रधानमंत्री को इस मामले पर देश के सामने स्पष्ट सफाई देनी चाहिए जब उनसे(सुब्रमण्यम स्वामी) पूछा गया कि केंद्र सरकार ने आतंकवाद के मुद्दे पर चर्चा के लिए विश्व के अलग-अलग देशों में प्रतिनिधिमंडल भेजा है तो उन्होंने इसे बेकार करार देते हुए कहा कि इससे कुछ होने वाला नहीं है।

जैव विविधता दिवस पर गौरैया संरक्षण प्रदर्शनी का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। हमारी गौरैया तथा एनवायरनमेंट वारियर्स के संयुक्त तत्वावधान में बी. डी. पब्लिक स्कूल, बुद्धा कॉलोनी में गौरैया संरक्षण जागरूकता प्रदर्शनी का आयोजन किया गया तथा पक्षियों के पानी तथा दाना के लिए मिट्टी के सकोरे लगाये गये। इस मौके पर प्रचार्य माधवी कुमारी ने कहा कि गौरैया केवल पक्षी नहीं हमसब के घरों की सदस्य थी, हमारा बचपन उनके बीच बिता है, लेकिन यह हमारी गलतियों के वजह से आज

वह दिखती भी नहीं है। उन्होंने इको क्लब के कोडिनेटर सुदर्शन कुमार को इसको विद्यालय परिसर में संरक्षित करने के लिए सभी संभव प्रयास करने की जिम्मेदारी दी। एनवायरनमेंट वारियर्स के निदेशक निशांत रंजन ने मौके पर बताया कि गौरैया की कमी का मूल कारण भोजन की कमी और आवासीय संकट है जिसका हम सब साझा प्रयास पर व्यवस्था कर सकते हैं और गौरैया से अपने घर आंगन को पुनः गुलजार कर सकते हैं। कार्यक्रम में बच्चों को गौरैया से संबंधित डोकोमेंट्री फिल्म, विभिन्न घोसलें, किताबों तथा फोटोग्राफ का प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर उपप्राचार्य रश्मि श्रीवास्तव, इको क्लब से सुदर्शन कुमार, शादाब चमन, दिव्या भट्ट, एनवायरनमेंट वारियर्स से शानू कुमार राज, निश्चल कुमार, रजनीश कुमार, प्रियांशु रंजन, मासूम रंजन और बड़े संख्या में छात्रों की उपस्थिति थी।

इनर व्हील क्लब ऑफ पटना ने महावीर कैंसर अस्पताल में बनाया प्रतीक्षालय

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। इनर व्हील क्लब ऑफ पटना ने मानवता की सेवा के उद्देश्य से महावीर कैंसर अस्पताल में कैंसर मरीजों के लिए एक प्रतीक्षालय का निर्माण कराया है। इस प्रतीक्षालय में मरीजों और उनके परिजनों को आराम से बैठने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है जिससे उन्हें इलाज के दौरान कुछ सहूलियत मिल सके। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्षा संध्या सिन्हा की उपस्थिति में प्रतीक्षालय का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में

पीडीसी नीना कुमार, पीडीसी दीप्ति सहाय, पीडीसी सरिता प्रसाद, श्वेता झा, श्रुति राम, कविता सिन्हा, माला सिंह, श्वेता भार्गव, कंचन कुमारी, कविता कौर, स्वीटी तथा क्लब की अन्य सदस्याएं भी उपस्थित रहीं।

जैन धर्मावलंबियों ने भगवान बिमलनाथ जी का गर्भ कल्याणक श्रद्धा से मनाया

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जैन समाज द्वारा श्रीपार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, कदमकुआं सहित मीठापुर, मुरादपुर, कमलदह एवं अन्य जैन मंदिरों में जैन धर्म के तेरहवें तीर्थंकर भगवान बिमलनाथ जी का गर्भ कल्याणक भक्ति एवं श्रद्धा से मनाया गया। जैन समाज के एम पी जैन ने बताया कि इस अवसर पर जैन समाज के लोगों ने भगवान बिमलनाथ जी की पूजा-अर्चना की और उनके जीवन एवं उपदेशों को याद किया। भगवान बिमलनाथ जी के गर्भ कल्याणक के अवसर पर अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजा किया गया। उनके जीवन एवं उपदेशों को याद करने और उनके संदेशों

को अपने जीवन में लागू करने के बारे में बताया गया। श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, कदमकुआं में अभिषेक, पूजा जिनेश जैन एवं अन्य द्वारा तथा मीठापुर दिगम्बर जैन मंदिर एवं अन्य दिगम्बर जैन मंदिरों में अभिषेक शांतिधारा किया गया। मौके पर बिहार राज्य दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमिटी के मानद मंत्री पराग जैन ने बताया कि तेरहवें तीर्थंकर भगवान बिमलनाथ जी का गर्भ कल्याणक के अवसर पर कमलदह दिगम्बर जैन मंदिर में शांतिधारा एवं मंगल आरती सोनू जैन एवं अन्य श्रद्धालुओं द्वारा किया गया।

अन्तर्जालीय दशदिवसात्मक अन्तर्राष्ट्रीय संस्कृत सम्भाषण शिविर का समापन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार हेतु समर्पित 'आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान' के तत्वावधान में आयोजित श्रीराम भक्त हनुमान स्मृति अन्तर्जालीय दशदिवसात्मक अन्तर्राष्ट्रीय संस्कृत सम्भाषण शिविर का समापन समारोह 21 मई, 2025 में गरिमामयी वातावरण में सम्पन्न हुआ। यह संवदनशीलता, समर्पण तथा संस्कृत भाषा के जीवंत प्रयोग का अद्भुत संगम रहा। यह संभाषण शिविर अपनी तरह का निरन्तर 32वां सम्भाषण शिविर था, जो दस दिनों तक ऑनलाइन माध्यम से सफलतापूर्वक संचालित हुआ। शिविर का उद्देश्य था-संस्कृत को केवल एक विषय नहीं, अपितु संवाद की भाषा बनाना। समापन समारोह का उद्घाटन पूर्व सचिव, गृह विभाग, उत्तरप्रदेश एवं प्रधान संरक्षक, आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान के डॉ. अनिल कुमार सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने संस्कृत के व्यावहारिक उपयोग की अनिवार्यता पर प्रकाश डाला। समारोह की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष, आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान एवं संस्कृत-विभागाध्यक्ष, फिरोज गांधी महाविद्यालय, पाटलिपुत्र के डॉ. मुकेश कुमार ओझा ने की जिन्होंने इस अभियान को संस्कृत के नवजागरण से जोड़ा।

पुदीन हरा कई गैस्ट्रिक विकारों के लिए एक निश्चित समाधान : अजय परिहार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जीवन शैली में विकसित रुझानों और उपभोक्ताओं के काम का पैटर्न देखने पर पता चलता है कि आज सभी बहुमुखी कार्य कर रहे हैं और इसलिए उन्हें प्रभावी और प्राकृतिक समाधान की आवश्यकता होती है। डाबर सबसे भरोसेमंद हेल्थकेयर कंपनी के रूप में दैनिक स्वास्थ्य समस्याओं से निपटने के लिए पारंपरिक आयुर्वेद को उपलब्ध कराने के अपने लक्ष्य को मजबूत करता है और पुदीन हरा कई गैस्ट्रिक विकारों के लिए एक निश्चित समाधान है। उक्त बातें डाबर इंडिया लिमिटेड हेल्थकेयर के विपणन

प्रमुख अजय परिहार ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। विदित हो कि आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों के लाभों का प्रचार करने के अपने मिशन में आगे बढ़ाते हुए भारत की सबसे बड़ी विज्ञान आधारित आयुर्वेद कंपनी, डाबर इंडिया लिमिटेड ने पुदीना को एक आश्चर्यजनक जड़ी बूटी के रूप में प्रतिष्ठित करने के लिए एक अभियान शुरू किया। इस अवसर पर डॉ. विनोद कुमार उपाध्याय, आयुर्वेद सलाहकार ने कहा कि आयुर्वेद की पांडुलिपियों में आधुनिक समय की बीमारियों का सबसे अच्छा प्रबंधन गहराई से छिपा हुआ है। पुदीना की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि 3,000 साल पुरानी है और इसे वंडर हर्ब के रूप में नामित किया गया है जो मानव पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद है। पुदीना में मौजूद मेन्थॉल पाचन के लिए जरूरी एंजाइमों को उत्तेजित करता है, पेट की मांसपेशियों को आराम देता है, अपचन और मरोड़ की संभावनाओं को कम करता है।

संपादकीय

फिजूल का विवाद

आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस पॉलिसी और ऑपरेशन सिंदूर के बारे में दुनिया को बताने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने का सरकार का फैसला जितना सराहनीय है, उतना ही दुर्भाग्यपूर्ण है इसका विवादों में घिर जाना। देश की सुरक्षा और विदेश नीति से जुड़े विषय पर राजनीति किसी के हित में नहीं है। पहलगाम में आतंकियों की नृशंसता के बावजूद जवाब देते हुए भारत ने जिस तरह संयम बरता, उसकी तारीफ सभी कर रहे हैं। पाकिस्तान की तरफ से उकसावे वाले कदमों के बाद भी भारत की प्रतिक्रिया सधी, सटीक और नियंत्रित रही। हिंदुस्तान ने पाकिस्तान को जवाब ही नहीं दिया, उसकी असलियत भी दुनिया के सामने ला दी है। इस्लामाबाद के बचे हुए सपोर्ट सिस्टम को खत्म करने और भारत की चिंता और स्टैंड से दुनिया को वाकिफ कराने के लिए सरकार की ओर से सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विभिन्न देशों में भेजे जाएंगे। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सभी दलों ने सरकार और सेना के प्रति समर्थन जताया था। सरकार ने भी उसी भावना का सम्मान करते हुए सभी दलों से सांसदों को प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया है। लेकिन कांग्रेस के सदस्यों, खासकर सांसद शशि थरूर को लेकर हो रहा विवाद बिल्कुल अनचाहा है। इससे एक अच्छा मकसद नकारात्मक खबरों में घिर गया है। कांग्रेस ने थरूर का नाम नहीं भेजा था, सरकार ने उन्हें अपनी तरफ से शामिल कर लिया। जिनके नाम कांग्रेस ने दिए थे, उनमें से सिर्फ आनंद शर्मा चुने गए। कांग्रेस का आरोप है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मसले पर बीजेपी ओछी राजनीति कर रही है। वहीं, भाजपा ने कांग्रेस के भेजे नामों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। यह तस्वीर उससे बिल्कुल अलग है, जब सारे दल आतंकवाद के खिलाफ जंग में एकजुट नजर आ रहे थे।थरूर पहले संयुक्त राष्ट्र में काम कर चुके हैं, विदेश राज्य मंत्री रह चुके हैं। उनके अनुभव का फायदा निश्चित रूप से डेलिगेशन को मिलेगा। हालांकि कांग्रेस को लगता है कि उसके सांसद को चुनने से पहले उससे पूछा जाना चाहिए था। इस अपेक्षा को गलत नहीं कहा जा सकता। मगर इसे विवाद का मुद्दा बनाने से बचा जा सकता था। अच्छा होता कि सत्ता पक्ष और विपक्ष सार्वजनिक आरोप-प्रत्यारोप के बजाय सीधे आपस में बात करते। शशि थरूर और कांग्रेस के रिश्ते पिछले कुछ समय से ठीक नहीं रहे हैं। लेकिन यह एक सांसद और उसकी पार्टी के बीच का मसला है। यहां जो मुद्दा सामने है, वह देश से जुड़ा है। इसमें सभी को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सोचना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि गंगा और गंगे डॉल्फिन का गहरा रिश्ता है। गंगा को भारत की सबसे पवित्र नदियों में से एक माना जाता रहा है, लेकिन देश में राष्ट्रीय जलीय जीव के रूप में जानी जाने वाली गंगे डॉल्फिन(गंगेटिक डॉल्फिन) अब गंगा की कम होती निर्मलता-स्वच्छता की ही तरह खत्म हो रही है। पाठकों को बताता चलूं कि आज से चार-पांच साल पहले एक टीवी चैनल के हवाले से यह खबरें आईं थीं कि गंगा में सिर्फ 3500 गंगे डॉल्फिन ही बचीं हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि अंतिम गणना में उत्तर प्रदेश व असम की नदियों में इनकी संख्या क्रमशः 1,275 व 962 पाई गई थी। एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार गंगा डॉल्फिन की गणना असम सरकार ने 2018 में जनवरी से मार्च माह के बीच की थी।

आखिर क्यों घट रही है गंगा डॉल्फिन की आबादी?

सुनील कुमार महला

पर्यावरण प्रदूषण की समस्या आज भारत ही नहीं बल्कि संपूर्ण विश्व की एक बड़ी समस्या बनकर उभरी है। मनुष्य तो मनुष्य पशु-पक्षियों और जलीय जीवों को पर्यावरण प्रदूषण से बहुत नुक्सान पहुंच रहा है, लेकिन इनका कोई धणी-धोरी नजर नहीं आता। यह बहुत ही दुखद है कि आज हमारे देश में पर्यावरण प्रदूषण से जीव-जंतुओं की जान पर बन आई है।जल में होने वाले रासायनिक प्रदूषण से आज जलीय जीवों की अनेक प्रजातियां ख़तरे में हैं।जल में पालीथीन युक्त कचरा भी जलीय जीवों के लिए एक प्रमुख खतरा बनकर उभरा है। पाठकों को बताता चलूं कि आज इंसानी दरियादिली के लिए दुनियाभर में मशहूर गंगा नदी डॉल्फिन लगातार खतरे में है।जल में रासायनिक तत्वों की अधिकता के साथ ही यह(गंगा नदी डॉल्फिन कई बार मछली पकड़ने वालों के जाल में उलझ जाती हैं, और इन्हीं चीजों ने इन्हें खतरे में डाल दिया है। उल्लेखनीय है कि गंगा और गंगे डॉल्फिन का गहरा रिश्ता है। गंगा को भारत की सबसे पवित्र नदियों में से एक माना जाता रहा है, लेकिन देश में राष्ट्रीय जलीय जीव के रूप में जानी जाने वाली गंगे डॉल्फिन(गंगेटिक डॉल्फिन) अब गंगा की कम होती निर्मलता-स्वच्छता की ही तरह खत्म हो रही है। पाठकों को बताता चलूं कि आज से चार-पांच साल पहले एक टीवी चैनल के हवाले से यह खबरें आईं थीं कि गंगा में सिर्फ 3500 गंगे डॉल्फिन ही बचीं हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि अंतिम गणना में उत्तर प्रदेश व असम की नदियों में इनकी संख्या क्रमश- 1,275 व 962 पाई गई थी।एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार गंगा डॉल्फिन की गणना असम सरकार ने 2018 में जनवरी से मार्च माह के बीच की थी। वहीं, उत्तर प्रदेश में 2015 में इनकी संख्या 1,272 थी, जबकि 2012 में इनकी गणना 671 की गई थी।एक अन्य उपलब्ध जानकारी के अनुसार असम में गंगा डॉल्फिन की गणना तीन नदियों में की गई थी तथा ब्रह्मपुत्र नद में इनकी संख्या 877 पाई गई थी। वहीं, राज्य में इनकी कुल संख्या 962 थी। इसके संरक्षण के लिए असम सरकार ने भी इसे राज्य जलीय जीव घोषित किया है। राज्य में इनकी आबादी को कम होने से बचाने के लिए नदियों से सिल्टिंग और रेत उठाने से रोक लगाई गई। यहां पाठकों को बताता चलूं कि इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर ने गंगा डॉल्फिन को भारत में एक लुप्तप्राय प्रजाति के रूप में सूचीबद्ध किया है। यह हालात तब हैं, जब देश में नमामि गंगे अभियान (वर्ष 2014 में) और जल जीवन मिशन के तहत पहाड़ से लेकर मैदान तक गंगा को साफ करने का काम तेज गति से चलाया गया। पाठकों को बताता चलूं कि कुछ साल पहले वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के वैज्ञानिकों ने यह चिंताएं जताईं थी कि गंगा में पाई जाने वाली डॉल्फिन का अस्तित्व गंगा से जुड़ा हुआ है और अगर गंगा दूषित होती रही, तो

डॉल्फिन भी विलुप्त हो जाएगी। तीव्र औधोगिकीकरण, शहरीकरण, तेज विकास गतिविधियों, मानवीय गतिविधियों के कारण जैसे-जैसे गंगा मैली होती जा रही है, उससे न सिर्फ डॉल्फिन बल्कि गंगा का अस्तित्व भी खतरे में है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि डॉल्फिन के अलावा गंगा में पाए जाने वाले कछुए और घड़ियाल जैसे कई जलीय जीव भी अब खतरे की जद में आ गए हैं। गौरतलब यह भी है कि भारत में डॉल्फिन गंगा और ब्रह्मपुत्र नदी में पाई जाती है और यह मीठे पानी का जीव है।गंगा डॉल्फिन भोजन के माध्यम से रसायनों के खतरनाक मिश्रण के संपर्क में आ रही है । इस संदर्भ में एक्सपर्ट्स यह कहना है कि डॉल्फिन जिन छोटी मछलियों को अपने खाने के रूप में लेती है, उनमें 39 किस्म के खतरनाक केमिकल्स मौजूद हैं। दरअसल, हेलियन में प्रकाशित भारतीय वन्यजीव संस्था के सर्वे में दावा किया गया है कि मीठे पानी में रहने वाले जलीय जीवों के फूड से खतरनाक किस्म के केमिकल्स का पता चला है। गौरतलब है कि हेलियन मैगज़ीन में प्रकाशित रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि गंगा में रहने वाली गंगा डाल्फिन की आबादी 1957 से 2025 में यानी मात्र 68 सालों में आधी हो गई है, जो कि एक बहुत बड़े खतरे का संकेत है।अगर यही स्थितियां रहीं तो शायद आने वाली पीढ़ियां गंगा डाल्फिन का दीदार ही न कर पाएं और यह कहीं किताबों का हिस्सा बनकर ही न रह जाएं। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि दुनियाभर में डॉल्फिन की केवल पांच प्रजातियां ही बची हैं और वे भी गंभीर खतरों का सामना कर रहीं हैं।

कहना ग़लत नहीं होगा कि आज हमारे देश में खेती में अंधाधुंध रूप से विभिन्न कीटनाशकों, उर्वरकों और रासायनों का प्रयोग किया जाता है ताकि उत्पादन अच्छा हो सके, लेकिन यह कहीं न कहीं जलीय जीवों के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत ही घातक सिद्ध हो रहा है। विभिन्न अनुपचारित औद्योगिक अपशिष्ट ,नदियों में घरेलू अपशिष्टों का बेरोकटोक बहाव, लगातार बढ़ता प्रदूषण ,प्लास्टिक प्रदूषण , विभिन्न भारी धातुओं के प्रदूषण के कारण डॉल्फिन की सेहत और प्रजनन क्षमता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इतना ही नहीं, अवैध खनन और नदियों में तेज वाइब्रेशन पैदा करने वाले जहाजों के कारण, तथा विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण से भी डॉल्फिन को नुकसान पहुंचता है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार नदियों में लगातार जलस्तर में कमी ,अवैध फिशिंग(शिकार), बांधों का निर्माण और जलवायु परिवर्तन भी कहीं न कहीं प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से डॉल्फिन अस्तित्व के लिए बड़ी व गंभीर मुश्किलें पैदा कर रहे हैं। डॉल्फिन जलीय इकोसिस्टम के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण जलीय जीव है। यदि हम यहां पर गंगा डॉल्फिन की खासियतों के बारे में बात करें तो गंगा डॉल्फिन एक नेत्रहीन(जैसा कि इसकी आंखों में लैंस नहीं होता है) जलीय जीव है, जिसके सूंघने की शक्ति अत्यंत तीव्र होती है। इसका वैज्ञानिक नाम प्लैटनिस्टा गैंगेटिका है।गंगा डॉल्फिन विश्व भर की नदियों में पाई जाने वाली डॉल्फिन की पाँच प्रजातियों में से एक है। इस प्रकार की डॉल्फिन मुख्य तौर पर भारतीय उपमहाद्वीप खासतौर पर गंगा-ब्रह्मपुत्र-सिंधु-मेघना और कर्णाफुली-सांगू नदी तंत्र में पाई जाती हैं। ये अल्ट्रासोनिक ध्वनियाँ उत्सर्जित करके शिकार करतीं हैं, जो मछलियों और अन्य शिकार से टकराती हैं, जिससे उन्हें एक छवि देखने में मदद मिलती है। गौरतलब है कि यह इकोलोकेशन (प्रतिध्वनि निर्धारण) और सूंघने की अपार क्षमताओं से अपना शिकार और भोजन तलाशती है। यह मांसाहारी प्राचीन जलीय जीव जो करीब 10 करोड़ साल से भारत में मौजूद है। विकीपीडिया पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार मादा की औसत लम्बाई नर डोल्फिन से अधिक होती है। एक वयस्क गंगा डॉल्फिन का वजन 70 किलोग्राम से 90 किलोग्राम के बीच हो सकता है।इसकी औसत आयु 28 वर्ष रिकार्ड की गयी है। भारत में ये असम, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, झारखंड और पश्चिम बंगाल राज्यों में पाई जाती है। पाठकों को बताता चलूं कि सन ऑफ़ रिवर कहने वाले डोल्फिन के संरक्षण के लिए सम्राट अशोक ने कई सदी पूर्व कदम उठाये थे। इतना ही नहीं, केंद्र सरकार ने 1972 के भारतीय वन्य जीव संरक्षण कानून के दायरे में भी गंगा डोल्फिन को शामिल किया था तथा 1996 में ही इंटर्नेशनल यूनियन ऑफ़ कंजर्वेशन ऑफ़ नेचर भी डॉल्फिन को विलुप्त प्राय जीव घोषित कर चुका है। कहना ग़लत नहीं होगा कि इसकी प्रजाति पर खतरे का एक बड़ा कारण इसका शिकार किया जाना है। दरअसल, इसका शिकार मुख्यत- तेल के लिए किया जाता है, जिसे अन्य मछलियों को पकड़ने के लिए चारे के रूप में प्रयोग किया जाता है।

महिला अधिकारों के लिए लड़ती रही हैं बुकर पुरस्कार विजेता बानू मुश्ताक़

शेरिलान मोलान

1990 से 2023 के बीच मुश्ताक़ की लिखी 12 लघु कथाओं वाली किताब 'हार्ट लैंप' में, दक्षिण भारत में मुस्लिम महिलाओं की मुश्किलों का बहुत मार्मिक चित्रण किया गया है। मुश्ताक़ को मिला पुरस्कार बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह सिर्फ़ उनके काम को ही रेखांकित नहीं करता बल्कि भारत की संपन्न क्षेत्रीय साहित्यिक परंपरा को भी दर्शाता है।

इससे पहले साल 2022 में गीतांजलि श्री की पुस्तक 'टॉम्ब ऑफ़ सैंड' को ये पुरस्कार मिला था। 'टॉम्ब ऑफ़ सैंड' का हिंदी से अंग्रेज़ी में अनुवाद डेज़ी रॉकवेल ने किया था। पुस्तक प्रेमियों के बीच बानू मुश्ताक़ की लेखनी चिर-परिचित है, लेकिन इंटरनेशनल बुकर अवार्ड ने उनकी ज़िंदगी और

साहित्य को दुनिया के सामने पेश किया है।

उनका साहित्य महिलाओं के सामने आने वाली उन चुनौतियों की झलक देता है जो धार्मिक संकीर्णता और पितृसत्तात्मक समाज से पैदा हुई हैं। यह उनकी अपनी जागरूकता ही है जिसने शायद मुश्ताक़ को बारीक चरित्र और कथानक गढ़ने में मदद की। इस किताब के बारे में 'इंडियन एक्सप्रेस' में छपे रिव्यू में लिखा गया है, 'जहां साहित्य में अक्सर बड़े कथानक को पुरस्कृत किया जाता है, वहीं हार्ट लैंप हाशिए पर ज़िंदगियों के बारे में है। ये किताब टिकी है अनदेखे विकल्पों के बारे में बारीक़ नज़र पर। और यही उसकी ताक़त है। यही बानू मुश्ताक़ की ख़ामोश ताक़त है।'

मुश्ताक़ कर्नाटक के एक छोटे से कस्बे में मुस्लिम इलाके में पली-बढ़ीं और अपने आसपास की अधिकांश लड़कियों की तरह उन्होंने भी स्कूल में उर्दू भाषा में क़ुरान का अध्ययन किया। लेकिन सरकारी कर्मचारी रहे उनके पिता चाहते थे कि बानू मुश्ताक़ आम स्कूल में पढ़ें। जब वह आठ साल की थीं, तब उनके पिता ने उनका दाख़िला एक कॉन्वेंट स्कूल में करवाया जहां कन्नड़ भाषा में पढ़ाई होती थी। मुश्ताक़ ने कन्नड़ भाषा में माहिर होने के लिए कड़ी मेहनत की। बाद में यही भाषा उनकी साहित्यिक अभिव्यक्ति की भाषा बन गई।

स्कूल के समय से ही उन्होंने लिखना शुरू कर दिया। जब उनकी सहेलियां शादी करने लगीं तो बानू मुश्ताक़ ने कॉलेज जाने का विकल्प चुना। मुश्ताक़ का लेखन छपने में सालों लगे और यह तब हुआ जब वह ख़ास तौर पर अपनी ज़िंदगी के सबसे चुनौतीपूर्ण पलों से गुजर रही थीं।

26 साल की उम्र में अपनी पसंद के व्यक्ति से शादी के एक साल बाद उनकी लघु कथा एक स्थानीय मैग्ज़ीन में छपी, लेकिन उनका शुरुआती विवाहित जीवन संघर्षों और कलह वाला रहा। इस बारे में उन्होंने कई बार खुलकर बात की है। वोग मैग्ज़ीन को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था, 'मैं हमेशा से लिखना चाहती थी लेकिन कुछ लिखने को नहीं था। फिर लव मैरिज के बाद अचानक मुझे बुरक़ा पहनने को कहा गया और पूरी ज़िंदगी घरेलू काम में लगाने को कहा गया। 29 साल की उम्र में मैं पोस्टपार्टम डिप्रेशन से पीड़ित मां बन गई।' 'द वीक' मैग्ज़ीन को दिए एक अन्य इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि किस तरह उनकी ज़िंदगी घर के अंदर बंध कर रह गई थी। इसके बाद, एक चौंकाने वाले विद्रोह ने बानू मुश्ताक़ को मुक्त कर दिया। उन्होंने पत्रिका को बताया, 'एक बार बहुत निराशा के पलों में मैंने खुद को आग लगाने के लिए अपने ऊपर पेट्रोल छिड़क लिया था। शुक्र है कि मेरे पति समय रहते भांप गए। उन्होंने मुझे गले लगाया और माचिस दूर फेंक दी। फिर मेरे पांव में बच्चे को रख कर मिन्नत की कि हमें मत छोड़ो।'

'हार्ट लैंप' में उनकी महिला किरदार प्रतिरोध और विद्रोह के इसी जज़्बे को प्रतिबिंबित करती हैं।

इन्फ्लुएंसर, जागो! जिम्मेदारी भी वायरल हो

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स वे लोग हैं जिनके पास हजारों या लाखों की संख्या में अनुयायी (followers) होते हैं। उनके विचार, प्रतिक्रियाएं, समीक्षाएं और टिप्पणियां लोगों को प्रभावित करती हैं। कई ब्रांड्स और कंपनियां इन्हीं इन्फ्लुएंसर्स की सहायता से अपने उत्पादों का प्रचार करती हैं। अब यह प्रभाव केवल आर्थिक नहीं रहा, बल्कि यह सामाजिक और राजनैतिक क्षेत्र में भी गहराई से प्रवेश कर चुका है।

डॉ. सत्यवान सौरभ

आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। यह न केवल संचार का एक सशक्त माध्यम है, बल्कि जनमत निर्माण, सामाजिक जागरूकता और राजनैतिक विमर्श का भी एक महत्वपूर्ण मंच बन गया है। ट्विटर, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म्स पर मौजूद इन्फ्लुएंसर्स का प्रभाव अब केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वे सामाजिक और राजनैतिक मामलों पर भी जनता की सोच को दिशा देने लगे हैं। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या इन इन्फ्लुएंसर्स की कोई नैतिक या कानूनी जवाबदेही होनी चाहिए? क्या उन्हें भी निष्पक्षता का पालन करना चाहिए जैसे पत्रकारों से अपेक्षा की जाती है?

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स वे लोग हैं जिनके पास हजारों या लाखों की संख्या में अनुयायी (द्धश्द्यद्यश2द्गह्म्ह्य) होते हैं। उनके विचार, प्रतिक्रियाएं, समीक्षाएं और टिप्पणियां लोगों को प्रभावित करती हैं। कई ब्रांड्स और कंपनियां इन्हीं इन्फ्लुएंसर्स की सहायता से अपने उत्पादों का प्रचार करती हैं। अब यह प्रभाव केवल आर्थिक नहीं रहा, बल्कि यह सामाजिक और राजनैतिक क्षेत्र में भी गहराई से प्रवेश कर चुका है।

2024 के लोकसभा चुनावों और कई राज्यों के विधानसभा चुनावों में यह स्पष्ट देखने को मिला कि सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स किस प्रकार राजनैतिक दलों के लिए प्रचारक की भूमिका निभा रहे हैं। वे सीधे तौर पर किसी पार्टी विशेष के समर्थन या विरोध में पोस्ट साझा करते हैं, वीडियो बनाते हैं या लाइव डिबेट करते हैं। इनमें से अधिकतर पोस्ट्स में प्रचार सामग्री होती है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं होता कि वह पेड़ है या नहीं। पारंपरिक मीडिया में पेड न्यूज की निगरानी के लिए चुनाव आयोग की गाइडलाइन है, लेकिन सोशल मीडिया की इस नई दुनिया पर यह नियंत्रण नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न हाईकोर्ट्स ने भी समय-समय पर सोशल मीडिया पर गलत सूचना, नफरत फैलाने वाले भाषण और चुनावी प्रचार की निगरानी को लेकर चिंता व्यक्त की है। तकनीक ने भले ही लोगों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी हो, लेकिन जब यह स्वतंत्रता बिना किसी जिम्मेदारी के प्रयोग की जाती है, तो वह लोकतंत्र को कमजोर करने लगती है।

आज हर कोई पत्रकार बन सकता है ङ्क एक स्मार्टफोन और इंटरनेट कनेक्शन के ज़रिए। ऐसे में पत्रकारिता और इन्फ्लुएंसर्स की भूमिका में एक महीन सी रेखा रह गई है, जिसे स्पष्ट रूप

से चिन्हित करना आवश्यक है। पत्रकारों के लिए आचार संहिता है, प्रेस काउंसिल है, समाचार संगठनों की जवाबदेही है। लेकिन सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के लिए ऐसा कोई तंत्र मौजूद नहीं है।

यहां पर दो बातें अहम हैं ङ्क एक, इन्फ्लुएंसर्स की स्वतंत्रता और दूसरा, उनकी जिम्मेदारी। स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं है कि वे किसी भी तरह की जानकारी या विचार को बिना तथ्यों की जांच के फैलाएं। यदि वे किसी राजनैतिक विचारधारा का प्रचार कर रहे हैं या किसी विशेष पार्टी के पक्ष में जनमत को प्रभावित कर रहे हैं, तो यह जरूरी है कि वे इसे पारदर्शी ढंग से करें और यह स्पष्ट हो कि वे किसी एजेंडे के तहत कार्य कर रहे हैं।

इसके अतिरिक्त, इन्फ्लुएंसर्स की पोस्ट या वीडियो को पेड प्रमोशन मानते हुए चुनाव आयोग को भी इसके लिए स्पष्ट नियम बनाने चाहिए। जिस तरह टीवी और अखबार में विज्ञापन के लिए शुल्क का निर्धारण होता है और उसकी घोषणा अनिवार्य होती है, उसी प्रकार सोशल मीडिया पर भी प्रचार पोस्ट्स की निगरानी होनी चाहिए।

आखिरकार, लोकतंत्र की ताकत उसकी पारदर्शिता और निष्पक्षता में निहित होती है। अगर कोई भी माध्यम चाहे वह पारंपरिक मीडिया हो या सोशल मीडिया पक्षपातपूर्ण व्यवहार करता है, तो इससे जनमत प्रभावित होता है और लोकतंत्र की जड़ें कमजोर होती हैं।

दूसरी ओर, बहुत से इन्फ्लुएंसर्स यह तर्क दे सकते हैं कि वे स्वतंत्र नागरिक हैं और उन्हें किसी भी विचार को समर्थन देने का अधिकार है। यह तर्क कुछ हद तक सही भी है, लेकिन जब कोई व्यक्ति या समूह अपने विचारों के ज़रिए लाखों लोगों की राय को प्रभावित कर रहा हो, तब उसकी सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी भी बनती है।

इन्फ्लुएंसर्स को यह समझना चाहिए कि उनकी बातों का असर केवल मनोरंजन या सौंदर्य उत्पादों के प्रचार तक नहीं है, बल्कि वे सामाजिक सरोकारों और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को भी प्रभावित कर सकते हैं। इस प्रभाव के साथ उन्हें जवाबदेही भी स्वीकार करनी चाहिए।

यह समय है जब सरकार, चुनाव आयोग, और समाज इस दिशा में ठोस कदम उठाएं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को भी अपने यूज़र्स की गतिविधियों पर निगरानी रखनी चाहिए और पेड प्रचार को चिन्हित करने के लिए तकनीकी व्यवस्था करनी चाहिए। साथ ही, एक ऐसी रूपरेखा बनाई जाए जो इन्फ्लुएंसर्स को आचार संहिता के दायरे में लाए और उन्हें भी पारदर्शिता तथा निष्पक्षता के लिए बाध्य करे।

समय की मांग है कि हम केवल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की बात न करें, बल्कि उसकी जिम्मेदारी और जवाबदेही को भी उतना ही महत्व दें।

लोकतंत्र की सफलता के लिए यह अनिवार्य है कि हर मंच, हर माध्यम और हर आवाज निष्पक्ष, जिम्मेदार और सत्यनिष्ठ हो, फिर चाहे वह अखबार का संपादकीय हो, टीवी का डिबेट हो या इंस्टाग्राम की कोई पोस्ट।

संक्षिप्त समाचार

एसपी ने आन्दर पुलिस कार्यालय का किया निरीक्षण

सीवान/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। गुरुवार को पुलिस अधीक्षक अमितेश कुमार ने आन्दर स्थित पुलिस अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यालय में संधारित विभिन्न पंजीयों की गहनता से जांच की और कार्यप्रणाली की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान एसपी ने अधिकारियों को अपराध नियंत्रण के लिए सतर्कता बरतने और समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विधि व्यवस्था संधारण को प्राथमिकता देने की बात कही और थाने के अधिकारियों को नियमित रूप से जनता से संवाद बनाए रखने की सलाह दी। पुलिस अधीक्षक ने कर्मचारियों को अनुशासन बनाए रखने, फाइलों का समुचित रखरखाव करने और शिकायतों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास बनाए रखने के लिए पारदर्शिता और संवेदनशीलता जरूरी है। निरीक्षण के अंत में एसपी अमितेश कुमार ने कार्यालय की साफ-सफाई एवं व्यवस्था पर संतोष जताया और कर्मियों की कार्यशैली की सराहना भी की।

कांग्रेस पार्टी ने जन संवाद चौपाल का किया आयोजन

बाढ़/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बेलछी प्रखंड के बराह पंचायत स्थित अहरावां गाँव में कांग्रेस पार्टी द्वारा एक महत्वपूर्ण जनसंवाद चौपाल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व बाढ़ विधानसभा से महागठबंधन के पूर्व प्रत्याशी सत्येंद्र बहादुर ने किया। चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित हुए श्री बहादुर ने जनता की बातों को गंभीरता से सुना और कहा कि संवाद से ही समाधान की राह निकलती है। हमारा लक्ष्य है कि जनता की हर छोटी-बड़ी समस्या को जानकर उसका ठोस समाधान निकाला जाए। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी गाँव-गाँव जाकर जनता से सीधा संवाद स्थापित कर रही है ताकि जमीनी स्तर की समस्याओं को समझकर जनहित में ठोस कदम उठाए जा सकें। इस मौके पर कांग्रेस के स्थानीय पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

अवैध शराब कारोबारी को रेल पुलिस ने भेजा जेल

बाढ़/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। रेल पुलिस ने बुधवार के दिन ट्रेन से शराब की तस्करी करने वाले बसों बागी निवासी बुकिंग कुमार को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। उससे बड़ी मात्रा में शराब की खेप बरामद की गुरुवार के दिन गिरफ्तार युवक को अनुमंडलीय अस्पताल में मेडिकल कराए जाने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत पटना ले जाया गया जहां से जेल भेज दिया जाएगा।

भटगांव में नाला विवाद पकड़ा तूल

बाढ़/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। भटगांव पंचायत में प्रखंड प्रमुख उपेंद्र पासवान के द्वारा नली गली के निर्माण करीब 4 दिन पहले शुरू किया गया लेकिन स्थानीय ग्रामीणों के के द्वारा वार्ड सदस्य के नेतृत्व में कार्य का विरोध किया गया। जमीनी विवाद के चलते फिलहाल काम रुका हुआ है। वहीं गांव के करीब 35 परिवार के लोगों के द्वारा पानी गिराने में समस्या होने की शिकायत लेकर प्रखंड कार्यालय बाढ़ पहुंचकर इसकी शिकायत प्रखंड विकास पदाधिकारी से करना चाहा लेकिन प्रखंड विकास पदाधिकारी छुट्टी पर होने के चलते प्रखंड प्रमुख उपेंद्र पासवान के कार्यालय में जाकर यथाशीघ्र नाला का निर्माण कराया जाने की मांग की है । वही निर्माण कार्य को लेकर दो पक्षों के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई है। कभी भी दोनों पक्ष के बीच खूनी संघर्ष हो सकता है।

अवैध वसूली की शिकायत प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी से की गई

बाढ़/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जगन्नाथन उच्च विद्यालय 10+2 के प्रधानाध्यापक और किरानी एवं आदेश पाल की मिलीभगत से छात्रों का दोहन किया जा रहा है। गुरुवार के दिन पूर्ववर्ती छात्र ऋषभ राज अंशु अपने दो मित्रों के साथ रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र लेने गया तो उसे ₹100 की प्रति छात्र मांग की गई। आरजू विनती करने पर छात्रों को ₹50 प्रति छात्र देना ही पड़ा। जिस कि लिखित तौर पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सुजीत कुमार सोनू से शिकायत की गई है ।पदाधिकारी ने कहा कि इसकी जांच की जाएगी और दोषी पाए जाने पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

ऑपरेशन सिंदूर के सफलता में भव्य तिरंगा यात्रा निकला गया

बिहटा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। गुरुवार को बिहटा पश्चिमी मंडल अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह के नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर के सफलता के उपलक्ष में भव्य रूप से तिरंगा यात्रा निकला गया। जिसमे मुख्य अतिथि डॉ निखिल आनंद यादव भाजपा ओबीसी मोर्चा राष्ट्रीय महामंत्री, उमेश यादव मंडल महामंत्री, अनिल सिंह मुखिया , रामकुमार सिंह, राम प्रमोद सिंहपंकज सिंह, शंकर सिंह रामरेखा यादव बम बम सिंह एवं सभी ग्रामीण शामिल हुए। हाथों में तिरंगा झंडा लिए सभी लोगों ने करीब पांच किमी तक यात्रा निकला। यात्रा में वंदे मातरम ,भारत माता की जय हो के नारों से पूरा गांव व गली कुंज उठा ।

अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट निर्माण का डीएम ने लिया जायजा

बिहटा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पटना जिलाधिकारी डॉ. चंद्रशेखर सिंह के द्वारा बिहटा में बने वाले अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के नए टर्मिनल भवन के निर्माण को लेकर तैयारी का निरीक्षण किया।इस दौरान दानापुर एसडीएम दिव्या शक्ति सहित एयरपोर्ट अथॉरिटी के तमाम आलाधिकारी एवं जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद थे।पटना डीएम ने बताया कि आगामी 29 मई को बिहटा में बने वाले अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा का शिलान्यास देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा किया जाएगा। जिसको लेकर एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन के निर्माण को लेकर तैयारी का जायजा लिया गया है बिहार सरकार के द्वारा टर्मिनल भवन के निर्माण के लिए 116 एकड़ भूमि दी गई है और इस माह के अंत से निर्माण कार्य शुरू होगा।

26 से 28 मई तक चलेगा आयुष्मान कार्ड बनाने का विशेष अभियान

सीवान/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। राज्य सरकार द्वारा आयुष्मान भारत - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड से आच्छादित करने के लिए 26 मई से 28 मई 2025 तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के दौरान हर पात्र परिवार को सालाना 5 लाख रुपये तक की निःशुल्क चिकित्सा सुविधा देने के लिए आयुष्मान कार्ड बनाए जाएंगे। इस विशेष अभियान की जानकारी देते हुए जिलाधिकारी मुकुल कुमार गुप्ता ने बताया कि 70 वर्ष या उससे अधिक उम्र के सभी वरिष्ठ नागरिकों को, चाहे उनकी आर्थिक-सामाजिक स्थिति कुछ भी हो, 'आयुष्मान वय वंदना कार्ड' से आच्छादित किया जाएगा। इसके लिए पंचायत सरकार भवन, प्रखंड कार्यालय, अनुमंडल कार्यालय, समाहरणालय, पार्क और मॉर्निंग वॉक जैसे स्थानों पर डेडिकेटेड काउंटर लगाए जाएंगे। 22 मई को इस अभियान की तैयारी को लेकर मुख्य सचिव, बिहार की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी जिला पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे छूटे हुए लाभार्थियों का कार्ड बनवाना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही सभी जिलों के लिए लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। कार्ड निर्माण की प्रक्रिया में कॉमन सर्विस सेंटर के वीएलई, आशा कार्यकर्ता, पंचायती राज कार्यपालक सहायक और अन्य ऑपरेटरों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। अभियान के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार करवाया जाएगा। इसके साथ ही पंचायती राज निकायों के जन प्रतिनिधियों, बिहार स्वास्थ्य सुरक्षा समिति की जिला स्तरीय कार्यकारिणी परिषद, तथा नगर निकायों से शिविर के सफल संचालन में सहयोग की अपील की जाएगी। इस अभियान को सफल बनाने के लिए जिला प्रशासन, सिविल सर्जन, जिला सूचना एवं जन संपर्क पदाधिकारी, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, DPC और DITM को दायित्व सौंपे गए हैं।

बैठक में अधिकारियों ने जताया संकल्प

गुरुवार को हुई बैठक में सीवान जिलाधिकारी के साथ अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। जिला जनसंपर्क पदाधिकारी कन्हैया कुमार ने बताया कि यह अभियान जिले के हर पात्र नागरिक तक स्वास्थ्य सुरक्षा पहुंचाने की दिशा में एक मजबूत कदम है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गोविन्दपुर रोड रेलवे स्टेशन का उद्घाटन

अब यात्रियों को मिलेगा आधुनिक सुविधाओं से युक्त, सुलभ और सुरक्षित यात्रा का अनुभव

खूँटी/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के अंतर्गत नवविकसित गोविन्दपुर रोड रेलवे स्टेशन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया। यह स्टेशन देशभर के 103 स्टेशनों के उस ऐतिहासिक श्रृंखला का हिस्सा है, जिनका एक साथ लोकार्पण आज किया गया। करीब 6.65 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकसित गोविन्दपुर रोड रेलवे स्टेशन अब अत्याधुनिक यात्री सुविधाओं से सुसज्जित होकर यात्रियों को एक सुरक्षित, स्वच्छ और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव प्रदान करेगा। यह कायाकल्प रांची डिवीजन, दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा पूरी गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संबोधन में देशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत आज देश के 103 रेलवे स्टेशन का यह रूपांतरण न केवल स्थानीय यात्रियों को सुविधा देगा, बल्कि क्षेत्र के व्यवसाय, रोजगार, पर्यटन एवं समग्र विकास को भी गति प्रदान करेगा। यह स्टेशन अब केवल एक ठहराव नहीं, बल्कि एक समृद्ध भविष्य की ओर अग्रसर का प्रतिनिधि स्वरूप बन चुका है। आने वाले दिनों में 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत कई और रेलवे स्टेशनों का भी कायाकल्प होने जा रहा है, जिसका फायदा यात्रियों को मिलेगा। यात्री अब रेलवे स्टेशन पर एयरपोर्ट जैसी फर्स्ट क्लास सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे। उन्होंने कहा कि स्टेशन को स्वच्छ और सुसज्जित रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। कई ऐसे भी स्टेशन बनाए गए है जो विभिन्न थीम और विभिन्न संस्कृति से प्रेरित है। टूरिज्म के दृष्टिकोण से भी इस प्रकार के रेलवे स्टेशन का कायाकल्प किया गया है। इस दौरान माननीय प्रधानमंत्री द्वारा कई परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण भी किया गया। कार्यक्रम में ऑनलाइन माध्यम से माननीय राज्यपाल, झारखंड संतोष गंगवार जुड़े रहे। वहीं गोविंदपुर रोड रेलवे स्टेशन पर आयोजित उद्घाटन कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री झारखंड, अर्जुन मुंडा, राजस्व, पंजीकरण और भूमि सुधार एवं परिवहन मंत्री, झारखंड दीपक बिरुवा, विधायक तोरपा विधानसभा क्षेत्र, सुदीप गुड़िया, पूर्व विधायक तोरपा विधानसभा क्षेत्र, कोचे मुंडा, डीआरएम, जेएस बिंद्रा, एडीआर एम श्री हेमराज मीणा समेत अन्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे। सभी अतिथियों को शॉल एवं पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। एक-एक कर सभी अतिथियों ने उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत गोविन्दपुर रोड रेलवे स्टेशन के कायाकल्प के विषय पर कई महत्वपूर्ण बातें कही, इसे यात्रियों के लिए बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने की दिशा में एक अच्छा कदम बताया। साथ हीं गोविन्दपुर रोड रेलवे स्टेशन को आधुनिक भारत की रेलवे संरचना का सशक्त उदाहरण बताया। कार्यक्रम के दौरान स्टेशन परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।इस दौरान स्थानीय लोगों में उत्साह एवं गौरव का माहौल देखने को मिला। वहीं स्कूली छात्र छात्राओं के बीच हुए चित्रांकन एवं लेखन प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त लोगों को पुरुस्कार एवं प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त श्याम नारायण राम, वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक सह मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, दक्षिण पूर्व रेलवे, रांची डिवीजन, श्रीमती सूची सिंह, प्रखंड विकास पदाधिकारी, सुश्री स्मिता नागेशिय, अंचल अधिकारी श्रीमती वंदना कुमारी समेत अन्य अधिकारीगण एवं काफी संख्या में गणमान्य नागरिक, स्कुली बच्चें उपस्थित रहे।

नवविकसित गोविन्दपुर रोड रेलवे स्टेशन की प्रमुख विशेषताएँ:

- आधुनिक स्टेशन बिल्डिंग एवं विस्तृत प्रतीक्षालय
- हाई लेवल प्लेटफॉर्म और प्लेटफॉर्म शेड
- कंप्यूटरीकृत टिकट काउंटर एवं डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड
- फुट ओवर ब्रिज (FOB), रैम्प, लिफ्ट एवं दिव्यांग अनुकूल सुविधाएँ
- स्वच्छ पेयजल, शौचालय, मोबाइल चार्जिंग प्वाइंट्स
- उज्ज्वल एलईडी प्रकाश व्यवस्था एवं सुनियोजित पार्किंग
- बेहतर अप्रोच रोड एवं सफाई व्यवस्था।

अंजनी कुमार मिश्रा ने पलामू प्रमंडलीय आयुक्त के रूप में किया प्रभार ग्रहण

पलामू के अपर समाहर्ता व नजारत उप समाहर्ता ने की शिष्टाचार मुलाकात

मेदिनीनगर (पलामू) /नवबिहार टाइम्स संवाददाता। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अंजनी कुमार मिश्रा ने गुरुवार को पलामू प्रमंडलीय आयुक्त का पदभार संभाला। मिश्रा को आयुक्त कार्यालय पहुंचने के उपरांत कार्यालय परिसर में स्थानीय पुलिस प्रशासन ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। पदभार ग्रहण करने के बाद आयुक्त के सचिव विजय वर्मा, क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार के सचिव मनीष कुमार व अन्य पदाधिकारियों व कर्मियों ने गुलदस्ता भेंट कर आयुक्त का स्वागत किया। इधर पलामू के अपर समाहर्ता कुंदन कुमार, नजारत उप समाहर्ता विक्रम आनंद ने आयुक्त से शिष्टाचार मुलाकात की। साथ ही गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया। अंजनी मिश्रा संप्रति दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल रांची के प्रमंडलीय आयुक्त के रूप में पदस्थापित हैं। कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के अधिसूचना से पलामू प्रमंडल के प्रभारी प्रमंडलीय आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

नकटी भवानी-चकमुसा मोड़ पर बैरिकेडिंग का विधायक गोपाल रविदास ने किया निरीक्षण

फुलवारी शरीफ/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। नकटी भवानी-चकमुसा मोड़ पर सड़क सुरक्षा को लेकर वर्षों से लंबित मांग आखिरकार पूरी हो गई है. क्षेत्रीय विधायक गोपाल रविदास की अनुशंसा पर यहां बैरिकेडिंग कार्य संपन्न हुआ, जिससे ग्रामीणों में खुशी और संतोष का माहौल है. यह मोड़ दुर्घटनाओं की दृष्टि से संवेदनशील माना जाता था, जहां लगातार हादसे होते रहते थे. ग्रामीणों ने सुरक्षा की दृष्टि से यहां बैरिकेडिंग की मांग की थी. उनकी इस मांग को गंभीरता से लेते हुए विधायक श्री रविदास ने संबंधित विभाग से त्वरित कार्रवाई करवाई. बैरिकेडिंग कार्य पूर्ण होने के बाद विधायक स्वयं स्थल पर पहुंचे और कार्य की गुणवत्ता का निरीक्षण किया. उनके आगमन पर स्थानीय ग्रामीणों ने फूल-मालाओं से उनका भव्य स्वागत किया. इस मौके पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे.

करांटे प्रशिक्षण शिविर में शानदार प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को चेयरमैन ने किया सम्मानित

कजरी स्थित संत मरियम स्कूल की प्रार्थना सभा में बच्चों को मिला सम्मान

मेदिनीनगर (पलामू)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। संत मरियम स्कूल कजरी की प्रार्थना सभा में मिक्स्ड मार्शल- आर्ट्स एडभान्स प्रशिक्षण शिविर में बेहतर प्रदर्शन करने वाले कराटेकारों को स्कूल के चेयरमैन अविनाश देव ने प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने क्रितिका कुमारी, ब्यूटी कुमारी, डिप्टी कुमारी, मनी सिंह, शिवानी कुमारी, अर्पणा कुमारी, जयोति कुमारी, शैलेश कुमार सिंह, हर्षित कुमार, आयुष मेहता, सूर्यनाथ यादव, साक्षी कुमारी, नामेश्वरी कुमारी, दिव्या वर्मा, अमृता कुमारी, हिमांशु कुमार, साक्षी मेहता, चंचल कुमार, करण कुमार, आनंद कुमार, प्रियांशु सोनी श्याम सुंदरम, सिद्धार्थ कुमार को सम्मानित किया। उधर मुम्बई में आयोजित ब्लैक बेल्ट ग्रेडिंग सेमिनार में बेहतर प्रदर्शन करने पर महिला कराटे प्रशिक्षक गोल्डी कुमारी ब्लैक बेल्ट प्रथम डन को चेयरमैन ने अंग वस्त्र व पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चेयरमैन ने कहा कि कराटे प्रशिक्षण बदलते वक्त की मांग है । यह प्रशिक्षण आत्मरक्षा के लिए ही सिर्फ पारंगत नहीं बनाता बल्कि मन मस्तिष्क को स्वस्थ रखने के साथ- साथ कई बीमारियों से निजात पाने में भी मददगार साबित होता है। मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ रह पाते हैं। बहुत खुशी होती है जब विद्यालय के कराटेकारों के समूह में शामिल कई बेटियां देश स्तर तक अपना जौहर दिखा रही हैं। इनका प्रयास हमें गौरवान्वित करता है। इस अवसर पर समस्त शिक्षक व शिक्षिकाओं के साथ-साथ मुख्य कराटे प्रशिक्षक शिहान संतोष कुमार भी उपस्थित थे।

सीवान पुलिस की 24 घंटे की कार्रवाई: हत्या-लूट में गिरफ्तारी नहीं, अवैध शराब जब्ती में बड़ी कामयाबी

सीवान/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पिछले 24 घंटे के भीतर सीवान पुलिस ने जिले भर में की गई कार्रवाई की रिपोर्ट जारी की है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार इस दौरान अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने कुल 37.020 लीटर देशी व विदेशी शराब बरामद की है। हालांकि हत्या, लूट और आर्म्स एक्ट से जुड़े मामलों में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। कुल गिरफ्तार अभियुक्तों की संख्याः 13, हत्या के प्रयास के मामले में गिरफ्तारीः 01, हत्या के मामले में गिरफ्तारीः 00, लूट के मामले में गिरफ्तारीः 00, आर्म्स एक्ट के तहत गिरफ्तारीः 00, शराब के कांड में गिरफ्तार अभियुक्तों की संख्याः 06, विविध मामलों में गिरफ्तारीः 06 अनुसूचित जाति/जनजाति से जुड़े मामलों में गिरफ्तारीः 02, कुल गिरफ्तार कर जेल भेजे गए अभियुक्तः 13, देशी व विदेशी शराब की कुल बरामदगीः 37.020 लीटर, अन्य बरामदगीः 00, अदालती कार्रवाई और वारंट निष्पादनः, वारंट निष्पादन की संख्याः 06, कुर्की का निष्पादनः 01, जुमार्ना वसूली की राशिः ₹95,000। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत डायल-112 पर कॉल करें।सीवान पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और कानून-व्यवस्था से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

बाढ़ में चोरों का आतंकः टेंट हाउस से लाखों के सामान की चोरी

बाढ़/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। अनुमंडल के बेलछी थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच-30 स्थित सक्सोहरा-बाढ़ सड़क मार्ग पर एक बड़ी चोरी की घटना सामने आई है। बीती रात अज्ञात चोरों ने रास बाग में स्थित एक टेंट हाउस को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये मूल्य के सामान पर हाथ साफ कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही गुरुवार सुबह पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल में जुट गई। टेंट हाउस के मालिक ने बेलछी थाना में अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया है और चोरों की तलाश शुरू कर दी गई है।

अनवार हत्याकांड में पांच गिरफ्तार, फिल्मी अंदाज में की गई थी अनवार की हत्या

दो दिन में दोनों शूटर सगे भाई गिरफ्तार
जमीन विवाद बना अनवार मियां की हत्या की वजह
धनबाद के वासेपुर से दोनों शुटर भाई हुए गिरफ्तार

फुलवारी शरीफ/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। नोहसा इलाके में चार बीघा जमीन को लेकर हुए विवाद में जमीन कारोबारी सह किसान मोहम्मद अनवर की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है. इस हत्याकांड में शामिल मुख्य शूटर मोहम्मद अफसर सहित पांच आरोपियों को पुलिस ने झारखंड के धनबाद स्थित वासेपुर से गिरफ्तार किया है. हत्या को अंजाम देने के लिए अपराधियों ने फिल्मी अंदाज अपनाया था. वारदात से पहले और बाद में अपराधियों ने दो किलोमीटर के भीतर कई गाड़ियाँ बदलीं, जिसमें टू-व्हीलर से लेकर फोर-व्हीलर तक शामिल थे. घटना 19 मई की सुबह लगभग 9:30 बजे की है, जब फुलवारी शरीफ के टमटम पड़ाव स्थित इमारतें शरिया के सामने मोहम्मद अनवर पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाई गईं. गंभीर रूप से घायल अनवर को आनन-फानन में पटना एम्स ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई. पुलिस की जांच में पता चला कि हत्या की साजिश पहले से रची गई थी और इसमें कुल 15 लोग शामिल थे. मोहम्मद अनवर की पत्नी के बयान पर फुलवारी शरीफ थाना में 15 नामजद अभियुक्तों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई. जांच में यह बात सामने आई कि नोहसा में अनवर की चार बीघा जमीन थी, जिस पर भू-माफियाओं और कुछ परिजनों की नजर थी. मोहम्मद अनवर की पत्नी ने पुलिस को बताया कि भू-माफियाओं ने उनकी तीन बीघा जमीन औने-पौने दाम पर बेच दी थी. पुलिस ने इस मामले में गिरफ्तार जिन पांच लोगों के नामों का खुलासा किया है, उनमें मुख्य शूटर मोहम्मद अफसर (34), मोटरसाइकिल चलाने वाला उसका छोटा भाई मोहम्मद शाहरुख (28), शहजादा सलीम (46), मोहम्मद पिंटू उर्फ मोहम्मद जावेद (34) और इम्तियाज खान शामिल हैं.

भागवत कथा सुनने से जीवन की होती है व्यथा दूर : किंकर महाराज

मेदिनीनगर (पलामू)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। लहलहे में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के तृतीय दिवस काशी से पधारे श्रीश्री 108 परम पूज्य मारुति किंकर जी महाराज के मुखारविंद से लहलहे व अगल-बगल के गांवों से पधारे हुए भागवत प्रेमियों ने विपरीत मौसम के बावजूद श्रीमद् भागवत कथा का रसपान किया।मंचासीन किंकर जी महाराज ने कथा में महाभारत व भगवान भोलेनाथ की अमरकथा प्रसंग के जरिए श्रद्धालुओं को भक्ति की धारा में बहने का सौभाग्य प्रदान किया। महाराज जी ने लोगों की भारी उपस्थिति को देखते हुए कहा कि जिस प्रकार एकाएक इंद्रदेव ने अपना स्वरूप बदला था, उसे देखकर एक पल लगा कि कथा नहीं हो पाएगी। परन्तु आप सभी के समर्पण व भागवत भगवान की कृपा ने इसे पूर्ण किया। कहा कि भागवत कथा सुनने से जीवन की व्यथा दूर होती है। कथा आयोजक विवेकानंद त्रिपाठी ने कथा के बाद बताया कि कथा के चतुर्थ दिवस में महाराज जी के आदेशानुसार श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया जाएगा। इसमें भारी से संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति प्रार्थनीय है।

मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के अंतर्गत जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित

खूंटी/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने निर्देश पर आज समेकित जनजाति विकास अभिकरण, खूँटी द्वारा परियोजना निदेशक आइटीडीए आलोक शिकारी कच्छप की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के अंतर्गत सावधि ऋण एवं वाहन ऋण हेतु प्राप्त ऑनलाइन आवेदनों के परीक्षण एवं साक्षात्कार के उद्देश्य से आयोजित की गई। बैठक में कुल 75 आवेदकों का साक्षात्कार लिया गया, जिनमें अनुसूचित जनजाति के 38, अनुसूचित जाति के 2, पिछड़ी जाति के 33, दिव्यांग वर्ग से 1 तथा अल्पसंख्यक वर्ग से 1 आवेदक सम्मिलित हुए। समिति द्वारा पात्र आवेदकों का मूल्यांकन कर आवश्यक अनुशंसाएं की गईं। यह बैठक जिले के बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगी, जिससे उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनने में सहायता प्राप्त होगी। बैठक में जिला परिवहन पदाधिकारी, एलडीएम समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

तीन बार जांच, तीन बार नापीः फिर भी अतिक्रमण बरकरार

अचंलाधिकारी से दलित-महादलित समाज को न्याय की आस टूटी

फुलवारी शरीफ/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पटना जिला के संपतचक प्रखंड अंतर्गत भोगीपुर गाँव के महादलित टोला के पास सरकारी रास्ते पर अतिक्रमण का मामला प्रशासनिक लापरवाही और मिलीभगत का शर्मनाक उदाहरण बन गया है. दलित-महादलित समाज के महिलाओ व पुरूषो के लिखित शिकायत पर अगस्त 2022 से लेकर अब तक तीन बार अंचल अमीन से नापी के बाद अतिक्रमण प्रमाणित पाया गया, बावजूद इसके आज तक अवैध कब्जा पूरी तरह नहीं हटाया गया. 22 मई गुरुवार को न्यायालय के आदेश पर अंतर अधिकारी संपतचक राजस्व पदाधिकारी स्वाती झा दलबल और तामझाम के साथ जेसीबी मशीन लेकर अतिक्रमण हटाने पहुंचे तो महा दलितों में उम्मीद जगी लेकिन कुछ पलों में महादलित को न्याय कि आस टूट गए. अधिकारियों ने वहां अतिक्रमण जमाए हुए पक्ष कांतेश रंजन से बातचीत और सुलह समझौता चाय पानी करते हुए केवल गेट को हटाकर अतिक्रमण हटाने की खाना पूर्ति करते हैं वापस लौट गए. इससे महा दलित समुदाय के लोगों में गहरी नाराजगी है. बता दें की संपतचक प्रखंड के भोगीपुर गांव में महा दलित बस्ती के आने जाने के रास्ते को स्थानीय दबँग द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया है. उसे रास्ते को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए कई बार प्रशासनिक अधिकारियों से गुहार लगाया गया.पहली बार तत्कालीन अंचलाधिकारी नन्द किशोर निराला ने सख्त रुख अपनाया था और अतिक्रमण रोका गया था. परन्तु डीसीएलआर मैत्री सिंह के ज्वाइन करते ही अतिक्रमणकारी निश्चिंत होकर कंक्रीट का पीलर, बीम और लोहे का गेट लगाकर रास्ता पूरी तरह कब्जा लिए.ग्रामीणों का आरोप है कि डीसीएलआर की गाड़ी और सुरक्षा गार्ड तक अतिक्रमण स्थल पर नियमित मौजूद रहे. यहां गौर करने वाली बात है की अतिक्रमणकारियों कांटेश रंजन से तत्कालीन डीसीएलआर मैत्री सिंह के रिश्तेदारी है. 24 अगस्त 2024 को पुनः शिकायत के बाद प्रभारी अंचलाधिकारी स्वाति झा ने अतिक्रमण हटाने की तारीख 22 जनवरी 2025 तय की थी, लेकिन पूरी कार्रवाई केवल कागजों तक सीमित रही। जब तीसरी बार ग्रामीणों ने पुनः लिखित शिकायत कर प्रयास शुरू किया तो 22 मई 2025 की तिथि तय हुई, पत्रांक-944, दिनांक-8 मई 2025 द्वारा अनुमंडल पदाधिकारी को आवश्यक बल उपलब्ध कराने का आग्रह किया गया। आज दोपहर काफी ताम झाम के साथ जेसीबी मशीन के साथ टीम जरुर पहुंची, परंतु वहां अतिक्रमण हटाने की बजाय खाना पूर्ति कर चले गए. ग्रामीणों के अनुसार वर्तमान अंचलाधिकारी का अतिक्रमणकारी से घनिष्ठ संबंध सर्वविदित है और उन्हीं के घर बैठकी व चाय-पानी भी होता है जबकि ये लोग कई अपराधिक मामलो मे संलिप्त हैं और हाल ही मे जेल से निकले है.लोगो ने अतिक्रमण हटाने के जगह अचंलाधिकारी संपतचक प्रखंड तनाव फलाने और विवाद बढाने का भी आरोप लगाया. इस मामले में संपतचक अंचल अधिकारी ने बताया कि गेट को हटाकर अतिक्रमण मुक्त किया गया है रास्ता को, अगर दोबारा वहां गेट लगाया जाता है जाती क्रमण किया जाता है तो पुलिस प्रशासन कड़ी कार्रवाई करेगा.

नौकरी ढूंढ रहे दो-तिहाई लोग नई भूमिका के लिए तैयार, कहां जाना चाह रहे 74 प्रतिशत लोग

नई दिल्ली, एजेंसी। लगभग 67 प्रतिशत पेशेवर नए अवसरों की तलाश करना चाहते हैं। हालांकि, इनमें से ज्यादातर यह नहीं जानते हैं कि उन्हें किस पद या उद्योग में अपने के लिए अवसरों की तलाश करनी है। बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकाला गया है। पेशेवर नेटवर्क मंच लिंक्डइन के शोध के

अनुसार, 65 प्रतिशत पेशेवरों ने कहा कि वे अपने करियर के लक्ष्यों को एक दोस्त को समझा सकते हैं, लेकिन यह नहीं जानते कि उस भूमिका की खोज कैसे करें। वहीं 64 प्रतिशत को नौकरी फिल्टर भ्रमित करने वाले लगते हैं। रिपोर्ट में कहा गया, भारत में दो-तिहाई (67 प्रतिशत) पेशेवरों का कहना है कि वे नए अवसरों के लिए तैयार हैं। हालांकि, वे नहीं जानते कि उन्हें किस पद या उद्योग में नौकरी की तलाश करनी चाहिए। इसमें कहा गया है कि 74 प्रतिशत लोगों की इच्छा है कि वे ऐसी प्रासंगिक भूमिकाएं खोज पाएं, जिनके बारे में उन्होंने सोचा भी नहीं था।

अवसर खोजने के आसान तरीकों की मांग बढ़ रही– अध्ययन में कहा गया है कि जैसे-जैसे नौकरी के पद विकसित होते हैं और कौशल नियुक्ति संबंधी फैसलों का प्रमुख कारक होता जाता है, वैसे-वैसे नौकरी चाहने वालों के बीच पूर्वनिर्धारित पद या कीवर्ड के बजाय अपने कौशल और लक्ष्यों के आधार पर अवसर खोजने के आसान तरीकों की मांग बढ़ रही है। लिंक्डइन की यह रिपोर्ट इस साल 25 अप्रैल से छह मई के बीच 18-78 वर्ष की आयु के 2,001 से अधिक कार्यरत और बेरोजगार उत्तरदाताओं से प्राप्त जवाब पर आधारित है।

ईपीएफओ ने मार्च में 14.58 लाख सदस्य जोड़े– सेवानिवृत्ति कोष का प्रबंधन करने वाले निकाय ईपीएफओ ने मार्च में कुल 14.58 लाख सदस्य जोड़े। यह आंकड़ा पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 1.15 प्रतिशत अधिक है। श्रम मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने मार्च 2025 में करीब 7.54 लाख नए सदस्य जोड़े। फरवरी 2025 की तुलना में यह आंकड़ा 2.03 प्रतिशत और मार्च 2024 की तुलना में 0.98 प्रतिशत अधिक है।

एनर्जी कंपनी के शेयर पर टूटे निवेशक, 12 प्रतिशत चढ़ा भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। एनटीपीसी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी के शेयर लगातार चर्चा में हैं। कंपनी के शेयर आज 12 प्रतिशत तक चढ़ गए और 117.80 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए। शेयरों में इस तेजी के पीछे मार्च तिमाही के नतीजे हैं। बीते दिन बुधवार को कंपनी ने अपने

मार्च तिमाही के लिए अपने नतीजे जारी कर दिए। मार्च तिमाही में कंपनी का मुनाफा 3 गुना बढ़ गया और यह 233.21 करोड़ पर रहा। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में दर्ज 80.95 करोड़ से 255 प्रतिशत अधिक है।

रेवेन्यू में भी इजाफा– कंपनी का रेवेन्यू सालाना आधार पर 22.4 प्रतिशत बढ़ा है। यह मार्च 2024 तिमाही में 508.14 करोड़ से बढ़कर मार्च 2025 तिमाही में 622.27 करोड़ हो गया। क्रमिक रूप से, दिसंबर तिमाही में 505.08 करोड़ से रेवेन्यू 23 प्रतिशत से अधिक था।

भारत पर भरोसा!

चीन को मिर्ची लगना तय

ट्रंप को अनसुना कर iPhone बनाने वाली कंपनी का बड़ा फैसला,

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आईफोन बनाने वाली कंपनी ऐपल को भारत में स्मार्टफोन का निर्माण बंद करने को कहा था। वह चाहते हैं कि कंपनी अमेरिका में ज्यादा निवेश करे। ऐपल के सीईओ टिम कुक का कहना है कि अमेरिका में बिकने वाले ज्यादातर फोन चीन के बजाय भारत में बनेंगे। ट्रंप की धमकी के बावजूद कंपनी भारत में अपनी योजनाओं को आगे बढ़ा रही है। कर्नाटक के देवनहल्ली में फॉक्सकॉन के प्लांट में काम सामान्य रूप से चल रहा है। 300 एकड़ में फैले कंपनी के प्लांट में कर्मचारियों के रहने के लिए डॉर्मिटरी बनाने का काम भी तेजी से चल रहा है। ताइवान की यह कंपनी ऐपल के लिए आईफोन बनाती है।

दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स बनाने वाली कंपनी फॉक्सकॉन देवनहल्ली प्लांट में 2.56 बिलियन डॉलर का निवेश कर रही है। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक यह प्लांट देवनहल्ली तालुक के दोड्डागोल्लाहल्ली और चप्पराडाहल्ली गांवों में फैला हुआ है। यह बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 34 किलोमीटर दूर है। फॉक्सकॉन ने पहले चरण (2023-24) में लगभग 3,000 करोड़ रुपये का निवेश किया था। दूसरे चरण (2026-27) में भी लगभग इतनी ही राशि का निवेश होने की उम्मीद है। कंपनी का लक्ष्य इस साल दिसंबर तक लगभग 100,000 आईफोन बनाने का है।

कर्मचारियों के लिए डॉर्मिटरी

सूत्रों के अनुसार डॉर्मिटरी में लगभग 30,000 कर्मचारी रह सकते हैं। यह भारत में इस तरह की सबसे बड़ी फैसिलिटी होगी। उम्मीद है कि इसका निर्माण इस साल के अंत तक पूरा हो जाएगा। पिछले हफ्ते, फॉक्सकॉन जून तक कर्नाटक प्लांट से शिपमेंट शुरू कर सकती है। यह चीन के बाद फॉक्सकॉन की सबसे बड़ी फैसिलिटी होगी। चीन की तरह, कंपनी ने तमिलनाडु के श्रीपेरंबुदूर यूनिट में भी कर्मचारियों के रहने के लिए डॉर्मिटरी बनाई हैं। इन डॉर्मिटरी में लगभग 18,000 कर्मचारी रह सकते हैं। यह डॉर्मिटरी कर्मचारियों के लिए बनाई जा रही है और इसमें अधिकारी नहीं रह सकते हैं।

कंपनी का प्लान

कर्मचारियों ने बताया कि कुछ आईफोन वेरिएंट की असेंबली मई में शुरू हो गई थी जबकि अन्य की अगस्त में शुरू होगी। सितंबर में आईफोन 17 के लॉन्च से पहले काम तेजी से चल रहा है। कंपनी यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है कि उसकी डॉर्मिटरी फैसिलिटी समय पर तैयार हो जाए। फॉक्सकॉन 2025 में अपने भारतीय प्लांट्स में 25-30 मिलियन आईफोन बनाने की योजना बना रही है। यह पिछले साल देश में बनाए गए आईफोन की संख्या से दोगुना है.

ब्रिटेन को उम्मीद- दोनों देशों के बीच व्यापार में आएगा 25 अरब पाउंड का उछाल; मिलेगा बड़ा बाजार

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रिटेन और भारत के बीच हाल ही में हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) मध्यम व्यवसायों (एसएमईएस) के लिए भारतीय बाजार में प्रवेश को आसान बनाएगा। इस समझौते को लेकर बुधवार को ब्रिटेन सरकार ने बयान जारी कर बताया कि इस समझौते से व्यापार अब तेज, सस्ता और

आसान हो जाएगा। मामले में ब्रिटेन के व्यापार मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स ने इस समझौते को भारत की तरफ से अब तक किया गया सबसे बेहतरीन सौदा बताया। उन्होंने कहा कि इससे यूके की स्टील, ऑटोमोबाइल, व्हिस्की, जिन, कॉस्मेटिक्स, मेडिकल डिवाइसेज, मशीनरी और मीट जैसी चीजो का भारत में निर्यात बढ़ेगा।

दोनों देशों के बीच अरबों पाउंड की होगी बढ़ोतरी

बता दें कि एफटीए से दोनों देशों के बीच व्यापार में हर साल करीब 25.5 अरब पाउंड की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। ब्रिटेन की फूड एंड ड्रिंक फेडरेशन की प्रमुख करेन बेट्स ने कहा कि ब्रिटेन ने 2024 में भारत को करीब 300 मिलियन पाउंड का खाद्य और पेय पदार्थ निर्यात किया और यह समझौता इस क्षेत्र के लिए बड़ा अवसर लेकर आया है।

बोर्ड ऑफ ट्रेड की पहली बैठक– एफटीए डिजिटल कस्टम सिस्टम और बेहतर प्रक्रियाएं व्यापार को और आसान बनाएंगी, खासकर छोटे व्यवसायों के लिए जो पहले भारतीय बाजार में नहीं आ पा रहे थे। इस मौके पर 'बोर्ड ऑफ ट्रेड' की पहली बैठक भी हुई, जिसमें ब्रिटेन के बड़े बिजनेस लीडर्स शामिल हुए। यह बोर्ड छोटे व्यवसायों को वैश्विक बाजारों में पहुंच दिलाने और भारत एवं अमेरिका जैसे देशों के साथ हुए समझौतों से लाभ उठाने में मदद करेगा।

यह एक ऐतिहासिक मौका है

वहीं इस समझौते को लेकर स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के सीईओ बिल विंटर्स ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक मौका है जो भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापार और नवाचार को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। एफटीए के अलावा ब्रिटेन और अमेरिका के बीच भी नया व्यापार समझौता हुआ है, जिससे ऑटोमोबाइल, स्टील, एलुमिनियम, फार्मा और एयरोस्पेस जैसे क्षेत्रों में 3 लाख से ज्यादा नौकरियों को फायदा मिलेगा। देखा जाए तो यह नया दौर ब्रिटेन की नई व्यापार रणनीति और छोटे व्यवसायों की नीति के तहत पूरे देश में आर्थिक विकास और जीवन स्तर सुधारने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

एआई से बदल रही बैंकिंग की दुनिया, फिर भी चार में से सिर्फ एक बैंक उठा रहा फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अन्य उद्योगों के साथ बैंकिंग क्षेत्र में भी व्यापक स्तर पर बदलाव लाने में सक्षम है। एआई एक गेम-चेंजर बन गया है, जो दक्षता, पहुंच और आर्थिक विकास की नई सीमाओं को खोल रहा है। इसके बावजूद वैश्विक स्तर पर हर चार में से सिर्फ एक बैंक ही अपने प्रतिद्वंद्वियों से प्रतिस्पर्धात्मक लाभ हासिल करने के लिए एआई का इस्तेमाल कर रहा है। कंसल्टेंसी फर्म बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) ने एक रिपोर्ट में कहा, बैंकिंग उद्योग 2025 में एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। एआई और जेनरेटिव एआई बैंकिंग उद्योग को मौलिक रूप से बदल रहे हैं। रिपोर्ट में उन बैंकों के बीच बढ़ते अंतर को भी उजागर किया गया है, जो एआई का इस्तेमाल कर रहे हैं और जो इस मामले में पीछे हैं। एआई का इस्तेमाल नहीं करने वाले बैंकों के न सिर्फ कारोबार और सेवाओं पर असर पड़ रहा है, बल्कि लागत एवं मुनाफा भी प्रभावित हो रहा है। वहीं, एआई को अपनाने वाले बैंक तेजी से आगे बढ़ रहे हैं रिपोर्ट के मुताबिक, जेनरेटिव और एजेंटिक एआई जैसे टूल ग्राहकों को अपनी सहूलियत एवं फायदे के हिसाब से

बैंकों के चयन में मदद कर रहे हैं। इसलिए, एआई संचालित अंडरराइटिंग, रियल-टाइम क्रेडिट जोखिम और इससे जुड़े वित्तीय तंत्र बैंकों के शुल्क आधारित आय को खत्म कर रहे हैं। बैंकों की भूमिका को फिर से परिभाषित कर रहे हैं।

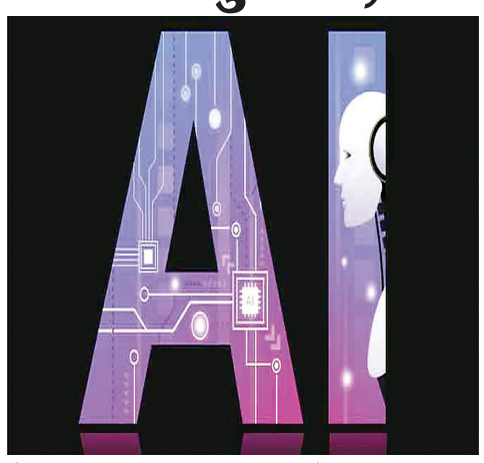

अधिकांश बैंकों में बुनियादी ढांचे की कमी– बीसीजी ने रिपोर्ट में कहा, दुनिया के अधिकांश बैंक एआई के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिहाज से बुनियादी ढांचे की कमी से जूझ रहे हैं।

काम के परंपरागत तरीके, डाटा संकलन का अभाव व क्षमता की कमी वास्तविक समय में एआई के इस्तेमाल में बाधा बन रही है। इन कमियों को दुरुस्त कर एआई को तेजी से अपनाने के लिए भारी निवेश और प्रबंधन स्तर पर प्रतिबद्धता की जरूरत है।

एआई पेशेवरों की भर्ती में भी संघर्ष कर रहे बैंक– रिपोर्ट के मुताबिक, विनियामकीय चुनौतियां एआई को अपनाने की रफ्तार को धीमा कर रही हैं। दुनिया के दो-तिहाई बैंक एआई कौशल वाले पेशेवरों की नियुक्ति के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वहीं, कई बैंकों के शीर्ष अधिकारियों को एआई के इस्तेमाल, उससे होने वाले लाभ और चुनौतियों के बारे में बताने की जरूरत है।

रिपोर्ट में दावा: जेन एआई 70 फीसदी कंपनियों के लिए खतरा

करीब 70 फीसदी भारतीय कंपनियों का मानना है कि तेजी से बदलती जनरेटिव एआई टेक्नोलॉजी उनके लिए सबसे बड़ी सुरक्षा चिंता बन गई है। 66 फीसदी कंपनियां डाटा की सच्चाई को लेकर और 55 फीसदी उस पर भरोसे को लेकर परेशान हैं। थेल्स की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनियां अब एआई और जनरेटिव एआई के असर को लेकर गंभीर हो चली हैं। जनरेटिव एआई को अच्छे और सेंसिटिव डाटा की जरूरत होती है, जिससे वह ट्रेनिंग ले सके और जानकारी निकालकर नया कंटेंट बना सके। यह रिपोर्ट एसएंडपी ग्लोबल की 451 रिसर्च टीम ने बनाई है। इसके लिए 20 देशों के 15 क्षेत्रों में काम करने वाले 3,100 से ज्यादा आईटी-सुरक्षा पेशेवरों से बातचीत की गई। थेल्स ने कहा, जनरेटिव एआई इतनी तेजी से बदल रही है कि कंपनियों को जल्द फैसले लेने पड़ रहे हैं।

20 साल बाद इंडसइंड बैंक को तगड़ा झटका, चौथी तिमाही में 2,329 करोड़ का घाटा

नई दिल्ली, एजेंसी। डेरिवेटिव ट्रेड में गलत अकाउंटिंग और माइक्रोफाइनेंस पोर्टफोलियो में धोखाधड़ी का बड़ा असर इंडसइंड बैंक के मुनाफे पर देखने को मिला है।बैंक को वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में 2,329 करोड़ का शुद्ध घाटा हुआ है।इसकी प्रमुख वजह धोखाधड़ी के लिए अधिक प्रावधान है। इंडसइंड बैंक को करीब 20 साल बाद पहली बार किसी तिमाही में घाटा हुआ है।इससे पहले 2006-07 की चौथी तिमाही में बैंक को घाटा हुआ था। 2023-24 की चौथी तिमाही में उसे 2,349 करोड़ का मुनाफा हुआ था। बैंक ने चौथी तिमाही के दौरान 2,522 करोड़ का प्रावधान किया है, जो एक साल पहले के 950 करोड़ रुपये के प्रावधान से अधिक है। बैंक की ब्याज आय में 13 फीसदी की गिरावट रही।पूरे वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान बैंक का शुद्ध लाभ 71 फीसदी घटकर 2,576 करोड़ रह गया।

IndusInd Bank

बोर्ड को धोखाधड़ी में कुछ कर्मियों पर संदेह– इंडसइंड बैंक के बोर्ड ने धोखाधड़ी में लेखांकन एवं वित्तीय रिपोर्टिंग के कुछ कर्मचारियों के शामिल होने का संदेह जताया है।साथ ही, प्रबंधन को मामले की जानकारी जांच एजेंसियों और नियामक प्राधिकरणों को देने का निर्देश दिया है।

कंपनी ने किया बड़ा सौदा, एपल के मशहूर डिजाइनर की कंपनी को 6.5 अरब डॉलर में खरीदा

नई दिल्ली, एजेंसी। करीब दो साल पहले खबर आई थी कि ओपनएआई के सीइओ सैम ऑल्टमैन गुपचुप तरीके से एपल के प्रसिद्ध डिजाइनर जॉनी आइव के साथ मिलकर एक एआई हार्डवेयर प्रोडक्ट पर काम कर रहे हैं। अब यह रहस्य सामने आ चुका है। ओपनएआई ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि की है कि उसने जॉनी आइव की सह-स्थापित स्टार्टअप कंपनी आइओ प्रोडेक्ट को 6.5 अरब डॉलर में अधिग्रहित कर लिया है। इस कदम से यह स्पष्ट है कि चैट जीपीटी बनाने वाली कंपनी अब एआई को भौतिक दुनिया में लाने की दिशा में बड़ा कदम उठा रही है।

आइव होंगे ओपनएआई के एआई हार्डवेयर मिशन के प्रमुख चेहरा– जॉनी आइव, जिन्होंने आईफोन, आईमैक और मैकबुक जैसे क्रांतिकारी प्रोडक्ट्स डिजाइन किए, अब ओपनएआई के हार्डवेयर भविष्य को आकार देंगे, हालांकि कंपनी ने यह नहीं बताया कि वे कौन-सी डिवाइस बना रहे हैं, लेकिन उन्होंने इसे एआई से युक्त नई पीढ़ी के प्रोडक्ट्स का परिवार बताया है, जो स्क्रीन से परे हमारे दैनिक जीवन में एआई को शामिल करेगा। आइव की डिजाइन फर्म लवफ्राम, जिसे उन्होंने 2019 में एपल छोड़ने के बाद शुरू किया था। ओपनएआई ने कहा है कि आइव और उनकी टीम को गहराई से डिजाइन और क्रिएटिव जिम्मेदारियां दी जाएंगी, जो आइओ और ओपनएआई दोनों पर लागू होंगी।

सैम ऑल्टमैन का बड़ा दावा- अब तक का सबसे बड़ा काम– रिपोर्ट के अनुसार डील की घोषणा के बाद ऑल्टमैन ने अपने कर्मचारियों से कहा कि ओपनएआई के पास अब इतिहास का सबसे बड़ा काम करने का मौका है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि जॉनी आइव और आइओ को जोड़ने से ओपनएआई की वैल्यू 1 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ सकती है। डील में ओपनएआई ने 5 अरब डॉलर का इक्विटी भुगतान किया है। ओपनएआई पहले ही आइओ में 23 प्रतिशत हिस्सेदारी रखती थी, जो कि 2023 से शुरू हुई साझेदारी का हिस्सा था। दस्तावेजों के अनुसार, आइओ को 2023 में डेलावेयर में रजिस्टर किया गया था और अप्रैल 2024 में कैलिफोर्निया में पंजीकरण हुआ।

139.5 मिलियन डॉलर सैलरी... वैभव तनेजा जो सुंदर पिचाई और सत्या नडेला से भी निकल गए हैं आगे

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की कंपनी टेस्ला के भारतीय मूल के सीएफओ वैभव तनेजा आजकल सुर्खियों में हैं। वह दुनिया में सबसे ज्यादा सैलरी पाने वाले सीएफओ बन गए हैं। साल 2024 में उन्हें सैलरी के रूप में 139.5 मिलियन डॉलर यानी करीब 11,95,20,06,911 रुपये मिले। उनकी सैलरी दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला और गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई से भी ज्यादा है। गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट ने 2024 में पिचाई को .10.73 मिलियन का भुगतान किया जबकि नडेला को माइक्रोसॉफ्ट से .79.1 मिलियन मिले। वैभव तनेजा को यह पैसा स्टॉक ऑप्शंस और इक्विटी अवॉर्ड्स के रूप में मिला है। उनकी बेसिक सैलरी 400,000 डॉलर है, लेकिन स्टॉक और इक्विटी से उन्हें बहुत ज्यादा फायदा हुआ है। इस वजह से तनेजा कॉरपोरेट इतिहास में सबसे ज्यादा वेतन पाने वाले फाइनेंस एग्जीक्यूटिव बन गए हैं।

दिल्ली से पढ़ाई– 47 साल के वैभव तनेजा ने दिल्ली यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की है। उन्होंने 1999 में कॉमर्स में बैचलर डिग्री हासिल की। इसके बाद साल 2000 में उन्होंने इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया से चार्टर्ड अकाउंटेंट की डिग्री ली। तनेजा ने 2006 में अमेरिका में सर्टिफाइड पब्लिक अकाउंटेंट की डिग्री भी हासिल की। तनेजा ने करीब 17 साल तक प्राइसवाटरहाउसकूपर्स में भारत और अमेरिका दोनों जगह काम किया। धीरे-धीरे वह सीनियर मैनेजर के पद तक पहुंच गए। तनेजा ने 2016 में सोलरसिटी नामक एक सोलर एनर्जी कंपनी जॉइन की। बाद में मस्क की ईवी कंपनी टेस्ला ने सोलरसिटी को खरीद लिया। यहीं से टेस्ला के साथ तनेजा का सफर शुरू हुआ। 2017 में सोलरसिटी के टेस्ला में विलय के बाद वैभव तनेजा टेस्ला में असिस्टेंट कॉरपोरेट कंट्रोलर बने। कंपनी में उनकी तरक्की बहुत तेजी से हुई। 2018 में वह कॉरपोरेट कंट्रोलर बने। 2019 में उन्हें चीफ अकाउंटिंग ऑफिसर बनाया गया।

शेयर में तेजी का फायदा

वैभव तनेजा को 139.5 मिलियन डॉलर का वेतन स्टॉक के रूप में मिला है। ये स्टॉक उन्हें चार साल में मिलेंगे। जब उन्हें यह अवॉर्ड मिला था, तब टेस्ला के शेयर की कीमत लगभग 250 डॉलर थी। मई 2025 तक शेयर की कीमत बढ़कर 342 डॉलर हो गई। इससे उनके वेतन की वैल्यू बहुत बढ़ गई। तनेजा से पहले भी भारतीय मूल के कई लोग टेस्ला में काम कर चुके हैं। दीपक आहूजा 2017 से 2019 तक कंपनी के सीएफओ रहे थे। अभी वह अमेरिका की ड्रोन डिलीवरी फर्म 'द्विश्चद्यद्बठुद्ब के सीएफओ हैं।

12_16.12..2018 PAGE-04.qxd 22-05-2025 22:09 Page 1

सड़क हादसे में दो मजदूरों की मौत

सात अन्य गंभीर

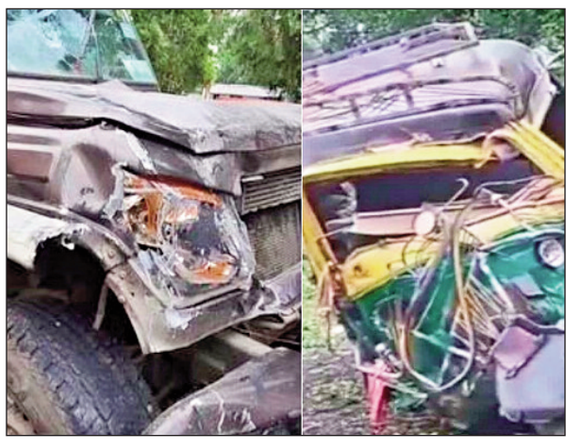

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोडरमा। झारखंड के कोडरमा जिले में एक भीषण सड़क हादसे में दो मजदूरों की मौत हो गई, जबकि सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा कोडरमा थाना क्षेत्र के लोकाई स्थित तालाब के पास हुआ। जहां एक तेज रफ्तार बोलेरो पिकअप वाहन ने सामने से आ रहे ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी।

स्थानीय लोगों के अनुसार, टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो हवा में उछल गया और जमीन से जा टकराया। ऑटो में सवार सभी लोग मजदूरी के लिए निकले थे। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने घायलों को बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शवों को कब्जे में लिया और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया। मृतकों की पहचान चंदा देवी (37) और मुकेश कुमार (35) के रूप में हुई है। घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है और उन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया है। पुलिस द्वारा मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

झारखण्ड में बदल गया दवा बेचने का नियम

बगैर क्यूआर कोड नहीं बिकेगी दवाइयां

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड में नकली दवाओं की मिल रही शिकायतों के मद्देनजर राज्य सरकार ने कड़ी कार्रवाई की घोषणा की है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने स्पष्ट कहा है कि जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले दवा माफिया और भ्रष्ट अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगा। बगैर क्यूआर कोड दवा नहीं बिकेगी। इससे नकली दवाओं पर लगाम लगेगी।

राज्य सरकार ने बड़ी पहल करते हुए 300 महत्वपूर्ण दवाओं के लिए क्यूआर कोड अनिवार्य कर दिया है। अब पेनकिलर, बुखार की दवा, प्लेटलेट बढ़ाने वाली दवाएं, शुगर व थायरायड की दवाएं, गर्भनिरोधक व विटामिन सप्लीमेंट्स जैसी प्रमुख दवाएं क्यूआर कोड के बिना बाजार में नहीं बिकेंगी।

यह कोड हर दवा की असली पहचान, निमार्ता, बैच नंबर, मैन्युफैक्चरिंग व एक्सपायरी डेट की जानकारी देगा, जिससे नकली दवा की पहचान तुरंत हो सकेगी। सभी मेडिकल दुकानों को साफ निर्देश दिया गया है कि अगर बिना रजिस्ट्रेशन वाली कोई दवा पाई गई तो दुकान का लाइसेंस तुरंत रद होगा।

मंत्री ने बाजार में बिक रहे कई कफ सिरप को स्वास्थ्य के लिए जानलेवा करार देते हुए चेतावनी दी है कि इसमें मौजूद कोडीन और अल्कोहल युवाओं को नशे की लत में धकेल रहा है। निर्देश दिया गया है कि बिना वैध डॉक्टर की पर्ची के यह सिरप बेचना अपराध होगा और दोषियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने राज्य के सभी ड्रग इंस्पेक्टरों को निर्देशित किया है कि वे पूरी ईमानदारी और निष्ठा से दवा दुकानों की जांच करें।

नकली दवा बरामद होने पर सीधी कार्रवाई में निलंबन और विभागीय जांच होगी। तीन साल से एक ही स्थान पर जमे अफसरों का तबादला किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि जो अधिकारी एक ही जगह पर वर्षों से जमे हैं, वे व्यवस्था को सड़ा रहे हैं। अब उनका तबादला होगा।

कई जिलों में खुलेंगे फूड एवं मेडिसिन टेस्टिंग लैब

रांची। राज्य सरकार जल्द ही दुमका, रांची, जमशेदपुर और पलामू में अत्याधुनिक फूड एवं मेडिसिन टेस्टिंग लैब स्थापित करेगी। अब दवाओं और खाद्य पदार्थों की रिपोर्ट राज्य में ही उपलब्ध होगी। इन लैब में दवाओं की संरचना, शुद्धता और स्थिरता की जांच, जैविक परीक्षण से असर की पुष्टि, विषैले व एलर्जिक तत्वों की पहचान, प्रभावशीलता और गुणवत्ता की वैज्ञानिक पुष्टि होगी।

सभी बड़े मॉल, होटल और रेस्टोरेंट में बिक रहे फूड प्रोडक्ट्स की जांच होगी। खाद्य पदार्थों में मिलावट, एक्सपायरी और गुणवत्ता की अनदेखी करने वालों पर तत्काल छापेमारी और कानूनी कार्रवाई होगी।

24 मई से चलेगी नई दिल्ली-भुवनेश्वर स्पेशल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। भुवनेश्वर से नई दिल्ली जाने वाली ट्रेनों में लंबी प्रतीक्षा सूची के मद्देनजर रेलवे ने साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है। नई दिल्ली से 24 तथा भुवनेश्वर से 25 मई से चलेगी। नई दिल्ली से चलने वाली ट्रेन में टिकटों की बुकिंग शुरू हो गई है।

स्लीपर, थर्ड व सेकेंड एसी के साथ चलने वाली ट्रेन को यात्रियों के अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। बुकिंग शुरू होते ही सभी श्रेणियों में 90 प्रतिशत तक सीटें फुल हो गई हैं। भुवनेश्वर से टिकटों की बुकिंग गुरुवार से शुरू होने की संभावना है। 04059 भुवनेश्वर-नई दिल्ली स्पेशल प्रत्येक रविवार को 25 मई से 15 जून तक चलेगी। भुवनेश्वर से शाम 7:00 बजे रवाना होगी। अगले दिन सुबह 6:18 पर गोमो तथा देर रात 12:30 पर नई दिल्ली पहुंचेगी।

04060 नई दिल्ली-भुवनेश्वर स्पेशल प्रत्येक शनिवार को 24 मई से 14 जून तक चलेगी। नई दिल्ली से सुबह 9:30 पर रवाना होगी। अगले दिन अलसुबह 4:53 पर गोमो तथा शाम 4:40 पर भुवनेश्वर पहुंचेगी।

भुवनेश्वर से नई दिल्ली के बीच चलने वाली ट्रेन का ठहराव जाजपुर कियोंझर रोड, बालासोर, जलेश्वर, हिजली, मिदनापुर, बांकड़ा, आद्रा, गोमो, कोडरमा, गया, सासाराम, डीडीयू, प्रयागराज व गोविंदपुरी में होगा।

गोमो व बोकारो होकर पटना से चर्लपल्ली (हैदराबाद) के बीच चलने वाली तीनों स्पेशल ट्रेनों के फेरों में बढ़ोतरी की घोषणा हो गई है।

पटना से चलने वाली स्पेशल ट्रेन 30 जुलाई तक तथा चर्लपल्ली से चलने वाली ट्रेनें 30 जुलाई व एक अगस्त तक चलेगी। स्पेशल ट्रेनों का समय और ठहराव में कोई बदलाव नहीं होगा।

फिलहाल मई तक की टिकटों की बुकिंग हो रही है। गुरुवार से बढ़े हुए फेरे की तिथियों में बुकिंग शुरू होने की संभावना है।

शादी समारोह में आयी नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म

तीन ने किया दुष्कर्म, दो करते रहे पहरेदारी

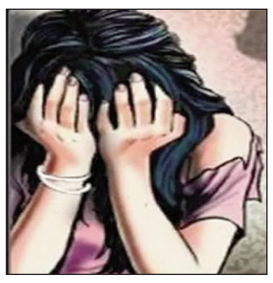

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के धमना गांव में एक शादी समारोह में आई शिकारीपाड़ा के 16 साल की किशोरी को घर से उठाकर खेत में ले जाकर तीन लड़कों ने सामूहिक दुष्कर्म किया, जबकि दो लड़के पहरेदारी करते रहे। घटना 15 मई की रात की है और पीड़िता ने 18 मई की देर शाम थाना में जाकर मामला दर्ज कराया।

पुलिस ने वारदात में शामिल पांच लड़कों के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज कर पांचों को गिरफ्तार किया है।

शिकारीपाड़ा की रहने वाली पीड़िता अपनी बहन और बहनोई के साथ 15 मई को एक रिश्ते की शादी में शामिल होने के लिए आई थी। देर शाम तक घर में शादी की रस्म चलती रही। रात को जगह कम पड़ जाने के कारण किशोरी बहन के दो बच्चों के साथ सोने के लिए पड़ोस के घर चली गई।

रात करीब 12 बजे धमना गांव का रंजीत टुडू कमरे में आया और सोती हुई किशोरी को उठाकर खेत की ओर ले गया। पहले उसने किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। किशोरी ने शोर मचाया, लेकिन कोई बचाने नहीं आया। इसके बाद चार और लड़के आ गए। उनमें से दो ने उसके साथ गलत काम किया।

जाते समय आरोपित ने धमकी दी कि अगर किसी को कुछ बताया तो अंजाम बुरा होगा। रात को वह किसी तरह खेत से घर आई और स्वजन को घटना की जानकारी दी। 18 की देर शाम किशोरी ने थाना जाकर शिकायत दर्ज कराई। किशोरी ने पुलिस को बताया कि पहले रंजीत ने उसके साथ खेत में दुष्कर्म किया।

इसके बाद किसी को फोन कर आने को कहा। थोड़ी देर के बाद चार और लड़के बिट्टू हेंब्रम, सुरमी उर्फ बोनी टुडू, जानी मुर्मू व अनिल हेम्ब्रम आ गए। इनमें दो लड़के पहरेदारी करते रहे और दो ने उसके साथ दुष्कर्म किया। बताया कि वह रोती-चीखती रही, लेकिन दुष्कर्मी हवस का शिकार बनाते रहे।

सुपारी किलर ने की थी हेमलाल पंडित की हत्या

बोकारो। 14 मई की देर रात नावाडीह थाना इलाके के बारीडीह जंगल में कार सवार युवक की पिता के सामने गोली मारकर हुई हत्या का खुलासा पुलिस ने कर लिया है।

मृतक सिरैया विष्णुगढ़ हजारीबाग निवासी हेमलाल पंडित की हत्या की साजिश इसके गांव की चंपा देवी ने अपने दोस्त केशवारी सरिया गिरिडीह निवासी प्रकाश सिंह के साथ मिलकर की थी।

प्रकाश ने हत्याकांड को अंजाम देने के लिए धनबाद के जोरापोखर चार नंबर कॉलोनी जामाडोवा निवासी डोमन राम व पात्थर बंगला बोरागढ़ धनबाद निवासी विकास कुमार को तीन लाख में ठेका दे दिया। 2 लाख 35 हजार रुपये का भुगतान भी शूटरों को हत्याकांड को अंजाम देने के लिए चंपा ने अपने दोस्त प्रकाश के माध्यम से कर दिया। यह जानकारी एसपी मनोज स्वर्गियारी ने दी। कप्तान ने बताया कि चंपा अपने पति खगेश्वर पंडित की मौत के लिए हेमलाल को जिम्मेदार मानती थी। इसी वजह से उसने हत्या की साजिश रची। कप्तान ने बताया कि कि दोनों शूटरों को जब रुपया मिला तो वह लोग हेमलाल से संपर्क साधे।

विवि के लिए 1191 करोड़ रुपये जारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। राज्य सरकार ने अपने सभी विश्वविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों, पदाधिकारियों एवं कर्मियों के वेतन, संविदा पर कार्यरत शिक्षकों एवं कर्मियों के मानदेय तथा सेवानिवृत्त शिक्षकों, पदाधिकारियों एवं कर्मियों की पेंशन के लिए 1191. 69 करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं। यह राशि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए है। रांची विश्वविश्वविद्यालय को सेवानिवृत्त शिक्षकों, पदाधिकारियों एवं कर्मियों की पेंशन एवं अन्य सेवानिवृत्ति लाभ के लिए 233.77 करोड़ तथा कार्यरत शिक्षकों, पदाधिकारियों एवं कर्मियों के वेतन व मानदेय के लिए 207.60 करोड़ रुपये निर्गत किए गए हैं।

इसी तरह, विनोबा भावे विश्वविद्यालय के लिए क्रमशः 148.80 करोड़ तथा 93.39 करोड़ रुपये, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के लिए क्रमशः 5.33 करोड़ तथा 22.68 करोड़ रुपये, कोल्हान विश्वविद्यालय के लिए क्रमशः 57.91 तथा 66 करोड़ रुपये, विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के लिए क्रमशः 26 करोड़ तथा 71.97 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।

सिदो कान्हू विवि के लिए क्रमशः 75.14 करोड़ तथा 107.01 करोड़ रुपये, नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय के लिए क्रमशः 23.14 करोड़ तथा 39.31 करोड़ रुपये तथा जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय के लिए क्रमशः दो करोड़ तथा 11.64 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।

यह राशि डोरंडा कोषागार से निकासी कर उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा संबंधित विश्वविद्यालयों को रजिस्ट्रारों को दी गई है। जारी आदेश में कहा गया है कि वेतन एवं पेंशन आदि का भुगतान वित्त विभाग के नियमों के अनुसार पूरी तरह जांच कर ही किया जाएगा।

बीडीओ ने किया स्कूल एवं आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका। दुमका के मसलिया के प्रखंड विकास पदाधिकारी अजफर हसनैन ने सोमवार को मसलिया प्रखंड क्षेत्र के सांपचाला पंचायत के मुखटांड़, बेलगंन्जिया, मोहतोडीह, भेलादाह एवं भंगाहीड गांव का दौरा करते हुए विद्यालय, आंगनबाड़ी केंद्र समेत संचालित योजनाओं का निरीक्षण किया।

बीडीओ पहले सबसे पहले उत्क्रमित मध्य विद्यालय बेलगंन्जिया पहुंचे। यहां विद्यालय में उपस्थित सभी एक से लेकर आठवीं तक के बच्चों को एक ही वर्ग कक्ष में बैठाकर पठन-पाठन किया जा रहा था। बीडीओ ने विद्यालय में उपस्थित शिक्षकों से कहा कि ऐसे में पठन-पाठन कैसे हो सकता है।

इसमें कोई भी बच्चे सही तरीके से अध्ययन नहीं कर पाएंगे। बीडीओ ने शिक्षकों से इसका कारण पूछा। शिक्षकों ने बताया कि अन्य कक्ष जर्जर होने के कारण यह स्थिति है। बीडीओ ने विद्यालय के मध्याह्न भोजन की जानकारी बच्चों से ली। इसके बाद प्राथमिक विद्यालय भेलादाह पहुंच कर स्थिति का जायजा लिया।

यहां एक छात्र के कपड़े की स्थिति अत्यंत गंदा देखकर बीडीओ ने छात्र से ही पूछ लिया कि इतना गंदा कपड़े में क्यों आए हो? छात्र तीसरा वर्ग का था। उसने बीडीओ को जवाब दिया कि उसके पिता शराब पीकर मां से मारपीट करते हैं। जिस कारण मां कपड़ा नहीं साफ कर पाई।

बीडीओ ने उसके पिताजी का नाम पूछा तो छात्र ने पिता का नाम स्वपन बाउरी बताया। इसके बाद बीडीओ स्वपन बाउरी से मिलने उसके घर पहुंच गए। वहां उनकी पत्नी से मिलकर स्थिति की जानकारी लेते हुए बच्चे को विद्यालय साफ-सुथरा ढंग से भेजने की बात कही।

स्वपन बाउरी के बारे में जानकारी मिली की वह बिरसा सिंचाई कूप निर्माण में काम करने गया है। बीडीओ ने स्वपन बाउरी से मिलकर शराब पीने से होने वाली हानि के बारे में बताया एवं बच्चों को अच्छे से परवरिश करने की हिदायत दी।

इसके बाद बीडीओ कई आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण करते हुए उपस्थित सेविकाएं को बच्चों को सही तरीके से पठन पाठन एवं मेन्यू के अनुसार भोजन देने को कहा। इस दौरान अबुआ आवास, बिरसा कूप एवं बागवानी का निरीक्षण कर लाभुकों को भी कई निर्देश दिया।

रेल नेटवर्क से जुड़ा एम्स

देवघर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देशभर के 103 अमृत भारत स्टेशनों का उद्घाटन किया। इसमें झारखंड के शंकरपुर, राजमहल व गोविंदपुर रोड स्टेशन भी शामिल हैं। 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत इन स्टेशनों को पुनर्विकसित किया गया है।शंकरपुर स्टेशन देवघर एम्स के निकट होने से झारखंड, बिहार और बंगाल के मरीजों को सुविधा मिलेगी। देवघर एम्स को ध्यान में रखते हुए शंकरपुर स्टेशन को विकसित किया गया है। एम्स में इलाज कराने के लिए झारखंड के साथ ही बिहार और बंगाल से भी मरीज आते हैं। हावड़ा-दिल्ली मुख्य रेलमार्ग पर देवघर-मधुपुर के बीच स्थित शंकरपुर स्टेशन को पुनर्विकसित किया गया है। इस पर तकरीबन सात करोड़ रुपया खर्च किया गया है। शंकरपुर स्टेशन पर आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि सांसद डॉ. निशिकांत दुबे ने कहा कि जिस तरह अटल ग्राम सड़क से सड़क का जाल और एक-दूसरे स्थान को जोड़ दिया गया।

शराब नीति मामले में हेमंत सरकार पर भाजपा हमलावर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। शराब घोटाले में एसीबी के हाथों आइएएस अधिकारी व पूर्व उत्पाद सचिव विनय चौबे की गिरफ्तारी के बाद इस मुद्दे को लेकर भाजपा सरकार पर हमलावर है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व झारखंड विधानसभा में विपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी ने इस मामले में हेमंत सरकार पर हमला बोला है।

बाबूलाल मरांडी ने बड़े दोषियों को छिपाने के लिए विभाग के कुछ अधिकारियों की गिरफ्तारी कर लीपापोती करने का आरोप लगाया है, वहीं मामले की सीबीआई जांच की भी मांग की है।

बुधवार को इस मुद्दे पर रांची में प्रेस कांफ्रेंस कर मरांडी ने कहा कि इस घोटाले की परतें जिस प्रकार से एक-एक कर खुल रही हैं, उससे यह स्पष्ट हो रहा है कि झारखंड में दिल्ली से भी बड़ा शराब घोटाला हुआ है।

मरांडी ने आरोप लगाया कि इस संबंध में मुख्यमंत्री को उनके द्वारा पत्र लिखकर आगाह किए जाने के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई और सुनियोजित तरीके से पूरे घोटाले को अंजाम दिया गया। घोटाले पर पर्दा डालने तथा बड़ी मछलियों को बचाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार की कार्रवाई के बाद हड़बड़ी में झारखंड में एसीबी की जांच प्रारंभ हुई।

एसीबी ने तेजी दिखाते हुए आनन-फानन में विनय चौबे पर एफआइआर दर्ज की और गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने कहा कि शराब घोटाले से जुड़ा एक और मामला है, जिसमें दो प्लेसमेंट एजेंसियों ने विभाग से लेकर कोर्ट तक में फर्जी बैंक गारंटी जमा की।

अभी तक उक्त मामले में विभाग ने न तो एफआइआर दर्ज कराई न ही कुछ और कार्रवाई की। कंपनी ने बिना टेंडर के दुकान बांट दिए। इससे स्पष्ट है कि सभी मिले हुए हैं।

उन्होंने राज्य सरकार से आग्रह किया कि शराब घोटाला दो राज्यों से जुड़ा हुआ है। इसलिए इसकी जांच सीबीआई से कराने की अविलंब अनुशंसा करें।

बा बूलाल मरांडी ने डीजीपी अनुराग गुप्ता को निशाने पर लेते हुए कहा कि अब यह स्पष्ट हो रहा कि झारखंड में अवैध तरीके से क्यों डीजीपी को रखा गया है।

डीजीपी अनुराग गुप्ता 30 अप्रैल को सेवानिवृत्त हो चुके हैं, लेकिन राज्य सरकार मनमाने तरीके से केंद्रीय गृह मंत्रालय की आपत्ति के बावजूद उन्हें डीजीपी बनाए हुए है।

संवैधानिक रूप में विगत 21 दिनों से झारखंड डीजीपी विहीन है। एक योजना के तहत अवैध डीजीपी से अवैध काम लिया जा रहा है।

मरांडी ने कहा कि इस घोटाले के पहले भी राज्य के दो अंचलाधिकारी मनोज कुमार और शैलेश एक घोटाले में ईडी के गवाह हैं। एसीबी ने मुकदमा दर्ज कर छापीमारी की। अब गवाहों को धमकी दी जा रही कि गवाही से मुकर जाओ नहीं तो कार्रवाई होगी।

हिरासत में साइबर ठगी के आरोपित की मौत, हंगामा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। पुलिस हिरासत में लिए गए युवक मेपरराज अंसारी (36) की मौत के बाद लोगों ने जमकर हंगामा किया। अंसारी जिले के पालोजोरी थाना क्षेत्र के दुधानी गांव का रहने वाला था। संदिग्ध तौर पर साइबर ठगी के धंधे में शामिल होने के आरोप में पुलिस टीम ने बुधवार को उसे गांव से पकड़ा।

बाद में उसकी तबीयत बिगड़ने पर उसे सारठ सीएचसी में भर्ती कराया गया।

वहां से उसे बेहतर इलाज के लिए देवघर सदर अस्पताल ले जाया गया। देवघर सदर अस्पताल पहुंचने पर बुधवार की रात उसे जांच करने के बाद डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

इसकी सूचना मिलने पर रात को एक सौ से अधिक लोगों ने पालोजोरी थाना का घेराव किया और अंदर घुसने का प्रयास किया। एक घंटा के बाद लोग वापस चले गए। सुबह लोग फिर से सड़क पर उतर गए। लोगों ने पालोजोरी-सारठ, जामताड़ा-दुमका मुख्य मार्ग को जाम कर दिया।

वहीं पालोजोरी बाजार को भी जबरन बंद करा दिया। बाद में उग्र लोगों ने पुलिस पर पथराव कर दिया। इसमें आधा दर्जन से अधिक पुलिस वालों को चोट लगी है। हंगामा को बढ़ते देख पुलिस ने आंसू गैस का गोला छोड़ा। लाठीचार्ज कर लोगों को वहां से हटाया गया।

एहतियात के तौर पर पालोजोरी बाजार व आसपास के इलाके में निषेधाज्ञा लगा दिया गया है। पुलिस ने इस मामले में करीब एक दर्जन लोगों को हिरासत में लिया है।

स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है और काफी संख्या में पुलिस टीम पालोजोरी थाना व आसपास के इलाके में कैंप कर रही है। वहीं मृतक के शव का देवघर सदर अस्पताल में मेडिकल बोर्ड द्वारा दंडाधिकारी की मौजूदगी में पोस्टमार्टम किया गया। स्वजनों का आरोप है कि पुलिस की पिटाई के कारण उसकी मौत हो गई है।

पटना-टाटा वंदेभारत एक्सप्रेस में सीट बेचते दो टीटीई धराये

- एडीआरएम ने सीनियर डीसीएम को भेजी रिपोर्ट
- टीटीई के खिलाफ एसएफ-5 के तहत होगी कार्रवाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चक्रधरपुर। वंदे भारत एक्सप्रेस में सीट बेचकर कर अवैध रूप से पैसे वसूलने वाले टाटानगर के दो टीटीई के उपर कार्रवाई करने के लिए धनबाद एडीआरएम ने चक्रधरपुर रेल मंडल के सीनियर डीसीएम को जांच रिपोर्ट सौंपी है।

जानकारी के अनुसार, 11 मई को पटना से टाटानगर आने वाली ट्रेन नंबर 1896 वंदे भारत एक्सप्रेस में धनबाद के रेल मंडल के एडीआरएम विनीत कुमार ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान एडीआरएम ने पाया कि ट्रेन में ड्यूटी कर रहे दो टीटीई भ्रष्टाचार में लिप्त होकर 11 लोगों को वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में बिना टिकट के ट्रेन में सफर करवा रहे है।

जिन दो टीटीई को एडीआरएम ने पकड़ा उनके नाम नसीम और अर्जुन साहू है। दोनों ही टीटीई चक्रधरपुर रेल मंडल के टाटानगर में पदस्थापित हैं। एडीआरएम ने जांच में यह भी पाया कि टीटीई ने अपनी दो सीट भी यात्री से अवैध वसूली कर बेच दी थी।

जांच के दौरान पाया गया कि 10 यात्री पटना से गया और एक यात्री गया से गोमो तक बिना टिकट यात्रा कर रहे थे। एडीआरएम ने 11 यात्रियों पर कार्रवाई करते हुए कुल 19,500 रुपये का जुमार्ना वसूला और टीटीई के खिलाफ कार्रवाई के लिए अपनी जांच रिपोर्ट चक्रधरपुर रेल मंडल के सीनियर डीसीएम को भेज दी है।

धनबाद रेल मंडल के एडीआरएम विनीत कुमार ने इस छापेमारी के बाद 16 मई को अपनी रिपोर्ट चक्रधरपुर रेल मंडल को देते हुए दोनों भ्रष्ट टीटीई पर सख्त कार्रवाई करने को कहा है।

रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि चक्रधरपुर रेल मंडल के टीटीई नसीम और अर्जुन साहू स्वयं अपनी आरक्षित सीटों पर बिना टिकट यात्रियों को अवैध रूप से बैठा कर यात्रा करवा रहे थे।

इससे भी गंभीर बात यह है कि यह पहली बार नहीं है, बल्कि पहले की जांचों में भी ये दोनों टीटीई भ्रष्टाचार करते हुए दोषी पाए जा चुके हैं, परंतु सुधार के बावजूद इनकी कार्यप्रणाली में कोई बदलाव नहीं आया। धनबाद एडीआरएम विनीत कुमार ने सिफारिश की है कि दोनों दोषी टीटीई नसीम और अर्जुन साहू के विरुद्ध एसएफ-5 के तहत कार्रवाई की जाए।

एडीआरएम विनीत कुमार के मुताबिक, यह रेल में सेवा में गंभीर भ्रष्ट आचरण है। अपनी जांच के दौरान उन्होंने एक एसी स्टाफ को भी कार्य में लापरवाही बरतते हुए पकड़ा है और उसपर भी कार्रवाई करने को कहा है।

आईपीएल के उभरते सितारे सूर्यवंशी और म्हात्रे इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की अंडर-19 टीम में शामिल

मुंबई, एजेंसी। आईपीएल 2025 के उभरते स्टार खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे को इंग्लैंड के आगामी दौरे के लिए भारत की अंडर-19 टीम में शामिल किया गया है। इन दोनों ने टूर्नामेंट के मौजूदा संस्करण में अपने-अपने पक्ष के लिए शानदार प्रदर्शन किया है।

म्हात्रे इस दौरे पर टीम की अगुवाई करेंगे, जिसमें 24 जून से 23 जुलाई तक 50 ओवर का अभ्यास मैच, उसके बाद पांच मैचों की यूथ वनडे सीरीज और इंग्लैंड अंडर-19 के खिलाफ दो मल्टी-डे मैच शामिल हैं। मुंबई के अभिज्ञान कुंडू को म्हात्रे का डिप्टी नियुक्त किया गया है। सूर्यवंशी ने महज 14 साल की उम्र में आईपीएल में सबसे कम उम्र के शतक बनाने के बाद सुर्खियां बटोरीं। पिछले साल की नीलामी में राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 1.1 करोड़ रुपये में खरीदा था। सात मैचों में, इस किशोर ने एक शतक और एक अर्धशतक सहित 252 रन बनाए हैं। दूसरी ओर, म्हात्रा को चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की चोट के कारण मध्य सत्र में टीम में

शामिल किया गया था। 17 वर्षीय मुंबई के बल्लेबाज ने पीली जर्सी में प्रभावशाली प्रदर्शन किया है और चेन्नई की कमजोर बल्लेबाजी इकाई में तुरंत प्रभाव डाला है। सलामी बल्लेबाज ने छह मैचों में 206 रन बनाए हैं, जिसमें एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 94 रनों की सर्वश्रेष्ठ पारी भी शामिल है। यह जोड़ी पिछले साल यूएई में अंडर-19 एशिया कप में भारत की उपविजेता टीम का भी हिस्सा थी। अन्य उल्लेखनीय चयन में पंजाब के बल्लेबाज विहान मल्होत्रा और केरल के लेग स्पिनर मोहम्मद एनान शामिल हैं, दोनों ने चेन्नई और पुडुचेरी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2024 युवा श्रृंखला के दौरान प्रभावित किया।

भारत अंडर19 टीमः

आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा, मौल्यराजसिंह चावड़ा, राहुल कुमार, अभिज्ञान कुंडू (उप-कप्तान और विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलान पटेल, हेनिल पटेल, युधाजीत गुहा, प्रणव राघवेंद्र, मोहम्मद एनान, आदित्य राणा, अनमोलजीत सिंह।

स्टैंडबाय खिलाड़ीः नमन पुष्पक, डी दीपेश, वेदांत त्रिवेदी, विकल्प तिवारी, अलंकृत रापोल (विकेटकीपर)।

आईपीएल 2025:

जैकब बेथेल के जाने के बाद आरसीबी ने इस विस्फोटक बल्लेबाज को टीम में किया शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने एक महत्वपूर्ण बदलाव की घोषणा की है। न्यूजीलैंड के धमाकेदार विकेटकीपर बल्लेबाज टिम सेफर्ट को युवा इंग्लिश खिलाड़ी जैकब बेथेल के अस्थायी प्रतिस्थापन के रूप में टीम में शामिल किया गया है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने गुरुवार को न्यूजीलैंड के विस्फोटक विकेटकीपर बल्लेबाज टिम सेफर्ट को इंग्लैंड के युवा खिलाड़ी जैकब बेथेल के स्थान पर अस्थायी रूप से टीम में शामिल करने की घोषणा की। बेथेल को इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम के लिए अपनी सेवाएं देनी हैं, जिसके चलते वह सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले मुकाबले के बाद स्वदेश लौटेंगे। आरसीबी ने एक आधिकारिक बयान में कहा, न्यूजीलैंड के विस्फोटक विकेटकीपर बल्लेबाज टिम सेफर्ट को जैकब बेथेल के स्थान पर आरसीबी में अस्थायी रूप से शामिल किया गया है। बेथेल सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हमारे मैच के बाद इंग्लैंड के लिए राष्ट्रीय ड्यूटी पर लौटेंगे।

टिम सेफर्ट का अनुभव और प्रदर्शन

30 वर्षीय टिम सेफर्ट एक अनुभवी टी20 खिलाड़ी हैं, जिन्होंने न्यूजीलैंड के लिए 66 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और इस दौरान 1540 रन बनाए हैं। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग कौशल उन्हें एक मूल्यवान खिलाड़ी बनाता है। सेफर्ट इससे पहले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लिए 2021 में और दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के लिए 2022 में खेल चुके हैं। वह 2 करोड़ रुपये की कीमत पर आरसीबी में शामिल होंगे और 24 मई से टीम के साथ जुड़ेंगे।

टॉटेनहॅम हॉटस्पर ने यूरोपा लीग का खिताब जीता

फाइनल में मैनचेस्टर यूनाइटेड को 1-0 से हराया, ब्रेनन ने मैच का इकलौता गोल किया

नई दिल्ली, एजेंसी। टॉटेनहॅम हॉटस्पर ने यूरोपा लीग का खिताब जीत लिया है। टीम ने गुरुवार एथलेटिक बिलबाओ के सैन मैम्स स्टेडियम में खेले गए फाइनल में मैनचेस्टर यूनाइटेड को 1-0 से हराया। इसी के साथ टॉटेनहॅम का यूरोपीय ट्रॉफी के लिए 41 साल का इंतजार खत्म हो गया। टीम ने पिछला खिताब 1984 में जीता था। टॉटेनहॅम का यह तीसरा यूरोपा लीग टाइटल है।

ब्रेनन ने 42वें मिनट में यह गोल किया – ब्रेनन जॉनसन ने मैच का इकलौता गोल किया। मैच में दोनों टीमों के लिए मौके बनाना मुश्किल था। हालांकि, 42वें मिनट में टॉटेनहॅम को सफलता मिल गई। ब्रेनन जॉनसन ने मैच के 42वें मिनट में गोल किया। गोल का जश्न मनाते ब्रेनन।

17 साल बाद टॉटेनहॅम ने मेजर ट्रॉफी जीती – टॉटेनहॅम ने 17 साल बाद कोई मेजर ट्रॉफी जीती है। टीम ने अपना पिछला बड़ा खिताब 2008 में जीता था, जब उन्होंने लीग कप अपने नाम किया था।

जीत का महत्व – प्रीमियर लीग में मैनचेस्टर यूनाइटेड और टोटेनहम हॉस्टपर दोनों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। 37 मैचों में 39 पॉइंट के साथ यूनाइटेड 16वें और इतने ही मैच में 38 पॉइंट के साथ हॉस्टपर 17वें नंबर पर है। 20 टीमों की इस लीग में आखिरी तीन नंबर पर रहने वाली टीमों को अगले सीजन में खेलने का मौका नहीं मिलता।

आईपीएल 2025

धमाकेदार शुरुआत करने के बाद पटरी से उतर गई दिल्ली कैपिटल्स की गाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में दिल्ली कैपिटल्स टीम का प्लेऑफ में जाने का सपना टूट गया है। डीसी को आईपीएल 2025 के 63वें मैच में मुंबई इंडियंस ने 59 रनों से हरा दिया। इसके साथ ही पांच बार की चैंपियन एमआई की टीम एक बार फिर प्लेऑफ में पहुंच चुकी है। एमआई के लिए आईपीएल 2025 की शुरुआत जिस तरह से हुई थी, उसके अनुसार उनका प्लेऑफ तक पहुंचना सराहनीय है। वहीं, डीसी की गाड़ी अच्छी शुरुआत के बाद भी पटरी से उतर गई। आईपीएल 2025 में एक के बाद एक लगातार चार मैच जीतकर धमाकेदार शुरुआत करने वाली दिल्ली कैपिटल्स की टीम एक समय शानदार लग रही थी। लेकिन उसके बाद उन्हें अहम मौकों पर हार का सामना करना पड़ा। खास बात यह है कि डीसी को पहली हार एमआई के ही खिलाफ मिली थी। इस हार के बाद डीसी की लय कभी पहले जैसी नहीं रही। आईपीएल के इतिहास पर एक नजर डालें तो पता चलता है कि अक्सर शानदार शुरुआत के बाद भी कई टीमों को प्लेऑफ में जाने में सफलता नहीं मिलती है। इसका बड़ा कारण लीग स्टेज का लंबा होना है। डीसी के साथ 2016 सीजन में भी ऐसा हो चुका है, जब यह टीम शुरुआत के 7 मैचों में 5 मुकाबले जीतने के बाद भी प्लेऑफ में नहीं जा पाई थी। बिल्कुल यही स्थिति सीजन 2022 में सनराइजर्स हैदराबाद के साथ थी। पंजाब किंग्स की टीम भी सीजन 2018 में शुरुआती छह मैचों में पांच जीत के बावजूद प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई थी। हालांकि दिल्ली कैपिटल्स के लिए आईपीएल 2025 सीजन अधिक निराशाजनक साबित हुआ है। इसका कारण यह है कि वह पहली ऐसी टीम बन गई है जिसने शुरुआत के लगातार चार मैच जीतने के बाद भी प्लेऑफ में जगह हासिल नहीं की।

यह भी दिलचस्प रहा कि इस सीजन में दिल्ली कैपिटल्स के तीन मैच ऐसे रहे जो अलग-अलग कारणों से प्रभावित रहे। इनमें एक मैच राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ था जो टाई हुआ था, लेकिन डीसी सुपर ओवर में मैच जीतने में कामयाब रही। एक मैच सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ था जिसमें बारिश के कारण नतीजा नहीं निकल सका। वहीं, 8 मई को पंजाब किंग्स के खिलाफ उनका मुकाबला सस्पेंड हो गया था। अब डीसी के पास इसी टीम के खिलाफ 24 मई को उनका अंतिम लीग मैच बचा है।

यूएई ने शारजाह में रचा इतिहास

बांग्लादेश के खिलाफ पहली बार जीती टी20 सीरीज

शारजाह, एजेंसी। हैदर अली (3 विकेट) की घातक गेंदबाजी के बाद आलीशान शराफ (नाबाद 68) और आसिफ खान (नाबाद 41) की विस्फोटक पारियों की बदौलत संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने शारजाह में तीसरे टी20 मुकाबले में 5 गेंदे शेष रहते बांग्लादेश के खिलाफ 7 विकेट से जीत दर्ज करते हुए तीन मैचों की सीरीज को ऐतिहासिक रूप से 2-1 से अपने नाम कर लिया। टेस्ट खेलने वाले देश के खिलाफ यूएई की दूसरी और बांग्लादेश के खिलाफ पहली सीरीज जीत है। इससे पहले यूएई ने साल 2021 में आयरलैंड को इसी अंतर से हराया था। शारजाह स्टेडियम में बुधवार की रात खेले गए टी-20 मुकाबले में यूएई ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत खराब रही और उसने 57 के स्कोर तक अपने पांच विकेट गवां दिये। बांग्लादेश के बल्लेबाजे हैदर अली की घातक गेंदबाजी के आगे बेबस नजर आए।

बांग्लादेश का पहला विकेट दूसरे ओवर में परवेज हुसैन इमॉन (शून्य) के रूप में गिरा। कप्तान लिटन कुमार दास (14), मो. तौहीद हृदोय (शून्य), महेदी हसन (दो) और तंजिद हसन 18 गेंद पर (40) रनों की पारी खेली। इसके बाद शमीम हुसैन (नौ), रिशाद हुसैन (छह) और जाकेर अली 34 गेंदों में (41) रन बनाकर आउट हुये। यूएई के गेंदबाजों ने बांग्लादेश को

निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 162 के स्कोर पर रोक दिया। यूएईकी ओर से हैदर अली ने चार ओवर में सात रन देकर तीन विकेट लिए। मतिउल्लाह खान और सगीर खान को दो-दो विकेट मिले। अकिफ राजा और ध्रुव पराशर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी यूएई की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और उसने अपना पहला विकेट दूसरे ही ओवर में कप्तान मुहम्मद वसीम (नौ) के रूप में गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये आलीशान शराफु ने मुहम्मद जोहैब के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच 44 रनों की साझेदारी हुई। आठवें ओवर में रिशाद हुसैन ने मुहम्मद जोहैब (29) को बोल्ड इस साझेदारी का अंत किया। इसके बाद तंजीम अहमद ने राहुल चोपड़ा (13) को आउटकर पवेलियन भेज दिया।

इस दौरान दूसरे छोर पर खड़े आलीशान शराफु तेजी के साथ रन बनाते रहे। इसके बाद आसिफ खान ने आलीशान शराफ के साथ मोर्चा संभाला और टीम को ऐतिहासिक जीत की ओर ले गये। यूएई ने 19.1 ओवर में तीन विकेट पर 166 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से जीत लिया। आलीशान शराफ ने 47 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के लगाते हुए (नाबाद 68) रन बनाये। आसिफ खान ने 26 गेंदों में पांच छक्के लगाते हुए (41) रनों की नाबाद पारी खेली। बांग्लादेश की ओर से शोरिफुल इस्लाम, तनजीम हसन साकिब और रिशाद हुसैन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

आईपीएल 2025 के बाद रोहित शर्मा का ऑपरेशन!

बहुत तकलीफ में हैं हिटमैन

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा ने हाल ही में टेस्ट करियर को अलविदा कहा है, वो पहले ही टी20 फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं. ऐसे में रोहित अब केवल ओडीआई मैच ही खेलेंगे. हिटमैन अभी आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस के लिए खेल रहे हैं, जिसमें वो 11 मैचों में 300 रन बना चुके हैं. अब एक मीडिया रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि आईपीएल 2025 समाप्त होने के बाद रोहित बाईं हैमस्ट्रिंग की सर्जरी करवा सकते हैं. चूंकि रोहित अब सिर्फ ओडीआई मैच खेलेंगे और टीम इंडिया की अगली वनडे सीरीज बांग्लादेश के खिलाफ है, जो 17 अगस्त से शुरू होगी. आईपीएल 2025 का समापन 3 जून को होगा और उसके बाद रोहित को सर्जरी से उबरने के लिए करीब ढाई महीने का समय मिल सकता है. क्रिकब्लॉगर के हवाले से एक सूत्र ने बताया, रोहित शर्मा अगर 2027 वर्ल्ड कप में खेलना चाहते हैं तो यह उनकी सर्जरी के लिए सबसे सही समय है. रोहित कप्तान होने की जिम्मेदारी के कारण इस चोट को कई सालों से ढो रहे हैं, लेकिन रिटायरमेंट के बाद का शेड्यूल उन्हें सर्जरी से उबरने में मदद करेगा. इस मामले पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड या रोहित शर्मा की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है ।

डब्ल्यूडब्ल्यूई के बाद हॉलीवुड में तबाही मचाने को तैयार रोमन रेंस, मिल सकता है ये बड़ा रोल

नई दिल्ली, एजेंसी। रोमन रेंस को प्रोफेशनल रेसलिंग में एक बड़ा नाम माना जाता है और वह डब्ल्यूडब्ल्यूई के इतिहास में सबसे महान सुपरस्टार्स में से एक माने जाएंगे। उनकी लोकप्रियता ने उन्हें मनोरंजन जगत में भी एक बड़ा नाम बना दिया है। रोमन रेंस कुछ फिल्म प्रोजेक्ट्स में पहले भी नजर आ चुके हैं। पिछले साल एक बड़ी हॉलीवुड फिल्म में अपनी पहली प्रमुख भूमिका के बाद रेंस को एक और बड़ा प्रोजेक्ट मिल सकता है। 21 मई, 2025 को डेडलाइन ने रिपोर्ट किया कि रोमन रेंस लोकप्रिय वीडियो गेम स्ट्रीट फाइटर के लाइव-एक्शन वर्जन का हिस्सा बनने के लिए बातचीत कर रहे हैं।

अभी तक कुछ फाइनल नहीं – फाइटफुल के अनुसार, अभी तक कुछ भी फाइनल नहीं हुआ है। उन्होंने फिल्म और गेमिंग इंडस्ट्री में इस बारे में जानकारी हासिल की। हालांकि, वे यह रिपोर्ट करने में सक्षम थे कि रेंस को अकुमा के किरदार के लिए विचार किया जा रहा है। वीडियो गेम्स में अकुमा एक भावहीन और शक्तिशाली योद्धा है। फरवरी में यह खबर आई थी कि डायरेक्टर किताओ सकुराई इस प्रोजेक्ट का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने डैनी और माइकल फिलिप्पो की जगह ली है, जो अप्रैल 2023 में इस प्रोजेक्ट से जुड़े थे। यह तब हुआ जब लेजेंडरी ने स्ट्रीट फाइटर आईपी के विशेष फिल्म और टीवी अधिकार हासिल कर लिए।

---

23 मई को नीरज और वेबर फिर आमने-सामने, दोनों ने दोहा में 90+ मीटर भाला फेंक कर मचाया था तहलका

चोरजोव (पोलैंड), एजेंसी। नीरज 2018 में 88 मीटर पार करने के बाद से 90 मीटर का थ्रो लगाने की कोशिश में जुट रहे। वह इस बात से राहत महसूस कर रहे हैं कि आखिरकार उनके कंधों से बोझ उतर गया है। पिछले हफ्ते दोहा में 90 मीटर का थ्रो फेंकने वाले दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा और जूलियन वेबर एक बार फिर आमने सामने होंगे। दोनों ही शुक्रवार को ओरलेन जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल प्रतियोगिता की पुरुष भाला फेंक स्पर्धा में फिर इससे बड़ा थ्रो फेंकने की कोशिश करेंगे। नीरज ने दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर दूर तक भाला फेंका, लेकिन उन्हें दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा क्योंकि जर्मनी के जूलियन वेबर ने अपने अंतिम प्रयास में 91.06 मीटर की दूरी से भारतीय एथलीट को पछाड़ दिया।

नीरज और वेबर के साथ होंगे पीटर्स

2022 यूरोपीय चैंपियन और 2024 में रजत पदक विजेता वेबर ग्रेनाडा के दो बार के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स (व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 93.07 मीटर) के साथ पोलैंड में होंगे। ग्रेनाडा दोहा में 84 मीटर के थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे थे। पोलैंड के राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारी मार्सिन क्रुकोव्स्की (व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 89.55 मीटर) के साथ हमवतन साइप्रियन मिर्जग्लोड (व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 84.97 मीटर), डेविड वेगनर (व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ

82.21 मीटर), मोल्दोवा के एंड्रियन माडारि (86.66 मीटर) और यूक्रेन के आर्टूर फेलनर (व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 84.32 मीटर) आठ पुरुष खिलाड़ियों में शामिल हैं।

90 मीटर फेंक कर राहत महसूस कर रहे नीरज

नीरज 2018 में 88 मीटर पार करने के बाद से 90 मीटर का थ्रो लगाने की कोशिश में जुट रहे। वह इस बात से राहत महसूस कर रहे हैं कि आखिरकार उनके कंधों से बोझ उतर गया है, उन्होंने स्पष्ट किया कि 'यह तो बस शुरुआत थी' और वह आने वाले लंबे सत्र में और अधिक दूर भाला फेंकने की कोशिश करेंगे। इस सत्र की अहम प्रतियोगिता सितंबर में तोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप होगी जहां वह अपना खिताब बचाएंगे।

नीरज की कमर की समस्या दूर हुई

अब नीरज को कमर की समस्या नहीं हैं जिसने पिछले कुछ वर्षों में उनके प्रदर्शन को प्रभावित किया है। सबसे लंबे थ्रो का विश्व रिकॉर्ड रखने वाले महान एथलीट जान जेलेजनी से ट्रेनिंग लेने के बाद वह और भी अधिक आश्वस्त हैं। नीरज ने दोहा में कहा था, मैं और मेरे कोच अब भी मेरे थ्रो के कुछ पहलुओं पर काम कर रहे हैं। मैं अब भी चीजें सीख रहा हूं। हमने इस साल फरवरी में ही साथ मिलकर काम करना शुरू किया है। उन्होंने कहा, इसलिए मुझे विश्वास है कि मैं इस साल विश्व चैंपियनशिप तक आने वाले टूर्नामेंट में और अधिक 90 मीटर थ्रो कर सकता हूं। पोलैंड में होने वाली यह प्रतियोगिता नीरज के लिए इस सत्र की तीसरी प्रतियोगिता होगी।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली की हार के बाद आप का उप्र से केरल तक पर ध्यान

नईदिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी ने आज सुबह-सुबह अलग-अलग राज्यों में प्रभारी और सह प्रभारियों की लिस्ट जारी कर दी है। पार्टी ने अपने एक्स हैंडल से नई तैनाती के लिए शुभकामनाएं देते हुए पूरी डिटेल दी है। आप ने दिल्ली में हार के बाद उत्तर भारत के साथ दक्षिण

भारत में भी अपनी भविष्य की योजनाओं के लिए ये प्लानिंग की है। आम आदमी पार्टी ने एक्स हैंडल से लिखा कि आम आदमी पार्टी निम्नलिखित पदाधिकारियों की घोषणा करती है, सभी को बधाई! पार्टी सूत्रों ने बताया कि इन नियुक्तियों से इन क्षेत्रों में स्थानीय नेतृत्व और तालमेल को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, यह कदम आप की अपनी संगठनात्मक आधार को मजबूत करने और देश भर में तथा विदेशों में भारतीय समुदायों के बीच अपना प्रभाव बढ़ाने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। इन नियुक्तियों को पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) संदीप पाठक द्वारा हस्ताक्षरित एक आधिकारिक घोषणा के माध्यम से औपचारिक रूप दिया गया।

दिल्ली में तबाही वाले तूफान के बाद कैसा रहने वाला है मौसम

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में बुधवार रात आंधी और बारिश ने जमकर तबाही मचाई। मौसम इतना विकराल हो गया कि दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद में 7 लोगों की मौत हो गई तो कई जख्मी हो गए। कितने पेड़, बिजली के खंभे गिरे कि गिनती भी मुश्किल। भीषण गर्मी के बीच बदले मौसम के मिजाज ने लोगों की मुसीबतों की बारिश कर दी। ऐसे में लोगों के मन में आशंका है कि क्या फिर ऐसी हवा चल सकती है? मौसम विभाग के मुताबिक अगले तीन दिन में बादल, बारिश और तेज हवा का दौर तो रहेगा, लेकिन बीती रात की तरह तूफान आने का अनुमान अभी नहीं है। हवा तेज चलेगी मगर इसकी अधिकम स्पीड 40 किलोमीटर प्रति घंटे की बताई गई है,

जबकि बुधवार रात हवा की गति 79 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रही। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिन मौसम गर्म और उमस भरा बना रहेगा। गुरुवार को अधिकतम तापमान 39 से 41 डिग्री के बीच रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान 28 से 30 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। हालांकि, हल्की बारिश और तेज हवा चलने का भी अनुमान जाहिर किया गया है। गुरुवार को आशंकि तौर पर बादल छाए रहेंगे और उमस का सामना करना पड़ेगा। शुक्रवार के लिए मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। आंशिक तौर पर बादल छाए रहेंगे और हल्की बारिश भी हो सकती है। हवा की स्पीड आमतौर पर 20-30 किलोमीटर प्रति घंटे की रहेगी, लेकिन कुछ देर के लिए गति 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। देर शाम धूल भरी आंधी चल सकती है। शनिवार 24 मई को भी आसमान में आंशिक बादल रहेंगे और हल्की बारिश की संभावना है। 20 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से हवा चल सकती है। इसके बाद 25, 26 और 27 मई को मौसम साफ रह सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक हरियाणा और आसपास वायुमंडल के ऊपरी स्तर में चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बना हुआ है। यह निम्न दबाव पंजाब से बांग्लादेश तक दिख रहा है।

एलजी के फैसलों को आप ने दी थी चुनौती

7 मामलों को वापस कराने सुको पहुंची दिल्ली सरकार?

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने आप शासनकाल के दौरान एलजी के अधिकारों को चुनौती देने वाले 7 मामले वापस लेने के लिए सुको का रुख किया है। इनमें यमुना सफाई से जुड़ा एक मामला भी शामिल है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने भाजपा के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार द्वारा दायर आवेदन को शुक्रवार के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया है।

दिल्ली सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि आवेदन में शीर्ष अदालत में लंबित सात मामलों को वापस लेने की मांग की गई है, जिन्होंने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन,यमुना सफाई और अधिनियमों और अध्यादेशों की वैधता के खिलाफ सहित कई समितियों में उपराज्यपाल (एल-जी) के अधिकार को चुनौती दी थी। भाटी ने कहा कि इन मामलों के चलते अदालत को परेशान नहीं होना होगा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने भाटी से कहा,हम इन सभी मामलों को शुक्रवार के लिए सूचीबद्ध करेंगे और आवेदन पर सुनवाई करेंगे। तत्कालीन आप सरकार की ओर से दायर एक मामले में,शीर्ष अदालत ने जुलाई 2023 में राष्ट्रीय हरित अधिकरण के उस आदेश पर रोक लगा दी थी जिसमें उपराज्यपाल को यमुना नदी के कायाकल्प से संबंधित मुद्दों से निपटने के लिए गठित एक उच्च-स्तरीय समिति का प्रमुख बनाने के लिए कहा गया था।

अदालत ने हत्तज्ञ के 19 जनवरी, 2023 के आदेश के खिलाफ दिल्ली सरकार की याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति व्यक्त की और उस याचिकाकर्ता को नोटिस जारी किया जिसके आवेदन पर न्यायाधिकरण ने आदेश पारित किया था। इससे पहले हत्तज्ञ ने दिल्ली में संबंधित अधिकारियों की एक उच्च-स्तरीय समिति का गठन किया था, जहां अन्य नदी बेसिन राज्यों की तुलना में यमुना का प्रदूषण अधिक था (लगभग 75 प्रतिशत)।

पीएम मोदी को सिंदूर का सौदागर बताकर आप सांसद संजय सिंह ने पूछ लिए दो सवाल

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद से लगातार तनाव बना हुआ है। ये तनाव देश के अंदर (राजनीतिक उठा-पटक) और बाहर (पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान के साथ और ट्रंप द्वारा लगातार दिए जा रहे बयान) दोनों तरफ बना हुआ है। इस बार आम आदमी पार्टी के नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने पीएम मोदी पर हमला करते हुए उन्हें- सिंदूर का सौदागर बताया है। इस आरोप के साथ सांसद ने पीएम मोदी से सवाल भी किए। सांसद संजय सिंह ने एक्स पर पोस्ट लिखते हुए पीएम मोदी पर आरोप लगाए और देश के हवाले से सवाल भी किए। सांसद ने एक्स पर फोटो भी शेयर की, जिसमें पीएम मोदी को भारतीय सेना के कपड़ों में दिखाया गया है। शेयर किए गए फोटो के साथ सांसद संजय सिंह ने लिखा- सिंदूर का सौदागर मोदी जी आप एक असंवेदनशील राज नेता हैं। देश की बहनों के माथे का सिंदूर उजड़ गया उनके घरों में मातम छाया है और आप सिंदूर पर वोट का सौदा करने निकल पड़े। संजय सिंह ने जनता के हवाले से पूछते हुए लिखा- देश आपसे पूछ रहा है कहाँ हैं वो आतंकवादी जिन्होंने बहनों के सिंदूर उजाड़े? वो कब मारे जायेंगे? दरअसल ऑपरेशन सिंदूर के बाद हुए सीजफायर पर संजय सिंह समेत तमाम विपक्षी दल लगातार सवाल करते आए है। इस कड़ी में एक नाम अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का भी है। अमरीकी राष्ट्रपति सार्वजनिक तौर पर कई बार ये बयान दे चुके हैं कि भारत-पाक के बीच ये समझौता उन्होंने व्यापार के आधार पर कराया है, हालांकि भारत इसे नकार चुका है। मगर बार-बार दिए गए बयानों के कारण विपक्ष केंद्रीय नेतृत्व से सवाल जवाब करने में लगा हुआ है।

हिंसा महापाप है पर प्रवचन दे रहा था

50 से ज्यादा कत्ल करके मगरमच्छों को खिलाने वाला डॉक्टर डेथ

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच के हत्थे चढ़े सीरियल किलर 'डॉक्टर डेथ' के नाम से कुख्यात आर्युवेदिक डॉक्टर देवेंद्र शर्मा ने फरारी के दौरान अलग-अलग स्थानों पर छिपने के लिए ठिकाने बनाए थे। दिल्ली पुलिस जब राजस्थान के दौसा स्थित आश्रम पहुंची तो वह श्रद्धालुओं को प्रवचन दे रहा था कि जीव हिंसा महापाप है और इसका कोई प्रायश्चित नहीं है।

पुजारी का वेश धारण करने वाले 'डॉक्टर डेथ' की पुष्टि के लिए पुलिस टीम के सदस्य श्रद्धालु बनकर उसके करीब पहुंचे। आश्रम में कुछ दिन बिताए। हत्या के सात मामलों में उम्रकैद और एक मामले में फांसी की सजा होने के बाद देवेंद्र शर्मा ने हर हाल में भागना चाहता था। अगस्त 2023 में पैरोल मिलने के बाद वह फरार हो गया था। पुलिस से बचने के लिए दिल्ली, जयपुर, अलीगढ़,आगरा और प्रयागराज में ठिकाने बदलता रहता था। क्राइम ब्रांच उसके पीछे पड़ी थी।

गिरफ्तारी से बचने के लिए आखिरी वक्त तक उसने पुलिस टीम से यह कहकर बचने का प्रयास किया कि वह 'डॉक्टर डेथ' नहीं है। उसने उसके आइडेंटिटी मार्क का मिलान किया। डोजियर में दर्ज मार्क से मिलान होने पर दिल्ली ने दौसा से गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस को धर्म का हवाला देते हुए भरसक बरगलाने का प्रयास किया। पुलिस ने मौके पर ही डोजियर (आरोपी के क्राइम रिकार्ड) में दर्ज

टीम ने छह माह में छह स्थानों पर छापा मारा- दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच के मुताबिक, देवेंद्र शर्मा की तलाश में दिल्ली में उसके दो ठिकानों पर दबिश दी गई, लेकिन उसका कुछ पता नही चला। जानकारी मिली कि वह अलीगढ़ गया है। एक टीम ने अलीगढ़ पहुंची, वहां से उसकी लोकेशन जयपुर पता चली। जयपुर में नहीं मिलने पर टीम आगरा और फिर प्रयागराज पहुंची, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

इस तरह से क्राइम ब्रांच की जांच करीब छह महीने तक चलती रही। इस बीच ही टीम को उसके प्रयागराज से दौसा के आश्रम पहुंचने की जानकारी मिली। पुलिस टीम सादी वर्दी में राजस्थान के दौसा में पहुंची तो वहां पर वह पुजारी के वेश में एक आश्रम में छिपा हुआ था।

पुष्टि करने के लिए टीम आश्रम में डटी रही- पुलिस सूत्रों की मानें तो पेरोल की समय-सीमा समाप्त होने के कुछ दिन तक पहले देवेंद्र शर्मा अलीगढ़ चला गया था। जैसे ही महाकुंभ आया तो कुछ दिनों के लिए प्रयागराज चला गया। वहीं पर उसे पुजारी बनने का आइडिया आया।

ट्रम्प की साउथ अफ्रीकी प्रेसिडेंट से तीखी नोकझोंक गोरे किसानों के नरसंहार का वीडियो दिखाया

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और साउथ अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा के बीच बुधवार को व्हाइट हाउस में मीडिया के सामने तीखी बहस हुई। ट्रम्प ने आरोप लगाया कि साउथ अफ्रीका में गोरे किसानों का नरसंहार किया जा रहा है। ओवल ऑफिस में मीटिंग के दौरान ट्रम्प ने एक वीडियो को सबूत के तौर पर दिखाते हुए दावा किया कि साउथ अफ्रीका में गोरे लोगों को बड़े पैमाने पर टारगेट किया जा रहा है। इसके कारण किसान

अमेरिका की ओर भाग रहे हैं। रामफोसा को इसके खिलाफ कदम उठाने चाहिए हालांकि, रामफोसा ने दावों का खंडन करते हुए कहा कि नरसंहार के आरोप झूठे हैं। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति से कहा- साउथ अफ्रीका में सभी नस्लों के लोग हिंसा से पीड़ित हैं। इनमें ज्यादातर अश्वेत हैं। वहां सिर्फ गोरे लोगों को नहीं सताया जा रहा है। ट्रम्प ने इससे इनकार करते हुए कहा कि सिर्फ गोरे किसानों को सताया जा रहा है। रामफोसा ने ट्रम्प को कतर सरकार से गिफ्ट में मिले प्लेन पर तंज भी कसा। उन्होंने कहा- मुझे माफ कीजिए मेरे पास आपको देने के लिए प्लेन नहीं है, इस पर ट्रम्प ने भी उसी तरह जवाब दिया, उन्होंने कहा, काश आपके पास ये होता, तो मैं ले लेता।

दोस्ताना माहौल में मीटिंग शुरू हुई- दोनों राष्ट्रपतियों के बीच दोस्ताना माहौल में मीटिंग शुरू हुई। दोनों ने गोल्फ के बारे में बात की। ट्रम्प ने अफ्रीका में लोगों के गोल्फ खेलने के टैलेंट की तारीफ की। साउथ अफ्रीकी राष्ट्रपति रामफोसा ने फिर टी शब्द का जिक्र करते हुए दोनों देशों के बीच ट्रेड पर चर्चा करने की कोशिश की। उन्होंने एक मिनरल डील का भी जिक्र किया।

स्पेन में हाउसिंग संकट बढ़ा: सरकार ने एयर बीएनबी को दिया झटका, 66000 हॉलिडे रेंटल मकान हटाने के आदेश

बर्लिन एजेंसी। स्पेन सरकार ने सोमवार को एक बड़ा कदम उठाते हुए एयर बीएनबी जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से लगभग 66,000 किराए के मकान हटाने का आदेश दिया है। यह कार्रवाई देश में गहराते आवास संकट (हाउसिंग क्राइसिस) को नियंत्रित करने के प्रयासों का हिस्सा है। स्पेन में पिछले कुछ वर्षों में पर्यटन क्षेत्र के बढ़ते प्रभाव और प्रॉपर्टी इन्वेस्टर्स की बाढ़ के कारण आम लोगों के लिए घर खरीदना या किराए पर लेना बेहद कठिन होता जा रहा है। खासतौर पर पर्यटकों के लिए बनाए गए किराये के मकानों ने स्थानीय लोगों की ज़िंदगी मुश्किल कर दी है।

क्यों हटवाए गए 66,000 किराये के मकान? स्पेन सरकार ने एयर बीएनबी को आदेश दिया है कि वह लगभग 66,000 हॉलीडे रेंटल लिस्टिंग अपने प्लेटफॉर्म से तुरंत हटाए, क्योंकि ये लिस्टिंग स्थानीय नियमों और हाउसिंग

कानूनों का उल्लंघन कर रही थीं। यह कार्रवाई देश में बढ़ते आवास संकट (हाउसिंग क्राइसिस) और स्थानीय निवासियों के लिए घरों की उपलब्धता कम होने के चलते की गई है। सरकार का कहना है कि इन अवैध रेंटल प्रॉपर्टीज के कारण मकानों की कीमतें और किराए आसमान छूने लगे हैं, जिससे आम लोगों का जीना मुश्किल हो गया है।स्पेन के उपभोक्ता मामलों के मंत्री ने इस कदम को कानून का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने और आवासीय स्थिरता बनाए रखने की दिशा में एक अहम फैसला बताया है। उन्होंने कहा कि आर्थिक लाभ किसी भी कीमत पर नागरिकों के आवास के अधिकार से ऊपर नहीं हो सकता।

देशव्यापी विरोध प्रदर्शन -स्पेन के कई प्रमुख शहरों जैसे बार्सिलोना, मेड्रिड, सेविल और पाल्मा में हजारों लोगों ने प्रदर्शन किए हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि स्थानीय रिहायशी इलाकों को पर्यटक होम्स में बदलना उनके घरों को छीन रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि मकानों की भारी कमी और इन्वेस्टर्स की लूट के चलते किराए और संपत्ति की कीमतें वेतन से कहीं तेज़ी से बढ़ रही हैं जिससे मध्यम और निम्न आय वर्ग के लोगों के लिए आवास एक सपना बनता जा रहा है।

एयर बीएनबीकी ओर से अभी तक इस फैसले पर कोई विस्तृत बयान सामने नहीं आया है, लेकिन पहले की तरह यह संभावना है कि कंपनी स्थानीय नियमों के साथ सहयोग करने की कोशिश करेगी ।स्पेन सरकार ने संकेत दिया है कि यह केवल शुरुआत है। देशभर में हाउसिंग की निगरानी और नियंत्रण बढ़ाया जाएगा जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि स्थानीय लोगों को उनके शहरों में उचित दरों पर आवास मिल सके।

पाकिस्तान में 100 साल पुराने शिव मंदिर की जमीन पर अवैध कब्जा, हिन्दू समुदाय के प्रतिनिधि ने पाक सरकार से की बड़ी मांग

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सिंध प्रांत के टांडो जाम कस्बे के पास 100 साल पुराना एक शिव मंदिर है, जिसकी जमीन पर कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर लिया है। एक हिन्दू समुदाय के प्रतिनिध ने पाकिस्तान की सरकार से अवैध निर्माण को रोकने की अपील की है।

सोशल मीडिया पर पोस्ट किया वीडियो- सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर दरावर इत्तेहाद पाकिस्तान के प्रमुख शिवा काछी ने कहा, मंदिर एक सदी से भी अधिक पुराना है। कुछ लोगों ने मंदिर के आसपास की भूमि पर अवैध कब्जा कर लिया है और अवैध निर्माण शुरू कर दिया है और मंदिर की ओर जाने वाले रास्ते को भी अवरुद्ध कर दिया है।

बता दें, दरावर इत्तेहाद एक संगठन है जो पाकिस्तान में हिन्दू समुदाय का प्रतिनिधित्व करता है। अपने वीडियो में काछी ने कहा कि कराची से करीब 185 किलोमीटर दूर टांडो जाम कस्बे के पास मूसा खातियान गांव में शिव मंदिर और मंदिर के आसपास करीब चार एकड़ जमीन का प्रबंधन एक समिति करती है।

उन्होंने कहा, इस जमीन पर जमीन हड़पने वालों ने अवैध कब्जा कर लिया। मंदिर के एतिहासिक महत्व को देखते हुए पिछले साल सिंध हेरिटेज विभाग की एक टीम ने इसका जिर्णोद्धार किया था।

उन्होंने बताया कि मंदिर के पास ही हिन्दुओं के लिए एक श्मशान स्थल भी है, जहां वार्षिक धार्मिक समारोह आयोजित किया जाता है। काछी ने कहा कि हर सोमवार को हिन्दू समुदाय के लोग मंदिर में भजन भी गाते हैं।

चीन दे रहा अमेरिका को टक्कर, क्या 5जी सैटेलाइट की चाल से बिगड़ेगा खेल

बीजिंग , एजेंसी। चीनी प्रौद्योगिकी का एक नया उदाहरण सामने आया है। चीनी वैज्ञानिकों ने 5जी उपग्रहों की मदद से सीधे स्मार्टफोन पर ब्रॉडबैंड वीडियो कॉल करके इतिहास रच दिया है। दुनिया में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, सैद्धांतिक रूप से इस तकनीक का उपयोग करके वीडियो को सैटेलाइट के माध्यम से सीधे फोन पर स्ट्रीम किया जा सकता है। तो क्या अमेरिका टिकटॉक पर फंस सकता है यदि अमेरिका और चीन के बीच टिकटॉक से जुड़ी डील टूट जाती है और ऐप को अमेरिका में प्रतिबंधित कर

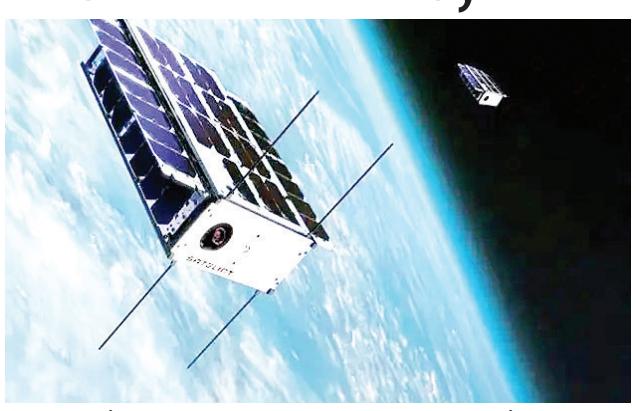

दिया जाता है, तो भविष्य में 5जी सैटेलाइट तकनीक के जरिए फोन पर सीधे अंतरिक्ष से टिकटॉक चलाने की संभावना बढ़ सकती है। यद्यपि इसमें कई विनियामक मुद्दे होंगे, लेकिन लोग हैकिंग में विशेषज्ञ हैं। वे भविष्य में अपने डिवाइसों पर प्रतिबंधित ऐप्स चलाने के लिए ऐसी तकनीक का उपयोग कर सकते हैं।

चीन का प्रयोग किस प्रकार भिन्न है- चाइना सैटेलाइट नेटवर्क ग्रुप (चाइना सैटनेट) ने इस परीक्षण की जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, यह परीक्षण 5जी नॉन-टेरेस्ट्रियल नेटवर्क मानकों पर किया गया था। इसका मतलब यह है कि फोन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त 5जी विनिर्देशों के माध्यम से उपग्रह से जुड़ा हुआ है। इसमें किसी हार्डवेयर को स्थापित करने की आवश्यकता नहीं है। अब कल्पना कीजिए कि यदि कोई अमेरिकी यूजर अपने फोन को इस तकनीक से जोड़ ले तो उसके मोबाइल में प्ले स्टोर या ऐप स्टोर से ऐसे ऐप्स आसानी से डाउनलोड हो जाएंगे जो अमेरिका में प्रतिबंधित हैं। हालाँकि, स्वयं चीनी विशेषज्ञों का मानना है कि व्यवहार्य होने के बावजूद, इस तकनीक को नियामक मुद्दों का सामना करना पड़ सकता है।

चीन अमेरिका को चुनौती दे रहा है- चीन सैटेलाइट इंटरनेट के क्षेत्र में भी अमेरिका को चुनौती देने के लिए आगे बढ़ रहा है। वहां चाइनासेटनेट सरकारी नियंत्रण में है। इसने अंतरिक्ष में हजारों उपग्रह भी प्रक्षेपित किये हैं। रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी का सीधा मकसद एलन मस्क की स्टारलिंक को चुनौती देना है।

चीन नई तकनीक से क्या करना चाहता है- रिपोर्ट के अनुसार, चीनी विशेषज्ञों का मानना है कि नई तकनीक से भविष्य में फोन को सीधे उपग्रहों से जोड़ा जा सकेगा। इससे पारंपरिक मोबाइल टावरों पर निर्भरता खत्म हो जाएगी। दूरदराज के क्षेत्रों में जहां कनेक्टिविटी की समस्या है, वहां लोगों को सिग्नल मिलते रहेंगे। चीन ने इस तकनीक के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी है। चिंता की बात यह है कि अगर दुनिया का कोई भी फोन बिना हार्डवेयर के सीधे चीनी सैटेलाइट से जुड़ जाए तो उससे कोई भी काम किया जा सकता है।

नेतन्याहू ने दोहराया गाजा पर पूर्ण कब्जे का इरादा, ट्रंप से मतभेद की खबरों को बताया बेबुनियाद

यरूशलम, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को गाजा पर पूरी तरह से कब्जा करने के अपने इरादे को दोहराया और युद्ध समाप्ति के लिए किसी भी प्रकार के समझौते की संभावना से इनकार किया। उन्होंने कहा कि गाजा में 20 बंधक अब भी जीवित हैं, जबकि 38 अन्य के मारे जाने की आशंका है। पश्चिम यरूशलम स्थित अपने कार्यालय में बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में नेतन्याहू ने अपनी मंशा जाहिर की। फिलिस्तीनी संगठन हमास ने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि वह युद्ध समाप्ति, गाजा से इजरायली सेना की वापसी और फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई के बदले में इजरायली बंदियों को एकमुश्त रिहा करने के लिए तैयार है। नेतन्याहू ने इन शर्तों को खारिज कर दिया है।

डायरेक्टर-इन-चार्ज ट्रॉफी के विजेताओं को किया गया सम्मानित

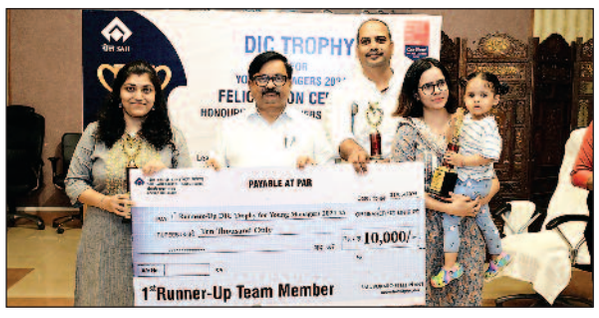

01
बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बीएसएल द्वारा आयोजित 'डायरेक्टर-इन-चार्ज ट्रॉफी फॉर यंग मैनेजर्स 2024-25' प्रतियोगिता के विजेताओं के सम्मान में एक समारोह का आयोजन बोकारो निवास में किया गया। कार्यक्रम में बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी श्री बी.के. तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. उन्होंने प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया और उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन, प्रतिबद्धता एवं टीम भावना की सराहना की. इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (संकार्य) सी.आर. महापात्रा, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक (माइंस) विकास मनवटी, अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) सी.आर. मिश्रा, अधिशासी निदेशक (परियोजना) अनीश सेनगुप्ता, प्रभारी झ बोकारो जनरल हॉस्पिटल डॉ. बी.बी. करुणामय, मुख्य महाप्रबंधक (तकनीकी) एल दास तथा मुख्य महाप्रबंधक (एचआर-एलएंडडी) सुश्री नीता बा समेत कई वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे. मुख्य अतिथि बी.के. तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि युवा प्रबंधक किसी भी संगठन की रीढ़ होते हैं. वे जटिल परिस्थितियों में नवाचारी सोच और प्रभावी निर्णय लेने की क्षमता रखते हैं तथा संगठन के भविष्य के नेतृत्व की आधारशिला बनते हैं. उन्होंने युवा प्रबंधकों को निरंतर सीखने और संगठन की प्रगति में सक्रिय भागीदारी निभाने हेतु प्रेरित किया. अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी प्रतिभागियों को बधाई दी और रणनीतिक सोच तथा व्यावसायिक दक्षताओं को लगातार विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया. उल्लेखनीय है कि 'डायरेक्टर-इन-चार्ज ट्रॉफी फॉर यंग मैनेजर्स - 2024-25' प्रतियोगिता का आयोजन विगत 30 और 31 जनवरी 2025 को बोकारो स्टील प्लांट के लर्निंग एंड डेवलपमेंट सेंटर में किया गया था, इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम में सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन) सुश्री शिप्रा एन. हेमरोम, वरीय प्रबंधक (इलेक्ट्रिकल एवं टेली कम्युनिकेशन) श्री वाई.एस.एन. रेड्डी तथा उप प्रबंधक (फायर सर्विसेज) श्री अनिरुद्ध डी. रामटेके शामिल थे। यह टीम बोकारो स्टील प्लांट का प्रतिनिधित्व आगामी 'चेयरमैन ट्रॉफी फॉर यंग मैनेजर्स झ 2024-25' प्रतियोगिता में करेगी, जिसका आयोजन मैनेजमेंट ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट (एमटीआई), रांची में किया जाएगा. प्रथम रनर-अप टीम में सहायक महाप्रबंधक (सी एंड आईटी) चंदन कुमार, प्रबंधक (मार्केटिंग) श्रीमती तनु प्रिया और प्रबंधक (सीटीएस) श्रीमती जी. स्नेहा राजू शामिल थे। वहीं, द्वितीय रनर-अप टीम में प्रबंधक (आरसीएल) शुभम, प्रबंधक (जीयू) अमन कुमार मिश्रा और सहायक प्रबंधक (जीयू) मनीष स्नेही सम्मिलित थे। कार्यक्रम का संचालन सहायक महाप्रबंधक (एचआर-एलएंडडी) श्री अमित आनंद द्वारा किया गया.

अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर गरगा नदी की सफाई और पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन

अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस प्रकृति के साथ सामंजस्य और सतत विकास विषय के अंतर्गत मनाया जाता है. बीएसएल और जिला गरगा समिति के सौजन्य से इस वर्ष 'प्रकृति के साथ सामंजस्य और सतत विकास' की थीम पर मुख्य महाप्रबंधक (नगर सेवा) के नेतृत्व और मार्गदर्शन में गरगा नदी की सफाई और पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जैविक विविधता भविष्य की पीढ़ियों के लिए आवश्यक है तथा इसके प्रति सजगता बरतना सभी का कर्तव्य है. कार्यक्रम में नगर सेवा विभाग के महाप्रबंधक (जन स्वास्थ्य) श्री ए के अविनाश की टीम द्वारा गरगा नदी के आस -पास वृहद् साफ- सफाई के साथ-साथ नदी के समीप पौधरोपण किया गया.

संक्षिप्त समाचार

मानसून से पूर्व सिंगारी जोरिया की हुई सफाई

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मानसून में नगर निगम चास क्षेत्र में जल जमाव की समस्या नहीं हो इसको लेकर प्रशासन अलर्ट मोड में है। उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर नगर निगम चास द्वारा गुरुवार को सिंगारी जोरिया की निगम के सफाई कर्मियों की टीम द्वारा सफाई अभियान चलाकर सफाई किया गया। उधर, शहर के विभिन्न नालों की साफ-सफाई का काम तेजी से समाप्त करने के लिए नगर निगम चास की ओर से कार्य जारी है। बारिश में शहरवासियों को होने वाली समस्याओं के निजात के लिए शहर के विभिन्न बड़े नालों/जोड़िया से जमे गाद/गंदगी को निकाला जा रहा है। ताकि विभिन्न वार्डों में जलजमाव ना हो और बारिश के पानी की निकासी सुगमता के साथ हो सके। सफाई कार्य को मजदूरों के अलावा जेसीबी, ट्रैक्टर एवं अन्य वाहनों के माध्यम से पूर्ण करने का काम किया जा रहा है।

इंटक का प्रतिनिधिमंडल निदेशक प्रभारी से मिला

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। इंटक के प्रदेश सचिव राकेश राय के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल डायरेक्टर इंचार्ज बी एस एल बी के तिवारी से मिला। उन्हें बीएसएल की अनेक उपलब्धियो एवं सेल की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए बधाई दी। प्रतिनिधि मंडल में इंटक के जिला सचिव संजय कुमार बी जी एच बोकारो स्टील वर्कर्स यूनियन के वरीय उपाध्यक्ष जगदीश पांडे मनोज सिंह सी सी डी हॉट स्ट्रिप मिल से डी कुमार एन परवेज एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

विधायक श्वेता ने सड़क निर्माण कार्य की रखी आधारशिला

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो की कांग्रेस विधायक श्वेता सिंह ने आज एक करोड़ 75 लागत से बनने वाले दो सड़कों के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। एक सड़क रानी पोखर के जगन्नाथ नगर में बनेगी, जिसकी लागत 1 करोड़ 14 लख रुपए है। जबकि एक सड़क जोशी कॉलोनी में बनेगी जिसकी लागत 61 लाख रुपए है। इस शिलान्यास के दौरान स्थानीय लोग भी मौजूद रहे। विधायक ने नारियल फोड़कर इस निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। विधायक श्वेता सिंह ने कहा कि सड़क बनने से लोगों को आवागमन में काफी सहूलियत होगी। उन्होंने कहा कि संवेदक को भी गुणवत्तापूर्ण काम करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने संवेदक को चेतावनी दी कि अगर काम गुणवत्तापूर्ण नहीं होगा इसकी जांच भी करने में मैं पीछे नहीं हटूंगी।

जेएमएम ने फूंका सांसद ढुलू महतो का पुतला

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड मुक्ति मोर्चा बोकारो महानगर अध्यक्ष मंटू यादव के नेतृत्व में आज धनबाद के भाजपा सांसद ढुल्लू महतो का पुतला फूंका। विरोध ढुल्लू महतो के कथित बोकारो विरोधी होने के कारण किया जा रहा है। जेएमएम ने आरोप लगाया कल धनबाद के सांसद ढुल्लू महतो ने धनबाद में हवाई अड्डा के नवनिर्माण की मांग को लेकर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू से मुलाकात कर मांग पत्र सौपा था। मांग पत्र में बोकारो में बनकर तैयार हवाई अड्डे के शुरू करने पर कोई बात नहीं की गई थी। इसी को लेकर धनबाद सांसद का विरोध शुरू हुआ है। विरोध को लेकर बोकारो के नया मोड़ बिरसा चौक में धनबाद सांसद का पुतला दहन करते हुए उनके खिलाफ नारेबाजी भी की गई। झारखंड मुक्ति मोर्चा का आरोप है कि बोकारो हवाई अड्डे को बंद कराकर सांसद धनबाद में हवाई अड्डा बनवाना चाहते हैं। यह प्रयास उनका बोकारो विरोधी है। बोकारो का विकास वह देखना नहीं चाहते हैं। चुनाव के वक्त इन्होंने सभी लोगों को सिर्फ सपना दिखाया।

जेएलकेएम ने आयोजित किया जनता दरबार

गोविंदपुर (धनबाद)/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गोविंदपुर प्रखंड के अंतर्गत ग्राम मंडरो में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के बैनर तले जनता दरबार का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता महिला जिला अध्यक्ष डिंपल चौबे व संचालन पंचायत महामंत्री सीमा राय ने किया। मौके पर सैकड़ो महिलाएं ने अपने समस्या से पार्टी जिला अध्यक्ष को अवगत कराया। कुछ समस्या का निराकरण साथ ही साथ ऑन द स्पॉट किया। साथ ही ग्रामीणों द्वारा दर्जनों समस्याओं का आवेदन जिला कमेटी को प्राप्त हुआ। जिला महिला अध्यक्ष डिंपल चौहान ने कहा झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा 24 घंटे जनता की समस्याओं का समाधान करने के लिए संकल्पित है साथ ही भ्रष्टाचार व शोषण मुक्त नव झारखंड का निर्माण करना हमारा लक्ष्य इसे देखते हुए धनबाद जिले में जगह-जगह जनता दरबार का आयोजन किया जा रहा है और लोगों के समस्याओं का समाधान भी।मौके पर अल्पसंख्यक मोर्चा के केंद्रीय महामंत्री सद्दाम हुसैन, युवा मोर्चा के केंद्रीय सचिव चंदन महतो, कंचनपुर पंचायत महामंत्री सीमा राय , झुनकी देवी, माला देवी फुचू देवी गीता देवी, कौशल्या देवी, अनीता देवी, माया देवी, मोती देवी, झालू देवी आदि सैकड़ो महिलाएं शामिल थे।

तंबाकू मुक्त भविष्य के लिए युवाओं को आना होगा आगे : उपायुक्त

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने गुरुवार को समाहरणालय परिसर से राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत जागरुकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रत्येक वर्ष 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। तंबाकू मुक्त भविष्य के लिए युवाओं को आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि इस वर्ष तंबाकू के सेवन से होने वाले गंभीर स्वास्थ्य खतरों और इसके नियंत्रण के उपायों के बारे में व्यापक जागरूकता फैलाने पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। साथ ही कोटपा 2003 के विभिन्न प्रावधानों एवं द प्रोहिबिशन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक सिगरेटस एक्ट 2019 (पी.ई.सी.ए.) का प्रभावकारी अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए इस इस वर्ष की थीम है "तंबाकू दिखावे का दम, इरादों में जहर ! आकर्षण के पीछे का खतरनाक सच। उन्होंने कहा कि इन रथों को जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भेजा जाएगा। जहां ये ऑडियो और प्रचार सामग्री के माध्यम से आम जनता को तंबाकू के हानिकारक प्रभावों के बारे में जानकारी देंगे। यह लोगों को तंबाकू छोड़ने के लिए प्रेरित करेंगे और उन्हें सहायता प्राप्त करने के लिए उपलब्ध संसाधनों के बारे में भी बताएंगे।

पीड़ित परिवारों से मिला स्थानीय प्रशासन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर गुरुवार को चंदनकियारी प्रखंड प्रशासन की टीम ने गम्हरिया गांव के पीड़ित परिवारों से मुलाकात किया। टीम में प्रखंड विकास पदाधिकारी चंदनकियारी (बीडीओ) अजय वर्मा, अंचलाधिकारी (सीओ) रवि आनंद, कार्यपालक दंडाधिकारी जया कुमारी आदि शामिल रहें। पदाधिकारियों ने पीड़ित परिवार के सदस्यों को सांत्वना दिया और मृतक शांति देवी के परिजनों को आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा प्राप्त होने वाले मुआवजा के संबंध में जानकारी देते हुए कार्रवाई शुरू करने की बात कहीं।

मृतक के परिजनों को सरकार की योजनाओं के तहत किया जाएगा लाभांवित

उधर, पीड़ित परिवार से विधायक चंदनकियारी उमाकांत रजक ने भी भेंट किया। परिवार को दुख के इस घड़ी से उबरने के लिए ईश्वर से परिजनों को शक्ति देने के लिए प्रार्थना किया। मौके पर जिला परिषद सदस्य आलोका देवी, प्रखंड प्रमुख निवारन सिंह चौधरी, उप प्रमुख पदमा देवी, मुखिया/पंचायत प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे। उल्लेखनीय हो कि, मंगलवार को गम्हारिया निवासी दिनेश दास की पत्नी ज्योत्सना देवी समेत उनकी दो पुत्रियां निशा व तनुश्री के अलावा एक पड़ोसी महिला शांति देवी की गांव के ही पोखरिया तालाब में कपड़ा धोने व नहाने के दौरान डूबने से मौत हो गई थी।

प्रशिक्षण में बताई गई बातों को ध्यान से सुनें, अपने दायित्व को जाने : उपायुक्त

नव चयनित सेविका सहायिकाओं का उन्मुखीकरण-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिला परिषद सभागार में गुरुवार को जिले के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों के 89 पदों पर नव चयनित सेविका-सहायिकाओं का जिला स्तरीय दो दिवसीय उन्मुखीकरण-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर उपायुक्त विजया जाधव, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डा. सुमन गुप्ता, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, नव चयनित सेविका-सहायिका ने किया। अपने संबोधन में उपायुक्त ने प्रशिक्षण में बताई गई बातों को नव चयनित सेविका-सहायिकाओं को ध्यान से सुनने। आंगनबाड़ी केंद्रों में उनकी क्या भूमिका है, क्या करना है इसकी जानकारी सही से प्राप्त करने को कहा। कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों के सफल संचालन में सेविका - सहायिकाओं का अहम भूमिका है। सेविका झ सहायिकाओं का किशोरियों, गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं, बच्चों को पोषण, स्वास्थ्य, उनकी प्रारंभिक शिक्षा सब उनके कार्य - दायित्व में शामिल हैं। उपायुक्त ने क्रमवार विभिन्न उदाहरण देकर सेविका-सहायिकाओं को उनके कार्य दायित्व से अवगत कराया। उन्होंने प्रशिक्षण सत्र में सक्रिय भागीदारी निभाने को कहा। आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों के लिए उपलब्ध कराएं गए आंगनबाड़ी किट के संबंध में बताया। प्रशिक्षकों को विस्तार से सभी जानकारी देने की बात कहीं। मौके पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने दो दिवसीय उन्मुखीकरण-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान बताई जाने वाले बातों के संबंध में नव चयनित सेविका-सहायिकाओं को बताया। उनके मुख्य कार्य प्री-स्कूल एडुकेशन, पुरक पोषाहार कार्यक्रम, संदर्भ सेवाएं - कुपोषण दूर करने, स्वास्थ्य सेवाएं - टीकाकरण, टीएचआर वितरण आदि के संबंध में बताया। उन्होंने प्री- ट्रैनिंग एशेसमेंट व पोस्ट - ट्रैनिंग एशेसमेंट आदि के संबंध में जानकारी दी। कहा कि पूरा पोषक क्षेत्र आपका परिवार है। इसके अलावा विभिन्न बिंदुओं पर उन्मुखीकरण-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में नव चयनित सेविका झ सहायिकाओं को विभिन्न विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।

आदिवासियों की जमीन कब्जा मुक्त कराने को लेकर भाजपा का प्रतिनिधिमंडल उपायुक्त से मिला

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो जिला के ललपनिया पंचायत स्थित अय्यर गांव में पिछले कई वर्षों से आदिवासियों की जमीन मुसलमानो के द्वारा कब्जा किया जा रहा है। अय्यर गांव के आदिवासी बुधन सोरेन,राजाराम मुर्मू एवं दर्जनों पीड़ितो ने चन्दनकियारी के पूर्व विधायक अमर कुमार बाउरी के नेतृत्व में बोकारो उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक एवं आरक्षी उपमहानिरीक्षक से मुलाकात की। उनसे अपनी व्यथा बताई और घटना की लिखित जानकारी दी। उपायुक्त ने तत्काल कार्रवाई करते हुए गोमिया अंचलाधिकारी को जमीन को अवैध कब्जा से मुक्त कराने का आदेश दिया। एक दिन पूर्व झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने गांव का दौरा हुआ था। उनके निर्देश पर आज प्रतिनिधि मंडल अधिकारियों से मिला। पीड़ित परिवार ने कहा, अगर दस दिन में न्याय नहीं मिला तो आंदोलन करेंगे। मुसलमानों के द्वारा बार बार जान से मारने और, घर से उठा लेने की धमकी दी जा रही है। वे महिलाओ को भद्दी भद्दी गाली देते है। उठाकर ले जाने का धमकी देता है। प्रतिनिधि मंडल में बोकारो भाजपा जिला अध्यक्ष जय देवराय, फूलचंद किस्कू, भाजपाबकिसान मोर्चा प्रदेश महामंत्री अर्जुन सिंह, वीरभद्र सिंह, राजेश मुर्मू, राजेंद्र सोरेन, छोटू सोरेन, रमाकांत सोरेन शामिल थे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने बंटवाया ओआरएस और पानी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बोकारो अनिल कुमार मिश्रा के कुशल मार्गदर्शन में गर्मी की विभीषिका से लोगों को राहत पहुंचाने हेतु चलाए जा रहे कार्यक्रम के तहत आज सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार बोकारो अनुज कुमार के द्वारा न्याय सदन से चलंत प्याऊ रथ रवाना किया गया। जिसमें लोगों के बीच वितरित करने हेतु ओआरएस, पानी की बोतल इत्यादि सुविधा उपलब्ध थी। उक्त चलंत प्याउ रथ के माध्यम से जिला विधिक सेवा प्राधिकार के पारा लीगल वालंटियर्स/ अधिकार मित्रों द्वारा बोकारो के राम मंदिर, पत्थर कट्टा चौक, सेक्टर 5 हटिया मोड, सेक्टर 4 जी मोड, मारुति शोरूम, जय जवान पेट्रोल पंप, सिटी सेंटर सेक्टर-4, मजदूर मैदान चौक, लक्ष्मी मार्केट, बी जी एच मोड, विश्वकर्मा चौक सेक्टर 6 साई मंदिर, टी.वी टावर सेक्टर 6 टेंपो स्टैंड सेक्टर -6, डेली मार्केट सेक्टर 6, शंभू चौक सेक्टर 5 इत्यादि जगहों पर ओ आर एस एवं बंद बोतल पानी का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम के तहत सरकारी सेवा में लगे ट्रैफिक पुलिस कर्मी, दैनिक कामगार, सड़कों पर ठेला, रेहडी या छोटे दुकान लगाने वाले, खुली धूप में सेवारत कर्मी या अन्य काम करने वाले लोग, छोटे-मोटे दुकानदार एवं अन्य जरूरतमंद लोग जैसे बूढ़े- बुजुर्ग ,बच्चे, महिला इत्यादि को लक्षित कर लोगों को गर्मी में राहत पहुंचाने का कार्य किया गया। यह कार्यक्रम समाज के सभी वर्गों के हित संरक्षण हेतु समावेशी विचार के तहत झालसा के माननीय कार्यकारी अध्यक्ष द्वारा दिए गए निर्देश के अनुपालन एवं जिला प्रशासन बोकारो के सहयोग से किया जा रहा है। उक्त जानकारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार बोकारो अनुज कुमार द्वारा दी गई।

ईंट भट्ठा संचालक के हत्यारे गिरफ्तार, पैसे का लेन देन बना हत्या का कारण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पिंडराजोरा थाना क्षेत्र के बहादुरपुर में गत 4 मई को ईंट भट्ठा संचालक सुमित कुमार महतो की हुई हत्या का पुलिस ने कर दिया है। इस मामले में विश्वजीत राय और कुमार गौरव को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस हत्या में शामिल दो अन्य अभियुक्त फरार हैं। गिरफ्तार दोनों आरोपियों के पास से हत्या में इस्तेमाल किया गया लाल सफेद गमछा नारियल की रस्सी मोबाइल और स्कूटी को बरामद किया गया है। आरोपियों ने सुमित का उसके घर में गला दबाकर हत्या कर दी थी। हत्या के बाद आरोपियों की तस्वीर भी सीसीटीवी में कैद हुई थी। एसपी मनोज स्वर्गियरी ने बताया कि दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद यह पता चला है कि मृतक सुमित ने आरोपियों से ईंट भट्ठा के संचालन के लिए 12 लाख रुपया लिया था। जिसके एवज में प्रत्येक महीने लाभ के रूप में पैसा देने की बात कही थी। लेकिन सुमित पैसा नहीं लौट रहा था और घर में जाकर गाली गलौज और मारपीट करते हुए हत्या करने की धमकी देता था। हत्या के एक दिन पूर्व सुमित ने विश्वजीत के घर जाकर गाली गलौज और धमकी देने का काम किया था। इसी को लेकर विश्वजीत ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची और उसके घर में जाकर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी।

प्रत्येक सोमवार को अंचल कार्यालय में जनता दरबार लगाएं सीओ : उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। प्रायः ऐसी सूचना प्राप्त हो रही है कि अंचल अधिकारियों के द्वारा भू-राजस्व संबंधित शिकायतों को लेकर आ रहे आम जन/जनता से अंचल कार्यालय में नियमित सुनवाई नहीं की जा रही है। अंचल स्तर पर अंचल अधिकारियों के द्वारा आम जनों की शिकायतें नहीं सुनने पर जिला स्तर पर आयोजित जनता दरबार में भू-राजस्व से संबंधित काफी शिकायतें प्राप्त हो रही है।

जिला स्तर पर आयोजित जनता दरबार एवं जन शिकायत के प्राप्त आवेदनों में ज्यादातर आवेदन ऑनलाईन जमाबंदी दर्ज करने, ऑनलाईन लगान रसीद निर्गत, दाखिल खारिज एवं भू-मापी इत्यादि से संबंधित होती है। ऑनलाईन जमाबंदी में सुधार/लगान रसीद निर्गत करने/दाखिल खारिज के प्राप्त आवेदनों के निष्पादन हेतु कई बार पूर्व में निदेशित किया गया है। दिये गये दिशा - निदेशों के उपरान्त भी ऑन लाईन झारभूमि पोर्टल पर दर्ज जमाबंदियों में त्रुटि निराकरण में अपेक्षित प्रगति नहीं हो पाई है। ऑनलाईन लगान रसीद का विवरण उपलब्ध नहीं रहने के कारण रैयतों के द्वारा लगान भुगतान नहीं किया जा रहा है, जिससे राजस्व संग्रहण में भी कमी देखी जा रही है।

इसी को लेकर गुरुवार को उपायुक्त विजया जाधव ने सभी अंचल अधिकारियों को निदेश दिया है कि राजस्व से संबंधित सभी शिकायतों यथा ऑनलाईन झारभूमि पोर्टल पर दर्ज जमाबंदियों में व्याप्त त्रुटि के निराकरण, भू-मापी, ऑनलाईन लगान रसीद, भू-धारी प्रमाण पत्र, आय, आवासीय, जाति एवं अन्य के निष्पादन हेतु प्रत्येक सप्ताह के सोमवार को अंचल कार्यालय में जनता दरबार का आयोजन करना सुनिश्चित करेंगें। साथ ही, आयोजित जनता दरबार में प्राप्त होने वाले सभी शिकायतों को शिकायत पंजी में सूचिबद्ध करते हुए संबंधित साप्ताहिक प्रतिवेदन जिला कार्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। वहीं, भूमि सुधार उपसमाहर्ता, चास एवं बेरमो (तेनुघाट) वरीय पदाधिकारी के रूप में अंचल कार्यालय में आयोजित होने वाले जनता दरबार का पर्यवेक्षण करेंगे। इससे आमजनों को अंचल स्तर पर ही राजस्व संबंधित समस्याओं का समाधान होगा।

शिविर लगाकर बैंक एकाउंट से आधार को करें लिंक : उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त विजया जाधव ने आधार निगरानी समिति की समीक्षा बैठक की। मौके पर अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा, जिला शिक्षा अधीक्षक अतुल कुमार चौबे, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डा. सुमन गुप्ता, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा पियूष, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, नोडल पदाधिकारी मनरेगा पंकज दूबे, डीपीओ यूआइडी शैलेंद्र कुमार, यूआइडी क्षेत्रीय कार्यालय रांचीके प्रतिनिधि, लीड बैंक मैनेजर, सहायक डाक अधीक्षक बोकारो आदि उपस्थित थे।

उपायुक्त ने आधार निर्माण केंद्र एवं आयोजित शिविर के प्रदर्शन की जानकारी ली। इस क्रम में डीपीओ यूआइडी ने बताया कि प्रखंडों में निलंबित आधार केंद्र को शुरू कर लिया गया है। पेटरवार प्रखंड को छोड़ सभी प्रखंड कार्यालय (08), बीआरसी केंद्र (09), विभिन्न बैंक शाखा (26), पोस्ट आफिस (ब्रांच झ सब पोस्ट आफिस) (81) में आधार निर्माण एवं अपटेड का कार्य किया जा रहा है।

आयोजित विशेष आधार शिविर में कुल लगभग 15 हजार आधार में मोबाइल नंबर व त्रुटि में सुधार (अपडेट) का कार्य किया गया। वहीं, 02 हजार नये आधार कार्ड का निर्माण हुआ है। समीक्षा क्रम में लगभग 30 हजार बैंक खातों का आधार से लिंक नहीं होने से डाइरेक्ट बेनीफीट ट्रांसफर (डीबीटी) नहीं होने की बात सामने आयी। इस पर उपायुक्त ने लीड बैंक मैनेजर को शिविर लगाकर बैंकों में आधार से बैंक अकाउंट को लिंक करने का निर्देश दिया।

स्वत्वाधिकारी,
प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक
कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार),
स्थानीय संपादक :
मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145665
8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या :
JHAHIN/2017/72655
E-mail-
nbtimesbihar@gmail.com